19:10:2025

अखबार जो बदल दे नजरिया
राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र

web: www.rashtriyakhabar.com
पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 16 अंक ›› 284
epaper.rashtriyakhabar.com
कार्तिक, कृष्णपक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत 2082

रांची पारा अपडेट
मैक्सिमम 28.00 °c
मिनिमम 18.00 °c
सूर्यास्त (आज) ›› 17 .19 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 05 .47 बजे

चाणक्य नीति

अत्यासन्ना विनाशाय दूरस्था न फलप्रदाः।
सेवितव्यं मध्यभागेन राजा वह्निर्गुरुः स्त्रियः॥

भावार्थ : राजा, अग्नि, गुरु और स्त्री इनके पास हर समय नहीं रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को हानि हो सकती है। परंतु इनसे दूर रहने से भी मनुष्य को कोई लाभ नहीं होता। इसलिए इनसे व्यवहार करते समय व्यक्ति को बहुत सोच समझकर बीच का रास्ता अपनाना चाहिए - इसी को मध्यम मार्ग करते हैं।

राष्ट्रीय खबर संक्षिप्त हलचल

पाक ने तालिबान से सुलह के लिए कतर भेजा रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद: पाकिस्तान और अफगान तालिबान शासन के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव में एक नया मोड़ आ गया है। पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में की गई हवाई कार्रवाई में कम से कम 10 नागरिक मारे गए, जिसके बाद दोनों पक्षों ने कतर की राजधानी दोहा में आपातकालीन शांति वार्ता बुलाने का फैसला किया है। इन हमलों में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटर भी मारे गए हैं। अब तालिबान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और खुफिया प्रमुख जनरल आसिम मलिक के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दोहा भेजा है। वहीं अफगान पक्ष के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पहुंचने वाला है।यह घटना उस 48 घंटे के अस्थायी युद्धविराम के ठीक बाद हुई है, जो बुधवार शाम को प्रभावी हुआ था और हाल ही में दोहा वार्ता के समापन तक बढ़ा दिया गया था।

ट्रंप से मिलने हंगरी जा रहे पुतिन हो जाएंगे गिरफ्तार? आईसीसी वारंट के कारण उठ रहे सवाल

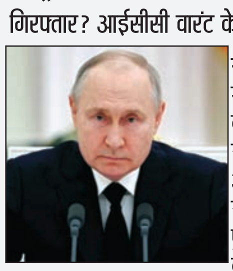

नई दिल्ली: अलास्का में वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के संभावित अंत पर चर्चा करने के लिए हंगरी को अगले गंतव्य के रूप में चुना है। हालांकि, दोनों नेताओं की इस बैठक के लिए जगह के चुनाव ने ही चर्चा का विषय बना दिया है। सैद्धांतिक रूप से, पुतिन को वॉर क्राइम का दोषी मानते हुए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (क्ळउ) ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया।इस कारण हंगरी पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसा तमाशा होने की संभावना कम ही है। उससे पहले, क्रेमलिन को कई व्यावहारिक और कानूनी बाधाओं के साथ-साथ यूरोपीय संघ (एव) द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को पार करके पुतिन को बुडापेस्ट तक पहुंचाने का तरीका निकालना होगा। इस मुद्दे के केंद्र में आईसीसी द्वारा 2023 में जारी किया गया वारंट है, जो कथित युद्ध अपराधों और युद्ध के दौरान यूक्रेनी बच्चों के अवैध निर्वासन के लिए पुतिन की गिरफ्तारी का आदेश देता है। लेकिन, आईसीसी के पास गिरफ्तारी का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उसके पास कोई पुलिस बल या कोई एजेंसी नहीं है। आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने के लिए यह मूल रूप से उसके सदस्य देशों के सहयोग पर निर्भर करता है।इसके आधार पर, हंगरी और उसके पड़ोसी देश, जिनमें सर्बिया और रोमानिया शामिल हैं, तकनीकी रूप से रूसी राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के लिए बाध्य हैं, यदि उनका विमान उनके हवाई क्षेत्र में प्रवेश करता है। क्योंकि ये देश आईसीसी के सदस्य हैं। जर्मनी पहले ही हंगरी से पुतिन को गिरफ्तार करने का आग्रह कर चुका है।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

संदेश ›राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को बड़ी चेतावनी दी

पाकिस्तान का हर ईंच ब्रह्मोस के निशाने पर

- ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर ही था
- हर साल एक सौ अतिरिक्त मिसाइलें
- विदेशी निर्भरता तेजी से कम हो रही है

राष्ट्रीय खबर

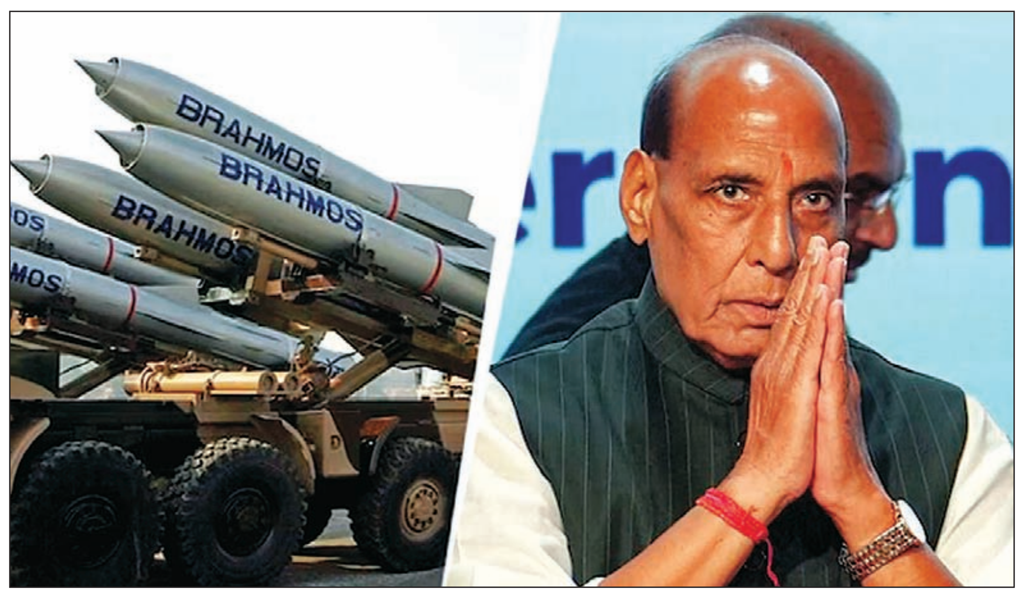

नईदिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत के पड़ोसी देश का हर इंच ब्रह्मोस मिसाइलों की मारक क्षमता के भीतर है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को महज एक ट्रेलर बताया। लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की नई सुविधा से स्वदेशी रूप से उत्पादित ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच को झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर, राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही।

राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रह्मोस ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक साबित हुई। जीत केवल एक घटना नहीं है, यह हमारी आदत बन गई है... ऑपरेशन सिंदूर में जो कुछ हुआ, वह तो बस एक ट्रेलर था। हालांकि, उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह अहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो आगे वह और क्या कर सकता है, इस बारे में मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ब्रह्मोस भारतीय सशस्त्र बलों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है और इसने देश के इस विश्वास को मजबूत किया है कि सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने सरोजिनी नगर, लखनऊ में अपनी नई एकीकरण और परीक्षण सुविधा से मिसाइल प्रणाली के पहले बैच का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। इस अत्याधुनिक इकाई में मिसाइल एकीकरण, परीक्षण और अंतिम गुणवत्ता जांच के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ साइट से सालाना लगभग 100 मिसाइलें लॉन्च की जाएंगी, जिनकी आपूर्ति तीनों सेनाओं को की जाएगी। उन्होंने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं का जिक्र करते हुए कहा, आपूर्ति श्रृंखला की यह रुकावट एक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही है। अब हम इस चुनौती से पार पा रहे हैं, जो कि तेजस विमानों के लिए इंजन आपूर्ति में देरी को लेकर अमेरिका पर एक परोक्ष कटाक्ष माना गया।

ब्रह्मोस दो चरणों वाली मिसाइल है, जिसमें ठोस ›› पेज 11 भी देखें

धार्मिक रूपांतरण पर उत्तर प्रदेश अधिनियम को झटका

कानून निर्दोषों को परेशान ना करेः सुप्रीम कोर्ट

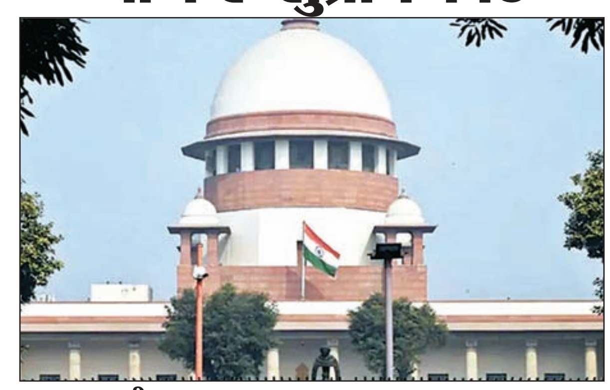

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्लीः आपराधिक कानून को निर्दोष नागरिकों को परेशान करने का जरिया नहीं बनाया जा सकता है, यह देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में हिंदुओं से ईसाई धर्म में सामूहिक धार्मिक रूपांतरण के कथित अपराध को लेकर दर्ज की गई कई एफआईआर को रद्द कर दिया। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 को लागू करने पर एक महत्वपूर्ण फैसले में, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश के सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल सहित कई व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज पांच एफआईआर को रद्द कर दिया।

न्यायमूर्ति पारदीवाला, जिन्होंने 158 पन्नों का फैसला लिखा, ने पाया कि एफआईआर कानूनी कमजोरियों, प्रक्रियात्मक चूक और विश्वसनीय सामग्री की कमी से दूषित थीं, और फैसला सुनाया कि ऐसे अभियोजनों को जारी रखना न्याय का मजाक होगा। उन्होंने कहा, आपराधिक कानून को निर्दोष व्यक्तियों को परेशान करने का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता, जिससे अभियोजन एजेंसियों को अपनी सनक और कल्पना के आधार पर, पूरी तरह से अविश्वसनीय सामग्री के आधार पर अभियोजन शुरू करने की अनुमति मिले। यह फैसला 2022 में दर्ज की गई एक एफआईआर में चमकीले दोषों का हवाला देते हुए आया।

एक एफआईआर के तथ्यों का उल्लेख करते हुए, फैसले में कहा गयाः पुलिस के लिए यह खुला नहीं था कि वह निहित स्वार्थ वाले व्यक्तियों से काफी देरी के बाद उसी कथित घटना के संबंध में शिकायतें ›› पेज 11 भी देखें

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के भारत दौरे के बाद नई जानकारी सामने आयी

भारत के आधार कार्ड की तकनीक वहां चालू होगी

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्लीः इस बार ब्रिटेन की सरकार भारत के आधार कार्ड की नकल करते हुए एक फोटो पहचान पत्र बनाने जा रही है। इस नए पहचान पत्र का नाम ब्रिटिश कार्ड होगा। हाल ही में ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने की मांग को लेकर कई जुलूस और सभाएं हुई हैं। ऐसे में, ब्रिटेन में अवैध रूप से रह रहे कामगारों की पहचान के लिए हर नागरिक के लिए एक नया फोटो पहचान पत्र बनने जा रहा है। कुछ दिन पहले, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भारत आए थे। उस यात्रा के दौरान, उन्होंने आधार कार्ड की बारीकियों के बारे में जानकारी ली थी। अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान, स्टारमर ने मुंबई में आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि से मुलाकात की। नीलेकणि उन लोगों में से एक हैं जिन्होंने आधार कार्ड का आविष्कार किया था। एक सूत्र के अनुसार, स्टारमर इस कार्ड को बनाने की प्रक्रिया, इसके फायदे और नुकसान को समझने की कोशिश कर रहे हैं। भारत में 15 साल पहले शुरू हुए आधार कार्ड को लेकर विवादों की कोई कमी नहीं है। बैंकों और डाकघरों में ›› पेज 11 भी देखें

केरल में स्कूल प्रबंधन की हरकत को लेकर राजनीति गर्म

स्कूल फीस नहीं दिया तो बच्चे को सड़क पर उतारा

राष्ट्रीय खबर

तिरुअनंतपुरमः स्कूल के बाद बस में चढ़ने के लिए वह सीढ़ियों पर चढ़ गया। स्कूल बस ड्राइवर ने उसे रोक लिया। पाँच साल का बच्चा स्तब्ध रह गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। ड्राइवर को भी कोई परवाह नहीं थी। उसने बच्चे को सड़क पर ही छोड़ दिया और बाकी बच्चों को अपने साथ ले गया। बच्चा कुछ देर तक सड़क पर अकेला खड़ा रहा। उसके बाद, वह रोता हुआ घर चला गया। कुछ परिचितों ने उसे देखा और घर पहुँचाया। केरल के मलप्पुरम में इस घटना पर हंगामा मच गया। कथित तौर पर, यह सजा इसलिए दी गई क्योंकि बच्चे के पिता दो महीने से स्कूल बस की फीस नहीं भर पाए थे!

मलप्पुरम के चेलाम्ब्रा स्थित एएलपी स्कूल एक सरकारी स्कूल है। राज्य सरकार शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन देती है। हालाँकि, स्कूल बाकी सारे खर्चे खुद उठाता है। पाँच साल का बच्चा उसी स्कूल का छात्र है। परिवार का आरोप है कि कुछ दिन पहले, जब बच्चे ने स्कूल के बाद बस में चढ़ने की कोशिश की, तो उसे रोक लिया गया। बस उसे सड़क पर ही छोड़ गई। बच्चे की सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया।

बच्चे के पिता ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण वह अपने बेटे की स्कूल बस की दो महीने की फीस नहीं भर पाए। वह अगले महीने पैसे दे देते। लेकिन उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनके नाबालिग बेटे को इसकी इतनी सजा मिलेगी। उन्होंने बताया कि उनका पाँच साल का बेटा आँखों में आँसू लिए घर लौटा। उसे बहुत मानसिक आघात पहुँचा है। वह अब स्कूल नहीं जाना चाहता। माता-पिता ने अपने बेटे को दोबारा उस स्कूल में न भेजने का ›› पेज 11 भी देखें

सार्वजनिक क्षेत्र के चार बड़े बैंक अब खत्म हो सकते हैं

वित्तीय संकट से निकलने के लिए बड़ा विलय

- पहले भी कई बैंकों का विलय हुआ है
- रिपोर्ट में निजीकरण का उल्लेख भी है
- कई छोटे बैंक आयेंगे इसकी चपेट में

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्लीः देश के बैंकिंग परिदृश्य को सुव्यवस्थित और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार एक और महत्वाकांक्षी कदम उठाने की तैयारी कर रही है। एक आंतरिक सरकारी दस्तावेज, जिसका नाम रिकॉर्ड ऑफ डिस्कशन है, में मेगा बैंक विलय योजना के अगले चरण का विस्तृत विवरण दिया गया है। यह दस्तावेज इस बात की ओर इशारा करता है कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या को और कम करके उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस महत्वपूर्ण दस्तावेज की समीक्षा प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है। इसकी जाँच पहले कैबिनेट स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जो इस योजना के विभिन्न पहलुओं और संभावित प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श करेंगे। इसके पश्चात, अंतिम नीतिगत मार्गदर्शन और अनुमोदन के लिए इसे सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय में भेजा जाएगा। इस उच्च स्तरीय समीक्षा ›› पेज 11 भी देखें

अचंभित ›नये अध्ययन ने फिर से प्राचीन धरती के घटनाक्रमों पर हैरान किया

विशाल पिंड टकराया लेकिन उसका गड्ढा गायब है

- टेक्टाइट्स के टुकड़ों से टक्कर का पता चला
- क्रेटर क्यों नहीं बना या कहां बना, यह सवाल है
- दुर्लभ कांच की उम्र 11 मिलियन वर्ष आंकी गयी है

राष्ट्रीय खबर

रांचीः एक नए अध्ययन से एक विशाल क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने के सबूत मिले हैं, जिसकी घटना का पता किसी क्रेटर (टकराव से बने गड्ढे) से नहीं चला, बल्कि केवल ऑस्ट्रेलिया में पाए गए छोटे कांच के टुकड़ों से चला। यह खोज टेक्टाइट्स नामक दुर्लभ प्राकृतिक कांच पर केंद्रित है, जो तब बनते हैं जब कोई उल्कापिंड इतनी शक्ति से पृथ्वी से टकराता है कि सतह पिघल जाती है और पिघली हुई सामग्री (मोल्टेन मैटेरियल) बहुत दूर तक फैल जाती है। टेक्टाइट्स की यह नई ›› पेज 11 भी देखें

प्रोफेसर जॉर्डन ने इस बात पर जोर दिया कि

जो बात इस खोज को और भी दिलचस्प बनाती है, वह यह है कि, हालांकि यह टक्कर बहुत बड़ी रही होगी, वैज्ञानिक अभी तक उस क्रेटर का पता नहीं लगा पाए हैं। प्रोफेसर जॉर्डन ने इस बात पर जोर दिया, यह समझना कि बड़े क्षुद्रग्रह कब और कितनी बार पृथ्वी से टकराए हैं, हमें भविष्य के प्रभावों के जोखिम का आकलन करने में भी मदद करता है, जो ग्रह रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। एआईक्स-मार्सिले विश्वविद्यालय की पीएचडी छात्रा और प्रमुख लेखिका अन्ना मुसोलिनो ने कहा कि ये कांच पहले से ज्ञात सभी टेक्टाइट्स से अलग हैं। सुश्री मुसोलिनो ने बताया, असामान्य रसायन और उनकी आयु, जो लगभग 11 मिलियन वर्ष है, के कारण ये टेक्टाइट्स अद्वितीय हैं। उन्होंने कहा, वे प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलेशियन टेक्टाइट-स्ट्रेवन क्षेत्र से पूरी तरह से अलग एक प्रभाव वाली घटना को रिकॉर्ड करते हैं। जबकि ऑस्ट्रेलेशियन टेक्टाइट्स लगभग 780,000 साल पहले बने थे और ये आधी दुनिया में फैले हुए हैं, ये नए टेक्टाइट्स बहुत अधिक पुराने हैं और इनकी खोज एक ऐसे विशाल प्रभाव का सुझाव देती है जिसे पहले पहचाना नहीं गया था। यह अध्ययन एआईक्स-मार्सिले विश्वविद्यालय के एमेरिटस प्रोफेसर पियरे रोशेट के नेतृत्व में एक बड़े शोध परियोजना का हिस्सा था और यह अतीत के प्रभावों की विनाशकारी शक्ति और उनके अध्ययन के महत्व दोनों पर प्रकाश डालता है।

मेक इन इंडिया का खामियजा भुगत रही है भारतीय सेना

सुरक्षा बलों के सामने राइफल संकट

- निविदा शर्तों में हर बार होती है देर
- कई गड़बड़ी सेना की तरफ से भी है
- हथियारों के आधुनिकीकरण में विलंब

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्लीः सिग-716 राइफलें आयात करने के सालों बाद, भारतीय सेना अब उन नाइट साइट्स (रात में देखने वाले उपकरण) को खरीद रही है जो इनके साथ आनी चाहिए थीं। मार्वल कॉमिक्स वाले क्वालिटी रिक्वायरमेंट्स से लेकर अटकी हुई स्थानीय परियोजनाओं तक, भारत की रक्षा खरीद गाथा धीमी होने का नाम नहीं ले रही है।

15 अक्टूबर 2025 को, रक्षा मंत्रालय ने सेना की सिग-716 असॉल्ट राइफलों के लिए नाइट साइट (इमेज इंटेंसिफायर) और एक्सेसरीज के लिए 659 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। ये साइट्स सैनिकों को सिग-716 की लंबी प्रभावी रेंज का पूरा उपयोग करने की अनुमति देंगी, जिससे वे तारों वाली रात की रोशनी में भी 500 मीटर तक के लक्ष्य को भेद सकेंगे।

आवश्यक सहायक उपकरणों के बिना उपकरण आयात करना और फिर वर्षों बाद उस चूक को सुधारने के लिए दोबारा भुगतान करना भारतीय रक्षा खरीद की एक लंबी और ›› पेज 11 भी देखें

शहर >> अपडेट

आदिवासियों की आरक्षित सीट पर धर्मांतरित ईसाई कर रहे कब्जा

रांची :धुर्वा प्रभात तारा मैदान में आयोजित आदिवासी हुंकार रैली से मंच से उतारने के दूसरे दिन कचहरी स्थित टीआरआई बिल्डिंग पर संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि यह रैली आदिवासी अस्मिता की लड़ाई के नाम पर एक साजिश थी। रैली में कई फर्जी आदिवासी और धर्मांतरित ईसाई समुदाय के लोग शामिल थे, जिन्होंने आदिवासी समाज को गुमराह करने का काम किया। तिर्की ने कहा कि यह दिन आदिवासी समाज के लिए काला दिवस के रूप में याद किया जाएगा। लाखों की भीड़ दिखाकर कुछ लोग घाटशिला में सता पर कब्जा करना चाहते है। रैली में केंद्रीय सरना समिति की महिला अध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि यह रैली असल में कुड़मी समाज को एसटी दर्जा देने के विरोध के लिए बुलाई गई थी, लेकिन ईसाई मिशनरी तत्वों ने इसका राजनीतिकरण कर दिया।रैली के दौरान निशा भगत और फूलचंद तिर्की को मंच से नीचे उतार दिया गया।

खींचतान बिहार चुनाव को लेकर गठबंधन में खींचतान पर झामुमो अब मुखर हो गयी है

हम धोखा नहीं खा सकते, झारखंड में भी करेंगे गठबंधन की समीक्षाः सुप्रियो भट्टाचार्य

राष्ट्रीय खबर

रांचीः राजधानी में पार्टी ऑफिस झारखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रेस वार्ता की। जिसमें पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बिहार चुनाव को लेकर पार्टी की ओर से कई बातों को रखा। इसमें सबसे खास बात ये रही कि झामुमो के तेवर से लग रहा है कि आगामी दिनों में प्रदेश में गठबंधन को लेकर कोई बात निकलकर सामने आएगी।

झामुमो की प्रेस वार्ता में सबसे अहम बात महागठबंधन को लेकर सामने आई। सुप्रियो भट्टाचार्य साफ कहा कि महागठबंधन में भी खींचतान है। हम झारखंड में भी गठबंधन की समीक्षा करेंगे। हम लगातार धोखा नहीं खा सकते। गुरुजी ने हमें लड़ना सिखाया है। हम सबकुछ बर्दाश्त लेकिन आत्मसम्मान समझौता नहीं।

इससे पहले प्रेस वार्ता की शुरूआत पार्टी नेता सुप्रियो भट्टातचार्य ने बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने से लेकर की। उन्होंने कहा कि धनतेरस के शुभ लग्न में पार्टी ने तय किया है कि बिहार में अपनी ताकत से 06 उम्मीदवार उतारेगी। गठबंधन के सभी घटक दल और खासकर राजद से और कांग्रेस के आलाकमान से अपनी चिन्हित सीट के बारे में बात की पर अभी तक कोई तरजीह नहीं दी गयी।

आगे सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हमने 2019 में राजद के 01 विधायक को 05 वर्ष तक मंत्री बनाये रखा। वर्तमान में भी एक मंत्री राजद कोटे से है। इसलिए पार्टी ने तय किया है कि इस हम बिहार चुनाव में चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती पर उम्मीदवार खड़ा करेगा।इसके अलावा झामुमो की ओर से बिहार के लिए 20 स्टार प्रचारक की सूची भी जारी की गयी। जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन भी बिहार में स्टार प्रचारक होंगे। चुनाव आयोग को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची भेज दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव अब बहुमुखी होगी। हमारी पूरी कोशिश होगी कि हमारे सभी छह उम्मीदवार जीत दर्ज करें। हमारी पूरी कोशिश होगी कि हमारे सभी छह उम्मीदवार जीत दर्ज करें।

न्यूज फटाफट

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने किया नई टीम का ऐलान

रांचीः राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने शनिवार को सुबह नौ बजे राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के प्रदेश कार्यालय शिवाजी नगर बुटी में एक अहम बैठक कर झारखंड प्रदेश कमेटी का गठन किया जिसमें 27 पदाधिकारीयों को शामिल किया गया है । नई कमेटी में पांच उपाध्यक्ष दो महासचिव पांच सचिव पांच उप सचिव पांच संगठन मंत्री दो मीडिया प्रभारी दो प्रवक्ता और एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की जिसमें उपाध्यक्ष अब्दुल कुदुस खान, मुनेश्वर महतो, संदीप चौरसिया, अशोक सिंह, चंदन साव, महासचिव मिथिलेश कुमार पांडे, प्रेम कुमार ठाकुर, सचिव मंजय दुबे, रोहित कुमार, राकेश सिंह, उदय कुमार कुशवाहा, सर्वेश सिंह, उपसचिव सुरेश पंडित, यशवंत ठाकुर, तेजपाल मुंडा, शंभू प्रसाद वर्मा, सुमन सिंह, संगठन मंत्री हेमंत टोप्पो, सुधीर कुमार साव, धर्मेंद्र ठाकुर, अनुराज लकड़ा, रामधारी राय, प्रवक्ता मिथलेश कुमार पांडे ,शिव शंकर साहू, मीडिया प्रभारी रंजीत जयसवाल, कृष्णा कुमार, और कोषाध्यक्ष रोशन शर्मा को बनाया गया इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने सभी पदाधिकारीयों को अभिनंदन किया और हर पदाधिकारीयों को 11 सदस्य बनाने को कहा और नशा मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त झारखंड बनाने और पूरे राज्य में फ्री शिक्षा और फ्री चिकित्सा के आंदोलन करने के लिए सभी पदाधिकारियों से चर्चा की गई ।

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले हमःभाजपा

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को बिहार में महागठबंधन के तहत कोई भी सीट नहीं मिलने के बाद झारखंड की राजनीति में इस मुद्दे ने नया मोड़ ले लिया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने झामुमो पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन ने झामुमो को हाशिए पर धकेल दिया है और इस अपमानजनक स्थिति को देखकर उन्हें मिर्जा गालिब का शेर याद आ गया– ह्लबड़े बे आबरू होकर तेरे कूचे से निकले हम।ह्व प्रतुल ने कहा कि यह झामुमो के लिए गहरी राजनीतिक चोट है, क्योंकि पार्टी लंबे समय से महागठबंधन का हिस्सा रही है और खुद को क्षेत्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण चेहरा मानती रही है। भाजपा प्रवक्ता ने तंज कसते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा कि क्या अब वे इस अपमान का जवाब देने के लिए राजद के मंत्री को अपने मंत्रिमंडल से बाहर करने की हिम्मत दिखा पाएंगे या फिर चुप्पी साधे रहेंगे। उन्होंने कहा कि झामुमो की यह स्थिति बताती है कि गठबंधन के भीतर उसकी कोई अहमियत नहीं रह गई है। बिहार में सीट बंटवारे के दौरान महागठबंधन के अन्य दलों ने अपने-अपने हिस्से तय कर लिए, लेकिन झामुमो को नजरअंदाज कर दिया गया। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को यह समझना चाहिए कि जिन दलों के साथ वे गठबंधन में हैं, वे झारखंड में झामुमो की राजनीतिक साख का लगातार ह्रास कर रहे हैं। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अब समय आ गया है जब हेमंत सोरेन को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर वे राज्य की जनता के हित में काम करना चाहते हैं या गठबंधन के दबाव में झुकते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि झामुमो की मौजूदा स्थिति यह दशार्ती है कि पार्टी की पहचान और सम्मान गठबंधन राजनीति में लगभग खत्म हो गई है। वहीं भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि आने वाले चुनावों में जनता झामुमो और उसके सहयोगी दलों को उनके कार्यों का जवाब देगी। भाजपा ने इसे झामुमो की राजनीतिक पराजय करार देते हुए कहा कि यह स्थिति आने वाले दिनों में झारखंड की सियासत पर बड़ा असर डालेगी।

बाबूलाल का मुख्यमंत्री सीएम को पत्र

पत्थर माफिया पर कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय खबर

रांचीः नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बोरियो अंचल (साहेबगंज) के अवैध पत्थर खनन मामले में पत्थर माफिया सत्यनाथ साह पर कार्रवाई करने की मांग की है। मरांडी ने आरोप लगाया है कि सत्यनाथ साह ने 20 एकड़ जमीन पर अवैध पत्थर खनन कर लगभग 200 करोड़ रुपये का राजस्व क्षति पहुंचाया है। मरांडी ने पत्र में कहा है कि सत्यनाथ साह को पत्थर खनन के लिए 4 एकड़ जमीन का खनन पट्टा दिया गया था। लेकिन उन्होंने लगभग 20 एकड़ जमीन पर अवैध पत्थर खनन किया है। इस मामले में साहेबगंज डीसी के निर्देश पर दो सदस्यीय टीम ने जांच की और अवैध खनन की पुष्टि की। मरांडी ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि अवैध पत्थर खनन मामले में सत्यनाथ साह पर कड़ी कार्रवाई की जाए और राजस्व नुकसान की वसूली की जाए। उन्होंने अवैध खनन को तुरंत रोकने और सूचक को जान- माल की क्षति से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

बीजेपी-जेएमएम में शुरू हुई बयानबाजी

जेएलकेएम प्रत्याशी के नाम की घोषणा के साथ झारखंड में गरमाई सियासत

राष्ट्रीय खबर

रांचीःघाटशिला उपचुनाव दिलचस्प होने वाला है क्योंकि चुनावी मैदान में एक बार फिर जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा यानी जेएलकेएम ने रामदास मुर्मू को प्रत्याशी बनाया है। अब इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है। ऐसे में कायस लगाए जा रहे हैं कि कहीं बीजेपी का समीकरण बिगड़ ना जाए। जेएलकेएम से मिली जानकारी के मुताबिक, पार्टी के घोषित प्रत्याशी 21 अक्टूबर को नॉमिनेशन दाखिल करेंगे, जिसमें विधायक जयराम महतो समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे।गौरतलब है कि रामदास मुर्मू, जेएलकेएम पार्टी से 2024 विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रह चुके हैं और उन्हें लगभग 8093 वोट मिले थे। जेएलकेएम ने एक बार फिर उन्हें पार्टी प्रत्याशी बनाते हुए स्थानीय नीति, नियोजन नीति, रोजगार नीति, पलायन, बेरोजगारी और परिवारवाद जैसी समस्या को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में जेएलकेएम द्वारा प्रत्याशी उतारे जाने के फैसले के बाद, सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। झामुमो और बीजेपी, अब एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, जबकि बीजेपी का मानना है कि झामुमो की यह चाल इस बार नहीं चलेगी।शिवपूजन पाठक ने जीत का दावा करते हुए कहा कि हालांकि झारखंड और घाटशिला की जनता समझ चुकी है कि वोट काटने के लिए ही चुनाव मैदान में उतारा गया हैं, ऐसे में इनकी मंशा पूरी नहीं होगी। इस बार का मुकाबला झामुमो और एनडीए प्रत्याशी के बीच में ही होगा, जिसमें एनडीए की जीत होगी।झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि इन्हें ना तो जयराम से फायदा होगा और ना ही जय श्रीराम से। पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जुमलेबाजी नहीं चलेगी, क्योंकि जनता समझ चुकी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं वह करते हैं।

लक्ष्मी नारायण मुंडा के घर का घेराव

राष्ट्रीय खबर

रांचीः आदिवासी हुंकार रैली के मंच पर हुई घटना के विरोध में निशा भगत के समर्थक का गुस्सा फूटा नेताओं पर लगे आदिवासी बेटी का अपमान करने के आरोप आदिवासी हुंकार रैली में आदिवासी नेत्री निशा भगत के साथ हुए कथित अपमान का मामला अब तूल पकड़ चुका है। शनिवार की सुबह बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग तीर-धनुष और पारंपरिक हथियारों के साथ रांची स्थित लक्ष्मी नारायण मुंडा के घर पहुंच गए और जमकर घेराव कर गाली गलौज व नारेबाजी की। गुस्साए लोगों ने कहा कि आदिवासी हुंकार रैली के मंच पर एक आदिवासी बेटी के साथ अन्याय और अपमान किया गया, जो बर्दाश्त से बाहर है। प्रदर्शनकारियों ने लक्ष्मी नारायण मुंडा, गीताश्री उरांव, देवकुमार धान और प्रेमशाही मुंडा पर निशाना साधते हुए कहा कि मंच पर एक आदिवासी महिला के लिए कुर्सी तक देने में उन्हें परहेज हुआ। लोगों ने आरोप लगाया कि यह रैली आदिवासी अस्तित्व बचाओ के नाम पर नहीं बल्कि राजनीति सेकने का मंच बन गई। नाराज लोगों ने लक्ष्मी नारायण मुंडा को आदिवासी समाज का असली दुश्मन तक कहा और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करते हुए उनके खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान पुलिस प्रशासन को भी मौके पर पहुंचना पड़ा।

सुधीर कुमार दास निलंबन मुक्त

रांचीः राज्य सरकार ने शराब घोटाले के आरोपी सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास को निलंबन मुक्त कर दिया है। दोनों अधिकारी झारखंड राज्य बीबरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक वित्त रहे थे।उन्हें 21 मई 2025 को भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास को 28 मई को निलंबित कर दिया गया था।

सवाल वित्त मंत्री ने विधि विभाग पर उठाए सवाल

विधि विभाग के परामर्श के विपरीत होता है कार्य

- पंचायत सचिवों का सम्मेलन
- सेवा नियमावली में संशोधन
- प्रमोशन प्रक्रिया पर सवाल

राष्ट्रीय खबर

रांचीः झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पलामू में आयोजित पंचायत सचिवों के प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन में विधि विभाग और कार्मिक विभाग के कामकाज पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने पर विधि विभाग से वैधानिक परामर्श मांगा जाता है, लेकिन जब विभाग की ओर से परामर्श दिया जाता है तो प्रायः उसके विपरीत निर्णय लिए जाते हैं। यह स्थिति प्रशासनिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने खुद मंत्री रहते हुए इस तरह के मामलों का अनुभव किया है और कई बार देखा है कि विभागीय स्तर पर विधि परामर्श की अवहेलना कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए ताकि निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता और वैधानिकता बनी रहे। उन्होंने आगे कहा कि पंचायत सचिवों की सेवा नियमावली में बदलाव जरूरी है और इसके लिए वह सरकार को पत्र लिखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत सचिव विकास योजनाओं की रीढ़ हैं और इन्हें सशक्त किए बिना गांवों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है। उन्होंने कार्मिक विभाग पर सवाल उठाते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर पदोन्नति मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अनुचित है कि एक विभाग के कर्मचारियों को तो प्रमोशन का लाभ मिलता है और दूसरे विभागों में कर्मचारी वर्षों तक पदोन्नति के लिए प्रतीक्षा करते रहते हैं। सम्मेलन में पंचायत सचिवों ने भी अपनी समस्याएं रखीं और कहा कि राजस्व कर्मचारियों की तरह उन्हें भी प्रमोशन का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि वे और राजस्व कर्मचारी एक जैसी प्रक्रिया से नियुक्त होते हैं, लेकिन जहां राजस्व कर्मचारी अंचल निरीक्षक या अंचल पदाधिकारी बनकर सेवानिवृत्त होते हैं, वहीं पंचायत सचिव अपने मूल पद से ही रिटायर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लगभग सभी विकास योजनाओं की जिम्मेदारी पंचायत सचिवों के कंधों पर होती है, इसलिए उन्हें सम्मानजनक प्रमोशन और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

शहर >> अपडेट

निगम कर्मियों को मिला अक्टूबर माह का वेतन

रांची: राज्य सरकार के निर्देश पर और प्रशासक सुशांत गौरव के प्रयास से दीपावली और छठ महापर्व से पहले रांची नगर निगम के सभी अधिकारियों और कर्मियों को अक्टूबर 2025 माह का वेतन भुगतान कर दिया गया है। वेतन समय पर मिलने से कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। प्रशासक सुशांत गौरव ने सभी को पर्व-त्योहारों की शुभकामनाएं दीं और अपील की कि वे दीपावली और छठ महापर्व को स्वच्छता तथा सामुदायिक सहयोग के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता और साफ-सफाई बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और नगर निगम इसके लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है।

दिशा-निर्देश दीपावली पर पटाखा विक्रेताओं और नागरिकों के लिए दिशा-निर्देश जारी

रांची जिला प्रशासन ने सुरक्षा के लिए जारी किए कड़े नियम

- तय स्थानों पर बिक्री करें
- रात दस के बाद मनाही
- फर्स्ट एड की व्यवस्था रखें

राष्ट्रीय खबर

रांची: रांची जिला प्रशासन ने दीपावली के दौरान आगजनी या किसी भी आपात स्थिति से बचाव के लिए पटाखा विक्रेताओं और आम नागरिकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी सुरक्षा नियमों का पालन करें ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन ने कहा है कि पटाखा विक्रेता केवल उन्हीं स्थानों पर पटाखे बेच सकते हैं जिन्हें प्रशासन द्वारा निर्धारित किया गया है और बिक्री से पहले प्रशासन तथा अग्निशमन विभाग से अनुमति पत्र या एनओसी लेना अनिवार्य होगा। सड़क किनारे, पेट्रोल पंप या भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पटाखों की बिक्री सख्त रूप से प्रतिबंधित रहेगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि 125 डेसिबल से अधिक आवाज वाले पटाखे बेचना गैरकानूनी होगा और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिजली की वायरिंग केवल प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन से कराई जानी चाहिए और क्रकमार्क वाले तारों का ही इस्तेमाल किया जाए। विक्रेताओं को अपनी दुकानों में ज्वलनशील वस्तुएं नहीं रखनी चाहिए और पास में पानी, बालू तथा अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं, आम नागरिकों से कहा गया है कि वे केवल लाइसेंसधारी दुकानों से ही पटाखे खरीदें और घर के अंदर या बंद जगहों पर पटाखे न जलाएं। रात दस बजे से सुबह छह बजे तक पटाखे जलाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बच्चों को अकेले पटाखे नहीं जलाने दिए जाएं और धातु के डिब्बों या बोतलों में पटाखे न फोड़े जाएं। यदि कोई पटाखा न फटे तो उसे हाथ से उठाने के बजाय उस पर पानी डाल देना चाहिए। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे लम्बे या ढीले कपड़े न पहनें, पास में पानी, बालू और फर्स्ट एड किट रखें। आपात स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष 0651-2215855 या मोबाइल नंबर 8987790664, 7667985619 और 707044088 पर तुरंत संपर्क करें। दीपावली की खुशियां सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ मनाने की अपील प्रशासन ने दोहराई है।

बिजली विवादों के निपटारे के लिए

29 नवंबर को लगेगी विशेष लोक अदालत

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में बिजली से जुड़े विवादों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए 29 नवंबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को राहत देना और लंबित बिजली बिल, अनधिकृत उपयोग सहित अन्य विवादित मामलों का समाधान करना है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झाल्सा) द्वारा राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों (डी.एल.एस.ए.) के सहयोग से यह लोक अदालत लगाई जाएगी। इसके लिए झाल्सा ने एक मानक संचालन प्रक्रिया यानी एस.ओ.पी. तैयार की है और सभी जिलों को भेज दी है। इस लोक अदालत के माध्यम से बिजली विभाग और उपभोक्ताओं के बीच आपसी समझौते को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा ताकि विवादों का निपटारा अदालत के बाहर आपसी सहमति से हो सके। राज्य में वर्तमान में बीस हजार से अधिक बिजली से जुड़े मामले विभिन्न अदालतों और मंचों पर लंबित हैं। झाल्सा ने लक्ष्य रखा है कि इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से इनमें से कम से कम पचास प्रतिशत मामलों का निपटारा किया जाए। इसके तहत एक तय कार्यक्रम भी तैयार किया गया है। एक नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष, जो प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश होते हैं, बिजली विभाग के अधिकारियों और हितधारकों के साथ बैठक करेंगे। तीन से बाईस नवंबर तक बिजली विवादों की पहचान कर संबंधित पक्षों को नोटिस भेजा जाएगा।

वित्तीय अनियमितता और जी.एस.टी. गड़बड़ी का आरोप

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर से रेंजर राम बाबू हटाए गए

राष्ट्रीय खबर

रांची: वन विभाग के चर्चित रेंजर राम बाबू को बिरसा मुंडा चिड़ियाघर के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है। उन पर और उनके साले जय किशोर दास पर वित्तीय अनियमितताओं और जी.एस.टी. में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। हालांकि विभाग ने केवल एक रेंज का प्रभार वापस लिया है और अन्य नौ रेंजों की जिम्मेदारी फिलहाल उन्हीं के पास है। बताया जा रहा है कि चिड़ियाघर के अधिकारियों द्वारा पूरे मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आरोप है कि रेंजर राम बाबू और उनके साले जय किशोर दास ने चिड़ियाघर में सामग्रियों की आपूर्ति में भारी अनियमितता की है। जय किशोर दास ने सत्यं एंड शिवं एंटरप्राइजेज नाम से एक व्यापारिक प्रतिष्ठान बना रखा है, जो वाणिज्यकर विभाग में बोकारो पते पर पंजीकृत है। इस प्रतिष्ठान की रांची में कोई इकाई दर्ज नहीं है, फिर भी इस नाम से चिड़ियाघर में सामग्रियों की आपूर्ति की गयी। रसिदों पर रांची का पता दर्ज है और जी.एस.टी. नंबर हाथ से लिखा गया है, जिससे जी.एस.टी. चोरी का मामला साफ झलकता है। जय किशोर दास ने चिड़ियाघर में इंडेन गैस की आपूर्ति की और प्रति सिलिंडर एक हजार रुपये की दर से भुगतान लिया गया, जबकि वह इंडेन गैस का अधिकृत विक्रेता नहीं है। इन बिलों पर रेंजर राम बाबू के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने गैस आपूर्ति को प्रमाणित किया है। वाणिज्यकर विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार जय किशोर दास ने अपने जी.एस.टी. रिटर्न में चिड़ियाघर को किसी भी प्रकार की आपूर्ति का उल्लेख नहीं किया है। इस कारण विभाग के अंदर कई सवाल उठ रहे हैं कि जांच केवल दिखावे की जा रही है। इसके अलावा चिड़ियाघर में जिराफ की मौत के मामले में भी राम बाबू की भूमिका पर सवाल उठे हैं। जांच में पाया गया कि जिराफ के बाड़े की मरम्मत में गंभीर गड़बड़ी हुई थी, जिससे वहां पानी भरने और कीचड़ बनने की समस्या उत्पन्न हो गई थी। इसी कीचड़ में फिसलन की वजह से जिराफ घायल हुआ था।

नालसा योजना जागृति, आशा, साथी व संवाद से लाभांवित हो ग्रामीण : प्रवीण

राष्ट्रीय खबर

रांची: झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष श्री अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में डालसा सचिव श्री रवि कुमार भास्कर की देखरेख में नालसा द्वारा संचालित योजना - ह्यसंवादह्न एवं ह्यजागृतिह्न तथा आशा, साथी एवं डॉन पर मांडर प्रखंड के मंदरो पंचायत सचिवालय भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी चीफ, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, पीएलवी, सुमन ठाकुर, कालिंदर गोप, सोनी कुमारी, दानिश अंसारी, तालिब अंसारी, शामी अंसारी, राजा वर्मा एवं मंदरो पंचायत सचिवालय भवन के कर्मचारी उपस्थित थे। एलएडीसी चीफ, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने संविधान के अनुच्छेद-14,15 और अनुच्छेद 21 के बारे में लोगों को जागरूक किया तथा संविधान के अनुच्छेद 39ए के तहत सभी नागरिकों को विधिक सहायता दिये जाने के संबंध में गरीब, बेसहारा, जरूरतमंद लोगों को जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि वैसे व्यक्ति जो अपने बातों को न्यायालय में नहीं रख पाते हैं या न्याय पाने से वंचित रह जाते है, उनके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची हमेशा सेवारत है। उन्होंने आगे नालसा के द्वारा संचालित योजना घर-घर न्याय की जागृति, जो नालसा जागृति योजना - 2025 तथा नालसा संवाद योजना - 2025 के दोनों योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी।

परीक्षा केंद्र चुनने के विकल्प बढ़े

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड पात्रता परीक्षा-2024 के संबंध में एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसकी अंतिम तिथि अब 30 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है।पूर्व में ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र चुनने के लिए सिर्फ तीन शहरों (रांची, जमशेदपुर और बोकारो) का विकल्प दिया गया था। लेकिम अब इस अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र चुनने के लिए पांच विकल्प मिलेंगे। इसमें धनबाद और देवघर को भी शामिल किया गया है। अभ्यर्थी इन पांच शहरों में से अपनी पसंद के अनुसार तीन शहरों का चयन अवरोही क्रम में कर सकते हैं। इसके अलावा जो अभ्यर्थी पहले ही आवेदन कर चुके हैं, उन्हें भी परीक्षा केंद्र के चयन में बदलाव करने का मौका मिलेगा। वे 1 नवंबर 2025 से 8 नवंबर 2025 तक अपने परीक्षा केंद्र के विकल्पों को संशोधित कर सकेंगे।परीक्षा से संबंधित अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी। इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे समय पर आवेदन करें और परीक्षा केंद्र का विकल्प सोच-समझकर चुनें।

परीक्षा नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक कई परीक्षाएं होंगी आयोजित

जेपीएससी ने आगामी परीक्षाओं का संशोधित कैलेंडर किया जारी

- नवंबर से मार्च तक परीक्षाएं
- अस्थाई हैं घोषित तिथियां
- वेबसाइट पर करें अपडेट चेक

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने राज्य की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए संशोधित परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। आयोग ने नई तिथियों के साथ यह स्पष्ट किया है कि जारी की गई सभी तिथियां अस्थाई हैं और प्रशासनिक या तकनीकी कारणों से इनमें परिवर्तन संभव है। इस संशोधित कैलेंडर में नवंबर 2025 से लेकर मार्च 2026 के बीच विभिन्न पदों की प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार और दस्तावेज सत्यापन की संभावित तिथियां दी गई हैं। जेपीएससी ने बताया कि उप निदेशक अभियोजन पद के लिए दस्तावेज सत्यापन 27 नवंबर 2025 को और साक्षात्कार 28 नवंबर 2025 को होंगे। वहीं, निदेशक दुग्ध विकास पद के लिए दस्तावेज सत्यापन 4 दिसंबर तथा साक्षात्कार 5 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। सहायक लोक अभियोजक (बैकलॉग) की प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर को और नियमित पदों के लिए प्रारंभिक परीक्षा 20 दिसंबर 2025 को ली जाएगी। इसके बाद 6वीं लिमिटेड डिप्टी कलेक्टर परीक्षा 10 और 11 जनवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर की मुख्य परीक्षा 22, 23 और 24 जनवरी 2026 को निर्धारित है जबकि सहायक वन संरक्षक की मुख्य परीक्षा 6 से 9 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसके अलावा प्रोजेक्ट मैनेजर एवं समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा 21 और 22 फरवरी 2026 को होगी। वहीं होम्योपैथिक डॉक्टर पद के लिए लिखित परीक्षा 5, 6 और 7 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय-समय पर जेपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अद्यतन जानकारी प्राप्त करते रहें, ताकि परीक्षा तिथियों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना समय पर मिल सके। प्रशासन ने यह भी कहा है कि किसी भी परीक्षा संबंधी सूचना केवल आयोग की वेबसाइट या आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से ही मान्य होगी।

न्यूज फटाफट

31 दिसंबर तक उपलब्ध कराएं एटीआर की कॉपी

रांची: वित्त विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और हेड ऑफ डिपार्टमेंट को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि सभी विभाग 31 दिसंबर तक एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) की कॉपी उपलब्ध कराएं। एक्शन टेकन रिपोर्ट भी वार्षिक बजट के साथ विधान सभा में रखा जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा कर ली जाए। अगर किसी घोषणा के कार्यान्वयन में अभी भी कार्रवाई करना शेष है, तो उसे समयबद्ध तरीके से पूरा कर लिया जाए तथा एटीआर की प्रति योजना एवं विकास विभाग को दिनांक 31.12.2025 तक उपलब्ध करा दी जाए। जारी निर्देश में यह भी कहा है कि राज्य स्कीम, केन्द्र प्रायोजित स्कीम तथा केंद्री सेक्टर स्कीम की मैपिंग अत्यावश्यक है। नई स्कीम के साथ-साथ वैसी ऑनगोइंग स्कीमें, जो पूर्व से मैप्ड है, परन्तु भारत सरकार द्वारा स्कीम कोड बदल दिया गया है, के लिए मैपिंग कराना आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में वेतन की गणना 2025-26 को आधार बनाकर किया जाना है। कुल वास्तविक कार्यरत बल के अनुसार तथा व्यय के आधार पर तथा गैर वेतनार्दि मद में राशि का प्राक्कलन पूर्व के तीन वर्षों के वास्तविक व्यय के आधार पर औसत व्यय के अनुसार आवश्यकता के आलोक में किया जाना है। मुद्रास्फीति की वर्त्तमान दर को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में जीवन यापन भत्ता का आकलन करने हेतु संभावित दर 70 प्रतिशत रखी जाए।

राजधानी में धनतेरस को लेकर गुलजार हुआ बाजार

रांची: धनतेरस और दिवाली को लेकर बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल देखी जा रही है। दुकानदार अपनी दुकानों को सजाने और पूजा से जुड़ी सामग्री का स्टॉक करने में जुट गए हैं। सबसे अधिक मांग इस बार मिट्टी के दीयों की देखी जा रही है। बाजारों में पारंपरिक मिट्टी के दीये के साथ-साथ डिजाइनर दीयों की भी अच्छी-खासी डिमांड है। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार इस बार पिछले साल की तुलना में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। ग्राहक खास तौर पर हाथ से बने हुए दीयों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। मिट्टी के दीयों के साथ ही इस बार चाइनीज दीये भी बाजार में आए हैं, जिन की रोशनी आकर्षक होती है, लेकिन फिर भी लोकल दीयों की डिमांड सबसे ज्यादा बनी हुई है। दिवाली पूजा के लिए आवश्यक सभी सामग्री जैसे रोरी, सिंदूर, कपूर, अगरबत्ती, कमलगट्टे की माला, शंख, गोमती चक्र, कौड़ी और हल्दी की गांठ पहले से मंगा ली गई है। इस बार मिट्टी के दीयों के कई आकर्षक डिजाइन आए हैं, जो जलने पर और भी सुंदर दिखते हैं। इससे इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। धनतेरस को लेकर बाजार में बढ़कर एक पारंपरिक सामान से लेकर अत याधुनिक सामान, ग्राहकों को लुभा रहे हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर से लेकर सोना चांदी के आभूषण, ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन सब के बीच कुछ ऐसे भी सामान हैं जो प ारंपरिक रूप से धनतेरस के मौके पर खरीदे जाते हैं उसे भी व्यवसायी बाजार में लेकर आए हैं। एक तरफ महंगी गाड़ियों को खरीदने के लिए लोग पहले से ही बुकिंग करा चुके थे, दूसरी ओर नारियल, झाड़ू को भी बाजार में बड़ी संख्या में केरल और पश्चिम बंगाल से लाया गया है। गौरतलब है कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने की परंपरा रही है, जिसे लोग लक्ष्मी का रूप में मानते हैं। इस साल नारियल झाड़ू की कीमत 50 रुपये से 70 रुपये तक है। फूल झाड़ू की कीमत 80 से 100 रुपये है। धनतेर स पर राज्य भर में ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए इस साल बाजार में रौनक दिख रही है। जीएसटी में कमी की वजह से ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी छूट का फायदा ग्राहक उठाने में रुचि दिखा रहे हैं। इस मौके पर सोने चांदी से बने आभूषण और पीतल के बर्तन की मांग भी महंगाई के बावजूद काफी दिख रही है।

बच्चे राष्ट्र के धरोहर और उज्जवल भविष्य : एडवोकेट दयानंद

रांची: डॉक्टर कामिल बुल्के पथ स्थित संत अलोइस मोंटेसरी स्कूल के नन्हे बच्चों ने आज आर्ट एंड क्राफ्ट्स एग्जीबिशन तथा नृत्य संगीत के रंगारंग कार्यक्रम के साथ रेड डे समारोह सोल्लास मनाया। झारखंड एवं पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता जो इस विद्यालय के वर्ष 1987 बैच के पूर्ववर्ती छात्र रहे हैं, बताओ मुख्य अतिथि समझ में उपस्थित थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) डॉक्टर कामिल बुल्के पथ शाखा के प्रबंधक विकास कुमार थे। उनके साथ इसी विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र रहे सी ए रणजीत सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद थे। एडवोकेट दयानंद सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि विद्यालय के बच्चों और माताओं के संयुक्त प्रयास से प्रस्तुत आर्ट एंड क्राफ्ट्स प्रदर्शनी को सराहा और इसे बच्चों में छुपी प्रतिभाओं को निखारने का एक अवसर तथा मंच बताया। बच्चों के रंगारंग नृत्य संगीत की सराहना करते हुए उन्होंने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें राष्ट्र का भविष्य व धरोहर बताया। बच्चों को माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा की माता-पिता के बताए मार्ग पर चले और शिक्षकों से हर संभव ज्ञान प्राप्त करें उसी में उज्जवल भविष्य और लक्ष्य की प्राप्ति है। कहा कि मैं आज एक सफल अधिवक्ता हूं इसके पीछे हमारे शिक्षकों और मातापिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है उन्होंने आज के कार्यक्रम में विद्यालय के प्रिंसिपल माइक जित्रों के शासन में निमंत्रण और बच्चों तथा अभिभावकों की प्रस्तुति को सराहा। विशिष्ट अतिथि विकास कुमार ने माता के सहयोग से बच्चों द्वारा बनाए गए आर्ट एंड क्राफ्ट्स के आकर्षण डेकोरेटिव आइटम्स की सराहना की तथा बच्चों के द्वारा प्रस्तुत रंगारंग नृत्य संगीत को उनकी प्रतिभाओं में बताया साथ ही उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वह बच्चों पर अपनी इच्छा नाथन पर बल्कि बच्चों की रुचि को समझें और उसी के अनुसार उनके उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन करें। स्कूल के प्रिंसिपल ब्रदर माइक जेत्रोम ने आज के इस कार्यक्रम को बच्चों में छुपी कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को निखारने के दिशा में एक सार्थक पहल बताया कहा कि ऐसे कार्यक्रम जहां बच्चों में खुशियां देते हैं वहीं उनकी प्रतिभाओं को भी निखारने का काम करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट दयानंद सिंह तथा विशिष्ट अतिथि विकास कुमार के हाथों मदर आर्ट एंड क्राफ्ट्स के प्रथम द्वितीय और तृतीय विजेता साथ ही साथ इस अवसर पर माता और बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया इससे पहले विद्यालय के प्रिंसिपल ने पुष्प कुछ देकर मुख्य अतिथि एडवोकेट दयानंद सिंह और विशिष्ट अतिथि विकास कुमार का स्वागत किया मौके पर नन्हे बच्चों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति के साथ विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि थी विशिष्ट अतिथि थी तथा सभी छात्र छात्रों के अभिभावकों का हार्दिक अभिनंदन किया कार्यक्रम में नर्सरी और एलजी के बच्चों ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति से सब के दिलों को झंकृत किया। यूकेजी के छात्र मोहम्मद हसन के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चडरी तालाब का निरीक्षण

रांची: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम पूरी तैयारी में जुटा है। इसी क्रम में आज प्रशासक सुशांत गौरव ने जेल तालाब और चडरी तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों तालाबों की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कई जरूरी निर्देश दिए।प्रशासक ने कहा कि ये दोनों तालाब छठ पर्व के समय सबसे अधिक भीड़ वाले स्थानों में हैं, इसलिए श्रद्धालुओं और व्रतियों को सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने निगम की टीम को साफ-सफाई, सुरक्षा और व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा।सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने का आदेश दिया गया।पानी की शुद्धता के लिए फिटकरी और ब्लीचिंग पाउडर का प्रयोग सुनिश्चित करने को कहा।पेवर ब्लॉक की मरम्मत और पेंटिंग जल्द पूरी करने का निर्देश।काली पूजा के विसर्जन स्थल को पहले से तय करने और तालाब को प्रदूषणमुक्त रखने को कहा।सुरक्षा के लिए नो-एंट्री जोन बनाने और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने का निर्देश।

शहर >> अपडेट

दीपावली और धनतेरस पर बाजार में उमड़ी भीड़

जारीडीह : जरीडीह प्रखंड के जैनामोड बाजार में दीपावली और धनतेरस के अवसर पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। बाजार में विभिन्न दुकानों में सामान की बिक्री में तेजी रही। विशेष रूप से झाड़ू, मोमबत्तियां और पटाखों की खरीदारी में आम जनता का काफी उत्साह देखा गया। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर सड़क पार करना भी मुश्किल हो गया। इस दौरान महिलाओं के बीच थोड़ी-बहुत झड़प भी देखने को मिली, जिसे प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप कर शांत करवाया। बाजार में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की भी नजर बनी रही। इसके लिए अतिरिक्त निगरानी रखी गई। इस साल के त्योहार पर लोग विशेष रूप से सजावट और खरीदारी को लेकर उत्साहित नजर आए, जिससे बाजार में त्योहार की धूम देखने को मिली।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात शव

कसमार : कसमार प्रखंड के दांतू गांव में शनिवार की शाम उस समय सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने डाक बंगला के पीछे एक पेड़ से लटका हुआ अज्ञात व्यक्ति का शव देखा। सूचना आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर कसमार थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों के लोगों से शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई मौत का हो सकता है, लेकिन वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में दहशत और जिज्ञासा दोनों का माहौल है।

शिविर रेड क्रॉस सोसाईटी ने किया नेत्र शिविर का शुभारंभो

52 नेत्र रोगियों का किया जांच

राष्ट्रीय खबर

जमशेदपुर : रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से टाटा स्टील एवं निप्पन स्टील की संयुक्त उपक्रम जेसीएपीसीपीएल के सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत रेड क्रॉस के 789वें नेत्र शिविर का शुभारंभ नेत्र रोगियों के आंखों की जांच के साथ हुआ, नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम ने 52 नेत्र रोगियें की जांच किया, जिसमें 30 मोतियाबिन्द प्रभावित नेत्र रोगियों का चयन ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया, साथ ही अन्य रोग से प्रभावित नेत्र रोगियों को जरूरत के अनुसार दवा व परामर्श प्रदान कर विदा किया गया। चयनित नेत्र रोगियों का शिविर में स्वास्थ्य जांच के पश्चात उपयुक्त पाये जाने पर रविवार 19 अक्टूबर को ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विवेक केडिया एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा किया जायेगा। आज जांच सत्र के दौरान रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह के साथ जेसीएपीसीपीएल के धनन्जय कुमार शर्मा, कार्यकर्ता अशोक घोषाल, चन्द्रनाथ सरकार, अशोक सिंह, आशीष कुमार, श्याम कुमार प्रसाद हीरालाल मुख्य रूप से शामिल थें। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव व झारखंड रेड क्रॉस के चेयरमैन बिजय कुमार सिंह ने सभी झारखंड वासियो को दीपावली की शुभकामना प्रेषित की है, उन्होने अपने शुभकामना में कहा कि दीपों का त्योहार अंधेरे पर प्रकाश की विजय का है।

उन्होने रेड क्रॉस सोसाईटी की तरफ से आग्रह करते हुए कहा कि हम सकारात्मक उर्जा के साथ इस त्योहार को हर प्रकार से रौशनी, उत्साह, उमंग और नवजीवन का त्योहार के रूप में मनायें, ध्यान रहे कि हमारे कारण किसी बीमार, लाचार, निर्दोष जीव पर कोई खतरा न हो। उन्होने इस दौरान पटाखा का उपयोग करने वाले बच्चों के अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए पटाखा का उपयोग करते समय उनके साथ रहें, क्योंकि उनका जीवन अनमोल है। उन्होने सभी से आवश्यक सुरक्षात्मक तैयारी के साथ पटाखा का उपयोग करने का आग्रह किया है। हमारा परिवार, समाज व देश सुरक्षित तो ही शुभ दीपावली। एक और आज अधिकांश लोग बाजार की ओर रुख किये हुए हैं, वहीं कुछ संवेदनशील लोगों ने ब्लड बैंक का रुख किया ताकि अनमोल जीवन को बचाया जा सके, ऐसे संवेदनशील लोगों में सेंचुरियन ब्लड डोनर एमवी प्रसाद ने अपना 24वां एसडीपी डोनेशन किया, उन्होने 106 नियमित रक्तदान के साथ 130 रक्तदान पूरा किया, इसी कड़ी में आज शाम टाटा स्टील कर्मी शाहनवाज आलम ने अपना 17वां एसडीपी डोनेशन किया, उन्होने 1 नियमित रक्तदान किया है। जरूरतमंद और रक्तदाताओं के बीच कड़ी की भूमिका निभाने वाले रेड क्रॉस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह ने इस अवसर पर रक्तदाताओं का हौसला बढाया। इस कार्य में जमशेदपुर ब्लड सेन्टर के प्रभारी संजय चौधरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

न्यूज फटाफट

चांडिल बाजार में निजी स्तर पर सफाई अभियान का शुभारंभ

चांडिल : चांडिल बाजार के तांती बांध के समीप सड़क किनारे फैली गंदगी से परेशान स्थानीय लोगों को आखिरकार राहत मिलने लगी है। कचरा उठाव की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण विगत एक महीने से क्षेत्रवासी और दुकानदार सड़क किनारे ही कूड़ा-कचरा फेंकने को मजबूर थे। बदबू और अस्वच्छ वातावरण के कारण न केवल स्थानीय लोग बल्कि सड़क से गुजरने वाले राहगीर भी परेशान थे। लोगों द्वारा बार-बार मांग किए जाने के बावजूद न तो प्रशासन की ओर से सफाई अभियान चलाया गया। ऐसे में आगामी दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं समाजसेवी हरे लाल महतो ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और स्वयं सफाई का बीड़ा उठाया। शनिवार को हरे लाल महतो ने निजी स्तर पर जेसीबी मशीन की मदद से तांती बांध के समीप सड़क किनारे की सारी गंदगी की सफाई करवाई। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों और सहयोगियों के साथ बाजार क्षेत्र में फैले कचरे को हटाया और लोगों से भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। हरे लाल महतो ने कहा कि, यह कार्य प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि जिन्हें अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए, वे मौन हैं। जनता की सुविधा के लिए हमें ही आगे आना पड़ता है।उन्होंने आगे बताया कि दीपावली और छठ जैसे बड़े पर्वों को ध्यान में रखते हुए चांडिल बाजार में निजी स्तर पर सफाई अभियान की शुरूआत की गई है, ताकि त्योहार के समय बाजार स्वच्छ और आकर्षक दिख सके। स्थानीय लोगों ने हरे लाल महतो के इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि प्रशासन भी अब इस दिशा में स्थायी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

बांधडीह में मां काली की पूजा 19 अक्टूबर से शुरू

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : चास प्रखंड के मधुनिया पंचायत स्थित बांधडीह गांव में मां काली की पूजा पिछले 305 वर्षों से परंपरागत रूप से होती आ रही है। यहाँ का काली मंदिर आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र माना जाता है। जानकारों के अनुसार वर्ष 1720 में गांव के श्रद्धालु कन्हाई पैतंडी ने मां काली की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना प्रारंभ की थी। कहा जाता है कि कन्हाई पैतंडी का पुत्र मधु गंभीर रूप से बीमार था और मृत्यु शय्या पर पहुंच चुका था। तभी वह अचानक मां काली, मां काली पुकारने लगा। कुछ ही देर में वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। इस चमत्कार के बाद कन्हाई पैतंडी ने बांस, विचाली और त्रिपाल से एक झोपड़ी बनाकर मां काली की पूजा आरंभ की। धीरे-धीरे इस स्थान की ख्याति बढ़ती गई और भक्तों की संख्या बढ़ने लगी। प्रारंभिक वर्षों में मिट्टी की दीवार और तिरपाल के नीचे पूजा होती थी, बाद में 1969 में मंदिर का स्थायी भवन निर्मित किया गया। तब से यह पूजा पूरे भव्य रूप में आयोजित होती आ रही है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि यहां मां काली से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है, इसी वजह से आसपास के गांवों – वृंदावनपुर, सालगाटांड़, भागा बांध, चिटाईटांड़ , उसरडीह तिवारीटोला, गिधटांड़, मांझीटोला, तेतुलियागोड़ा , बनियाटोला, दासतोड़, कारीटांड़ आदि से हजारों श्रद्धालु हर वर्ष पूजा में भाग लेते हैं। तीन दिवसीय महापूजा 19 अक्टूबर से विधिवत प्रारंभ होगी और 21 अक्टूबर को विसर्जन के साथ संपन्न होगी। मंदिर को इस अवसर पर आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है।1932 के सर्वे सेटलमेंट रिकॉर्ड में यह मंदिर खाता संख्या 18, प्लॉट संख्या 263 में दर्ज है। बताया जाता है कि कन्हाई पैतंडी परिवार ने पूजा के लिए भूमि पंडित कीरिटी भूषण भट्टाचार्य के पूर्वजों को दान में दी थी। वर्तमान में मंदिर के मुख्य पुजारी कीरिटी भूषण भट्टाचार्य ही पूजा-अर्चना करते हैं। परंपरा के अनुसार आज भी चास के कुरा गांव के स्वर्गीय राजु मालाकार के वंशज मां काली की सर सज्जा (श्रृंगार सामग्री) डाकमटुक मंदिर में चढ़ाते हैं। वहीं चंदनकियारी नवाडीह के मूर्तिकार शिवम मुखर्जी प्रतिमा को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। पूजा आयोजन की व्यवस्था कन्हाई पैतंडी के वंशजों की सातवीं पीढ़ी देख रही है। अभय पैतंडी, पंचानन पैतंडी, गौर पैतंडी, महादेव पैतंडी, पंकज पैतंडी, कालीदास पैतंडी, श्याम पैतंडी, भोलानाथ राय, गौतम, नित्यानंद, शुभंकर पैतंडी, अर्जुन पैतंडी, जटाधारी राय, मानिकचंद राय, संटू राय, नितीश राय, दिलीप राय, माधव राय, तारापद और सिष्टीधर प्रामाणिक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण तैयारी में जुटे हैं। अभय पैतंडी बताते हैं कि 1969 में ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का भव्य रूप दिया गया था। तब से लेकर अब तक परिवार की सातवीं पीढ़ी इस परंपरा को निभा रही है। धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल से भी श्रद्धालु पूजा में शामिल होते हैं। मां काली के दरबार में मन्नत पूरी होने पर भक्त चुल्ला चढ़ाते हैं। भक्तों की भीड़, भक्ति संगीत, ढाक की थाप और दीपों की रोशनी से यह प्राचीन परंपरा आज भी जीवित है – बांधडीह में काली पूजा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि तीन शताब्दियों से चली आ रही लोकआस्था का जीवंत प्रतीक है।

बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय में दीपावली उत्सव आयोजित

बोकारो : धनतेरस के शुभ दिन पर जन कल्याण सामाजिक संस्था द्वारा संचालित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण दीपों और रंग-बिरंगे सजावट से जगमगा उठा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुमार अमरदीप, निवारण चन्द्र महतो एवं राजीव कुमार उपस्थित थे। उन्होंने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के बीच मोमबत्ती, टॉफी, बिस्किट आदि वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। अतिथियों ने बच्चों और विद्यालय परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। संस्था के संस्थापक परशुराम राम ने सभी बच्चों को दीपावली सुरक्षित ढंग से मनाने और मिट्टी के बने दीपों का उपयोग करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग न केवल पर्यावरण के लिए लाभदायक है बल्कि यह हमारे पारंपरिक मूल्यों का सम्मान भी है। कार्यक्रम में शंकर रजक, हरि शंकर प्रसाद सोनी, गुड़िया देवी, पन्ना देवी, विजय कुमार, योगेन्द्र प्रसाद सोनी, मीरा देवी, बबीता कुमारी, माधुरी देवी, अजय कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीतों और दीप सज्जा प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। अंत में विद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से दीप जलाकर सामाजिक सद्भाव और खुशहाली की कामना की।

एक नवम्बर को किया जाएगा भजनो का अमृतवर्षा

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : श्री श्याम कला भवन चांडिल के द्वारा अयोजित 29 वा श्री श्याम जन्म महोत्सव की तैयारियों जोरों पर चल रही है। जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर सभी सदस्य दिन रात मेहनत कर रहे है। कला भवन के अध्यक्ष संजय चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा की 29 वां जन्मोत्सव की तयारी जोरों पर चल रही है। उन्होंने कहा की 31 अक्टूबर को श्याम बाबा की विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकलेगा जिसमें दिल्ली के चिराग ग्रुप द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया जाएगा। शोभायात्रा श्याम मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे चांडिल बाजार का भ्रमण कर मंदिर परिसर मे संपन्न होगा साथ ही शोभा यात्रा मे शामिल महिला पुरुष एवं बच्चों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गयी है। एक नवम्बर को शाम 6.31 बजे से मठीया गली स्थित पंचायत भवन के सामने चौधरी बगान मे प्रसिद्ध भजन गायकों के द्वारा भजन अमृतवर्षा की जाएगी। दिल्ली के ऋषभ डाबला ग्रुप के द्वारा बाबा श्याम का मनमोहक एवं अनुपम श्रृंगार किया जाएगा। वही पश्चिम बंगाल के कारीगर बाबा श्याम का विशाल एवं भव्य दरबार का निमार्ण करेंगे। कार्यक्रम मे कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। इस अवसर पर राजीव गुप्ता, दुर्गा चौधरी, सुभाष शर्मा, रोहित चौधरी, परमानन्द पसारी, मोंटी चौधरी, हरीश सुलतानीया, सहित काफी संख्या मे सदस्य उपस्थित थे।

लघु सिंचाई का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय खबर

जरीडीह: जरीडीह प्रखंड के अंतर्गत आने वाले 17 पंचायतों के पंचायत सहायकों व वीएलई ने शनिवार को बोकारो के न्याय सदन में आयोजित लघु सिंचाई प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध जल स्त्रोतों जैसे नाला, डोभा, तालाब, एवं नलकूप–का सर्वेक्षण कर उनके बेहतर उपयोग और देखरेख के उपाय सीखना था। प्रशिक्षण के दौरान जरीडीह प्रखंड के अभियंता रितेश कुमार एवं बोकारो के प्रशिक्षक श्रीराम ने प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंचायत स्तर पर जल संरक्षण और सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए सर्वे किया जाएगा। प्रशिक्षकों ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर जल संसाधनों की सही पहचान और उपयोग से खेती की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण में पंचायत सहायकों को मोबाइल ऐप आधारित सर्वे तकनीक, जीआईएस मैपिंग और डाटा संग्रह की विधियों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे अपने-अपने पंचायतों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएं और योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बीएसएल ने पीएस विभाग के कर्मचारियों को किया सम्मानित

बोकारो: बोकारो स्टील प्लांट के आयरन एंड स्टील फाउंड्री एवं पैटर्न शॉप विभाग ने नियमित और संविदा कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान को सम्मानित करने हेतु विशेष समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विभाग के 15 कर्मचारियों को उनके समर्पण, नवाचार और उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) एवं अतिरिक्त प्रभार (शॉप्स) शरद गुप्ता ने टीम भावना और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए सभी सम्मानित कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (शॉप्स) जयंता सरकार, उप महाप्रबंधक (शॉप्स) पी. बुल्लिअब्बाय, वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार, सानी उराँव, खेमनाथ महतो, उप प्रबंधक अशोक कुमार मीणा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मौके पर विभाग की हाल की उपलब्धियों को भी उजागर किया गया। हाल के महीनों में आईसीएसएफ एंड पीएस विभाग ने दुर्गापुर स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस के लिए रिकॉर्ड समय में 30 विशेष कूलिंग प्लेटों का सफल निर्माण और प्रेषण किया।

गिरफ्तार शेड में वारदात को अंजाम देने की बना रहे थे योजना

चार अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

रांची : चट्टी से नरकोपी जाने वाले सड़क के मोड़ के पास स्थित शेड में वारदात की अंजाम देने की योजना बना रहे चार अपराधी को लोहरदगा के भंडरा थाना पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधी में अनिल उराँव, अजय उराँव, पंचम उरांव और बंसत उरांव उर्फ प्रिंस उरांव का नाम शामिल है। सभी आरोपी रांची के नरकोपी थाना क्षेत्र के रहने वाले है। आरोपी के पास से 3 देशी कट्टा, 3 गोली और 4 मोबाईल पुलिस ने बरामद किया है।घटना की जानकारी देते हुए लोहरदगा एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि चट्टी चौक के पास चट्टी से नरकोपी जाने वाले सडक के मोड़ के पास बने शेड में पाँच लडके गोली-हथियार के साथ किसी घटना को कारित करने के लिये योजना बनाया जा रहा है। सूचना पर मुख्यालय डीएसपी को छापामारी का निंदेश दिया गया। पुलिस की टीम मौके पर छापामारी करने पहुंची तो पुलिस को देखते ही अपराधी भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ा गया। एक अपराधी भागने में सफल रहा। अनिल उरांव के पास देशी कट्टा, दो गोली, अजय उरांव के पास से एक देशी कट्टा, पंचम उरांव के पास से देशी कट्टा, एक गोली बरामद किया गया। इन तीनों का पूर्व अपराधीक इतिहास रहा है। इस संबंध में भण्डरा थाना (काण्ड सं0 76/25) में मामला दर्ज किया गया।पूछताछ के क्रम में पकड़े गये अपराधी ने पुलिस को बताया कि दिनांक 12-13 अक्टूबर की रात में कोटा गांव में दशरथ उराँव के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी के निशानदेही पर एक जोड़ा चांदी का बाला, दो जोड़ी चांदी का पायल, एक जोड़ा कान का बाली, एक अंगूठी, पांच जोड़ा बिछिया चांदी, कान का झुमका, एक पायल बच्चा का बरामद किया गया। इस संबंध में भण्डरा थाना (काण्ड सं0 75/25) में मामला दर्ज किया गया है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची
कमरा नं0 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं0 – 0651–3512781

पत्रांक................../ राँची, दिनांक ..../........./2025

शुद्धि–पत्र

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक –619 दिनांक–25.09.2025 द्वारा PR No.362998 Minor Irrigation (25-26):D दिनांक 27.09.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of e-tender on website	18.10.2025 up to 2:00 pm	03.11.2025 up to 2.00 pm
2	Last date for /time for submission of e-tender BID's	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
3	Last date for online Submission of tender fee and EMD	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
4	Date of opening tender	30.10.2025 at 2:00 Pm	12.11.2025 at 4:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्ते पूर्वतः बनी रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

PR 364490 Minor Irrigation(25-26)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।
कमरा नं0 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com फोन नं0 – 0651–3512781

पत्रांक................../ राँची, दिनांक ..../........./2025

शुद्धि–पत्र

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक –617 दिनांक–25.09.2025 द्वारा PR No.362994 Minor Irrigation (25-26)D दिनांक 27.09.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of e-tender on website	18.10.2025 up to 2:00 pm	03.11.2025 up to 2.00 pm
2	Last date for /time for submission of e- tender BID's	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
3	Last date for online Submission of tender fee and EMD	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
4	Date of opening tender	30.10.2025 at 2:00 Pm	12.11.2025 at 4:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्ते पूर्वतः बनी रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।

PR.NO.364481 Minor Irrigation(25-26):D

राष्ट्रीय खबर हमारी खबर झारखंड
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

कार्मेल स्कूल में विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस पर जरूरतमंद बच्चों को भोजन एवं सहायता सामग्री का वितरण

बोकारो थर्मल :कार्मेल स्कूल, बोकारो थर्मल में विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस बड़े उत्साह और मानवीय संवेदना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षको में सामाजिक जिम्मेदारी और गरीबों के प्रति करुणा की भावना विकसित करना था।

विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर एम. डीलिया ए. सी. एवं मैनेजर सिस्टर एम इन्नेट ए. सी. के निर्देशन में विद्यालय की ओर से करीब सौ गरीब और जरूरतमंद बच्चों को भोजन कराया गया। बच्चों के बीच कॉपियाँ, पेंसिलें आदि सामाग्री भी वितरित की गई।

शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लगरीबी मिटाने का पहला कदम दूसरों की मदद करने से शुरू होता है।ह्व गरीबी मिटाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं है। समर्थ लोग भी गरीबी मिटाने में योगदान दे सकते है।

महोत्सव

छठ पूजा बड़े ही जोश और श्रद्धा के साथ बनाया जाता है

अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में दीपोत्सव एवं छठ महोत्सव मनाया गया

राष्ट्रीय खबर

बेरमो:शनिवार को स्थानीय विद्यालय अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में कबाड़ से जुगाड़, दीपोत्सव एवं छठ पूजा उत्सव बड़े ही हर्षों उल्लास के साथ मनाया गया। इस उत्सव का शुभारंभ विद्यालय के सचिव अमित कुमार सिंह, उपाध्यक्ष रामनरेश द्विवेदी, अभिभावक प्रतिनिधि रीमा सिंह एवं प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कक्षा षष्ठ से लेकर दशम तक की सभी बहनों ने छठ पूजा उत्सव में भाग लिया. इसमें कैंपस में तालाब का नमूना बनाकर उसमें जल भरकर बहनों संग सभी दीदी जी ने पूरे नेग विधान और रीति रिवाज के साथ सूर्य भगवान को अर्ग देते हुए उत्सव मनाया। विद्यालय के सचिव अमित कुमार सिंह ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा ओर रीति रिवाज,के कारण पूरा विश्व शांति और आनंद का एहसास करता है।छठ पूजा पूरे उत्तर प्रदेश,बिहार,झारखंड में बड़े ही जोश और श्रद्धा के साथ बनाया

जाता है। प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने कहा की छठ पूजा प्रत्यक्ष देवता के रूप में पूजे जाने वाले सूर्य भगवान को समर्पित है।इससे भक्तों को मनवांछित फल प्राप्त होता है।श्रद्धा और विश्वास के साथ इस त्यौहार को करने से मन को अपार शांति मिलती है। कक्षा तृतीय से दशम तक के भैया एवं छोटी-छोटी बहनों के द्वारा दीपोत्सव का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें एक से बढ़कर एक दीपक का डिजाइन लोगों के भैया बहनों के द्वारा बनाया गया था। जिससे लोगों को यह प्रेरणा मिल सके की मिट्टी के दिए जलाना और चीन से बने हुए प्रकाशित वस्तुओं का बहिष्कार करना बहुत ही आवश्यक है।

जिससे हमारा भारत का पर्यावरण संरक्षित एवं सुरक्षित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से दीदी जी में भगवती नोनिया,रंजू झा,निभा सिन्हा,पूजा शर्मा,श्वेता शर्मा,अपर्णा कुमारी,मीणा देवी,अणिमा कुमारी, श्रेया बरनवाल,सोनाली कुमारी,आचार्य में नवल किशोर सिंह,साधन चंद्रधर, राकेश सिंह, उमाशंकर,दिवाकर पाण्डेय, सुरेश साव,शंकर साव,रवि मोदी, का विशेष योगदान रहा एवं सभी कर्मचारी बंधु भगिनी मुख्य रूप से उपस्थित थे। शांति मंत्र के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

तेनुघाट डीएवी पब्लिक स्कूल में ज्योति पर्व दिपावली व प्राकृति पर्व छठ का आयोजन

तेनुघाट कोर्ट :शनिवार को डी ए वी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में ज्योति पर्व दीपावली एवं प्रकृति पर्व छठ-पूजा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रार्थना सभा के बाद सी सी ए कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय के हेड ब्यॉय मनन श्रेष्ठ के द्वारा शंखनाद करते हुए कार्यक्रम की आरंभ किया गया। तदोपरांत एल के जी से कक्षा पाँचवी के विद्यार्थियों द्वारा छठ पूजा पर पारंपरिक रूप से भगवान सूर्य की उपासना एवं पूजा की सुंदर प्रस्तुति की गई। नन्हें-मुन्हें एल के जी एवं यू के जी, पहली एवं कक्षा दूसरी के बच्चों द्वारा पारंपरिक रूप से छठ-पूजा की तैयारियों के साथ भगवान सूर्यदेव की उपासना, सायंकालीन पूजन एवं प्रातःकालीन अर्घ्य देते हुए मनमोहक एवं ह्रदयहारी दृश्य प्रस्तुत किया गया। जिसे देखकर जन- मानस मंत्र -मुग्ध हो गए। प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने कहा कि छठ-पूजा का पर्व प्रकृति से जुड़ा हुआ है। यह बिहार एवं झारखंड की सभ्यता, संस्कृति और संस्कार से जुड़ा हुआ, जिसकी छवि आज संपूर्ण विश्व में विख्यात हैं। प्राचार्या ने कार्यक्रम में शामिल बच्चों एवं उनके अभिभावकों तथा शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

जारंगडीह 12 नंबर निवासी सह सीसीएल कर्मी की इलाज के दौरान मौत

राष्ट्रीय खबर

● शोक मे डुबा परिजन, क्षेत्र में भी मातम।

बेरमो : जारंगडीह उतरी पंचायत 12 नंबर कॉलोनी निवासी सह जारंगडीह परियोजना में कार्यरत लगभग 50 वर्षीय आई जेक उर्फ चिड़िया का बीते देर रात्रि इलाज के दौरान रांची मेडिका मे निधन हो गया। वह काफी दिनों से विभिन्न बीमारियों से ग्रसित था। इलाज के लिए वे देश के सबसे बड़े अस्पताल सीएमसी मे भी इलाज करवा लगभग 15, 20 दिन पुर्व की जारंगडीह लौटा था मगर उसकी हालत में सुधार की जगह और बिगड़ता चला गया जिसे देखते हुए परिजनों द्वारा उसे रांची मेडिका मे भर्ती करवाया जहां उसका इलाज चल रहा था मगर बीते शुक्रवार को वह अपनी जिंदगी का जंग हार गया। मिली जानकारी के अनुसार उनका विवाह लगभग 3 साल पुर्व ही हुआ था। उन्हें कोई संतान नहीं था। यह खबर जैसे ही जारंगडीह पहुची परिजनों के अलावा आसपास के लोगो सहकर्मियों व दोस्तों के बीच शोक व मातम पसर गया। समाचार लिखे जाने शव रांची में था और कागजी कार्रवाई चल रही थी। मिली जानकारी के अनुसार देर शाम तक शव जारंगडीह पहुचने की जानकारी मिली तथा आज ही असनापानी कब्रिस्तान में उन्हे सुपुर्दे खाक किया जायेगा। इस घटना के बाद लोगों ने शोक व्यक्त किया जिसमें आरसीएमयू के कथारा एरिया सचिव सह विधायक प्रतिनिधि विल्सन फ्रांसिस उर्फ बबलू फ्रांसीस, ललित रजक, भगवान सिंह, नितू कुमार, विश्वकर्मा भारती, विनोद कुमार, मो साबिर अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि मो इम्तियाज अंसारी आदि दर्जनों लोगो ने दुख व्यक्त किया।

सार्वजनिक दुर्गा मंदिर का नव निर्माण होगा, 30 को भूमि पूजन

राष्ट्रीय खबर

गोला : श्री सार्वजनिक दुर्गा मंदिर गोला में मंदिर समिति की बैठक अध्यक्ष कपिल देव प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विगत शारदीय पूजा में हुई आय और व्यय का ब्यौरा सचिव सनत कुमार सिन्हा एवं संयोजक मनोज मिश्र ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि विगत कई वर्षों से क्षेत्र के श्रद्धालु पूजा में बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। सभी के तन मन धन से सहयोग के कारण पूजा धूमधाम से संपन्न किया जा रहा है और समिति के कोष में धनराशि की वृद्धि हो रही है। दूसरी ओर अध्यक्ष कपिल देव प्रसाद अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुशील कुमार बुधिया, सह सचिव जनार्दन पाठक, सक्रिय सदस्य कुंवर कुमार बख्शी, निहार रंजन, शिवप्रकाश, विजय प्रसाद, पंकज कुमार बुधिया, पवन कुमार अग्रवाल सहित कई ने 50 वर्ष पुराने मंदिर के भवन की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भवन का नवनिर्माण किया जाना चाहिए। इस पर सहमति व्यक्त करते हुए समिति के पदाधिकारी और सदस्यों ने मंदिर भवन का भव्य रूप देने की बात कही। मंदिर के नवनिर्माण के लिए तत्काल कपिल देव प्रसाद अग्रवाल, सनत कुमार सिन्हा, पंकज कुमार बुधिया, सुशील कुमार बुधिया, पवन अग्रवाल ने 1 लाख 11 हजार करके दान देने, कुंवर कुमार बक्सी ने 51 हजार रुपए और रवि कुमार सिन्हा ने 51 हजार रुपया देने की सहमति दी। इसपर कहा गया कि 30 अक्टूबर को मंदिर के नवनिर्माण का भूमि पूजन किया जाएगा। क्षेत्र के लोगों से मंदिर के नवनिर्माण में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की गई। मौके पर सनेल राम नायक, कपिल देव प्रसाद, नरसिंह प्रजापति, शुभम लोधा, शौरभ बुधिया, शौरभ सुमन मौजूद थे।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

छठ महापर्व को लेकर छठ घाटों की साफ-सफाई जोरों पर

गोमिया-गोमिया क्षेत्र में छठ महापर्व को लेकर स्थानीय जलाशयों एवं नदी किनारे साफ सफाई शुरू हो गई है। इस दौरान श्री श्री छठ पूजा समिति गोमिया द्वारा बोकारो नदी के गोमिया घाट में साफ- सफाई करने एवं टेंट लगाने का काम चालू हो गया है। घाट और उसके आसपास के गंदगी को साफ करने के लिए पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह के प्रयास से और सीसीएल स्वांग कोलियरी के सौजन्य से ग्राइंडर के माध्यम से सफाई किया जा रहा है। इसी प्रकार खम्हरा के समीप कोनार नदी के तट, स्वांग कोलियरी स्थित कोनार नदी,गोमिया बस्ती स्थित भगत अहरा तालाब आदि में भी साफ सफाई किया जा रहा है। मौके पर छठ पूजा समिति गोमिया के अध्यक्ष राजकुमार यादव, सचिव विजय करमाली, कोषाध्यक्ष बबलू जायसवाल, उपाध्यक्ष, राजकुमार जायसवाल, उपसचिव, रंजीत करमाली, समिति के सुरेश यादव, अंकुश भंडारी, आकाश रवानी, रौनक जयसवाल, मनीष कुमार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

पेटरवार बाजार में एक व्यक्ति की हुई मौत

बेरमो :पेटरवार प्रखंड स्थित बुंडू पंचायत अंतर्गत गागी हाट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शम्भू केशरी चास निवासी पेटरवार के गागी हाट में प्रत्येक शनिवार को कटे फटे नोटों का अदला बदली का काम करते थे। उसी क्रम में आज पेटरवार बाजार आये हुए थे बाजार में जूस दुकान में जूस पीने गये और जूस दुकानदार को जूस बनाने को कहा और जूस पीने से पहले ही अचानक जमीन पर गिर पड़े

ओरमांझी मे प्रज्ञा केंद्र संचालन संध की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय खबर

गोमिया-रांची जिला के ओरमांझी में पलामू जिला के प्रज्ञा केंद्र संचालक कपिलदेव शुक्ला के अध्यक्षता में झारखंड प्रदेश डिजिटल पंचायत सचिवालय प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से संगठन का अध्यक्ष शिशिर टोप्पो-सिमडेगा, उपाध्यक्ष अमित कु.चंद्रवंशी -बोकारो, सचिव रामरेख यादव -देवघर, कोषाध्यक्ष सन्नी पाट पिंगुआ -पश्चिम सिंहभूम, सह सचिव अमीर राज पाण्डेय -धनबाद, मीडिया प्रभारी अमरनाथ गुप्ता -गुमला, शिव नायक - राँची को मनोनीत किया गया एवं प्रदेश कोर कमिटी सदस्य (संयोजक/संरक्षक) के रूप में कपिलदव शुक्ला, विनय दे, मृणाल कांति पाल, तपन मण्डल, अशोक कु. दास, नवीन कुमार, मुदस्सर नजीर, संगम गहलोत, रविकांत शाह, फनी भूषण महतो, पुरुषोत्तम दास, वीरेन्द्र प्रसाद, रमेश पटेल,इरफान अंसारी, ब्रजेश प्रजापति का चयन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से रांची चंदन कुमार, उपेंद्र कुमार, राजदीप शिखर, दिलीप कुमार, मनोज कुमार, प्रकाश दास,रामदयाल योगी, रोहित, संजय, सुधाकर, दामोदर, बासुदेव,पवन, प्रकाश आदि का विशेष योगदान रहा।

सरस्वती विद्या मंदिर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

रजरप्पा :कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर,रजरप्पा प्रोजेक्ट में विद्यालय की आचार्या रेखा कुमारी के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह भावनात्मक और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राँची विभाग प्रमुख विवेक नयन पाण्डेय, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी तथा प्राचार्य उमेश प्रसाद उपस्थित थे।

विद्यालय के बहनों के द्वारा विदाई गीत की प्रस्तुति की गई।

समारोह के दौरान विभाग प्रमुख विवेक नयन पाण्डेय ने अपने संबोधन में रेखा कुमारी के शिक्षण कार्य, समर्पण और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके योगदान के लिए आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आचार्य बच्चूलाल तिवारी ने रेखा कुमारी के विद्यालय में बिताए गए समय और उनके उल्लेखनीय योगदान को अपने अनुभव कथन के माध्यम से सबके समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि रेखा कुमारी न केवल एक कुशल शिक्षिका रहीं, बल्कि उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।इसी क्रम में प्राचार्य उमेश प्रसाद और उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और रेखा कुमारी को आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

अंत में विद्यालय परिवार की ओर से रेखा कुमारी को उपहार देकर सम्मानित किया गया। भावुक क्षणों में रेखा कुमारी ने विद्यालय परिवार, सहकर्मियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में बिताए गए पल उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेंगे।कार्यक्रम का संचालन आचार्या डॉ. गायत्री कुमारी ने किया।कार्यक्रम को सफल बनाने मे विद्यालय के आचार्य अमरदीप शाहदेव,रोहित राज,पूनम सिंह,रानी कुमारी,शेखर कुमार,शम्मी राज,राजेश,गौतम कुमार,इंद्रजीत सिंह आदि की प्रमुख भूमिका रही।

सरस्वती विद्या मंदिर में दीपावली और छठ महापर्व की सांस्कृतिक छटा बिखरी

राष्ट्रीय खबर

रजरप्पा :कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में दीपावली एवं छठ महापर्व के शुभ अवसर पर विद्यालय की बहनों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, दीप निर्माण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं ने छठ महापर्व का प्रकृति से गहरा संबंध दशार्ते हुए छठ गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इन गीतों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से बहनों ने भारतीय परंपरा, संस्कृति और आस्था का सुंदर चित्रण किया। रंगोली और दीप निर्माण प्रतियोगिता में छात्राओं की सृजनात्मकता देखते ही बन रही थी।

इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी एवं प्राचार्य उमेश प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक

चेतना और परंपरागत मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल करते हैं।साथ ही उन्होंने सभी आचार्यों,भैया बहनों को दीपावली एवं छठ पर्व की शुभकामनाएँ दी।साथ ही एक विशेष कार्यक्रम के तहत *'एक घी का दिया विद्यालय के नाम'* अभियान चलाया गया जिसमें विद्यालय के सभी भैया बहन एक-एक दिया विद्यालय को दिए जिसे दीपावली के दिन जलाया जाएगा।कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्या डॉ गायत्री कुमारी,ललिता गिरी देव कुमार,रोहित राज,गौतम कुमार,शशि कान्त आदि उपस्थित थे।

आसन्न छठ पर्व को देखते हुए प्रशासक फुसरो नगर परिषद द्वारा छठ घाट का किया गया निरीक्षण

बेरमो :फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में पडने वाले सभी छठ घाट का निरीक्षण प्रशासक, राजीव रंजन द्वारा किया गया। छठ से पूर्व सभी छठ घाटों की साफ-सफाई, छठव्रतीयो के आवागमन हेतु सुगम व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। प्रशासक नगर परिषद द्वारा कहा गया कि नगर क्षेत्र के सभी 28 वार्डों में युद्ध स्तर पर साफ-सफाई कराई जा रही है ताकि छठ पर्व मनाने में किसी को परेशानियों का सामना न करना पड़े। मौके पर प्रशासक राजीव रंजन, कार्यालय सहायक राजीव रंजन कुमार, शंकर कुमार,धीरज राम,छोटू राम, रवि कुमार, सुदर्शन कुमार, इंदर कुमार,बिरजू कुमार सहित सभी सफाई कर्मी, चालक उपस्थित होकर छठ घाट सहित आसपास साफ सफाई किया।

मंत्री जी ने विभिन्न कार्य योजनाओं का किया शिलान्यास

राष्ट्रीय खबर

गोमिया-पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया प्रखंड के स्वांग उत्तरी पंचायत में गंझुडीह से महावीर स्थान तक, स्वांग पिपराडीह शिव मंदिर से करमटिया ग्राम तक, साड़म नैनाटांड़ एवं झिरकी पंचायत भवन के समीप पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने मंत्री का भव्य स्वागत किया। मौके पर मंत्री श्री प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार जनभावनाओं के अनुरूप कार्य कर रही है और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो यही हमारा संकल्प है। इस दौरान मंत्री ने स्थानीय युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें फुटबॉल और जर्सी भी भेंट की। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी समाज की शक्ति होते हैं और उन्हें खेल-कूद के माध्यम से अनुशासन, एकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। मौके पर बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, थाना प्रभारी रवि कुमार,मुखिया बिनोद विश्वकर्मा, पंसस धनेश्वरी देवी, विधायक प्रतिनिधि अमित पासवान, धनेश्वरी देवी,इकबाल अहमद,नरेश मंडल, मुमताज आलम, पूर्व पंसस ललन केवट, मो इम्तियाज, रामकिशुन रविदास, अशरफ अली, मो नसीम, घनश्याम महतो आदि उपस्थित थे।

फुसरो मे कुमार मेडिकल एंड क्लिनिक का हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय खबर

बेरमो:फुसरो के पुराना बिडिओ आफिस मे कुमार मेडिकल एंड क्लिनिक का उद्घाटन विट्टी सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कहा कि सस्ते दामों पर लोगों को दवा उपलब्ध कराएं ताकि गरीब से गरीब लोग पूर्ण रूप से रोग का ईलाज करा सकें और उनकों दवा दुकान से लाभ मिले। गरीब की सेवा करना ही इंसान का धर्म है। मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर डॉकटर सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मेडिकल एंड क्लिनिक मे इलाज के साथ -साथ दवा सस्ते दामों में मिलेगी. इस मौके पर श्रीशा सिंह, अर्चना कुमारी, निहिता सिंह, अर्पित कुमार, चिंटू सिंह , अभिजीत कुमार, अजीत कुमार, गणेश मल्लाह, जयराम सिह , महफूज आलम, राकेश कुमार सिंह, सी एस प्रसाद, सेलवन राज, कृष्ण कुमार, बिरजू कुमार, संतोष श्रीवास्तव, योगेश तिवारी, संजीव सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

प्रशिक्षण

सरकार का यह प्रश्न प्रशिक्षण प्रशंसनीय है

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में दो दिवसीय प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय खबर

कुजू /मांडू : झारखंड सरकार के गाइडलाइन के अनुसार उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू में दो दिवसीय प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण डॉ सुनील कुमार कश्यप के अध्यक्षता में और प्रशिक्षक सीआरपी सत्येंद्र कुमार के देखरेख में संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में झारखंड सरकार के गाइडलाइन के अनुसार विद्यालय के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय का अच्छा से अच्छा प्रदर्शन हो सके, इसके लिए छात्र-छात्राओं को ही नहीं अपितु

अभिभावकों को भी समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। दो दिवसीय प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण सीआरपी सत्येंद्र कुमार ने बहुत ही रोचक और मनमोहन ढंग से दिया। प्रशिक्षण पाकर अभिभावक काफी प्रसन्न हुए और अभिभावकों ने ऐसे प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि अगर इस तरह का प्रशिक्षण सरकारी विद्यालयों में चलकर हम अभिभावकों को विद्यालय से संबंधित विशेष जानकारी दी जाती है, तो हम सभी अभिभावक भी जानकारी के अभाव में सरकार द्वारा संसाधन जो सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध कराया जाता है। हम सभी अभिभावक सचमुच में नहीं जानते हैं कि ऐसे प्रशिक्षण से हमें जानकारी प्राप्त होती है। निश्चित रूप से सरकार का यह प्रश्न प्रशिक्षण प्रशंसनीय है। विद्यालय में यह प्रशिक्षण प्रबंधन समिति को प्रोजेक्टर और स्मार्ट टीवी के माध्यम से दिया गया । विद्यालय के सुनील कुमार कश्यप ने प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी प्रबंध समिति के लोगों का स्वागत किया और विश्वास दिलाया कि आप लोग प्रशिक्षण जिस तरह से लिए हैं।

लुकैया में फिर दर्दनाक सड़क हादसा, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय खबर

● ग्रामीणों ने जताया आक्रोश, कहा–गलत दिशा से आ रही बस बनी हादसे की वजह।

बेरमो :पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-बोकारो मुख्य मार्ग स्थित लुकैया में शनिवार को एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में सलगांडीह निवासी रामचंद्र महतो (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लुकैया निवासी शिवलाल सोरेन गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक मोटरसाइकिल से सड़क किनारे खड़े होकर सड़क पार

करने की तैयारी में थे। इसी दौरान गलत दिशा से तेज गति में आ रही बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पेटरवार लाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामचंद्र महतो को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल शिवलाल सोरेन को प्राथमिक उपचार के बाद बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखा गया। जिसे लेकर रांची बोकारो मुख्य मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया गया । कारण पूरी तरह से बाधित हो गया ।उन्होंने कहा कि इस स्थान पर लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर एवं साइन बोर्ड लगाने की मांग की है।

इधर, सूचना मिलते ही पेटरवा, कसमार और जरीडीह पुलिस मौके पर पहुंची हैं और जाम हटाने की प्रयास कर रही हैं।

रजत कुमार गुप्ता

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही, पटना की हवा में अचानक रोमांस और ड्रामा दोनों घुल जाते हैं, पर यह रोमांस लैला-मजनू वाला नहीं, बल्कि कुर्सी-मोह वाला है। आने वाला यह महासमर किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं होगा, जहाँ हर सीन में प्लॉट ट्विस्ट, हर डायलॉग में जहरीला व्यंग्य और अंत में एक जबरिया गठबंधन जरूर होता है। हमारे माननीय नेतागण, जिन्होंने पिछले पाँच सालों में अपनी बयानबाजी से सोशल मीडिया को कंटेंट की कमी नहीं होने दी, अब एक बार फिर मैदान में उतरेंगे।

एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स.. .. .. .

फिलहाल बाकी सब कुछ भूल जाइये क्योंकि देश की सत्ता और सत्ता के विरोधी दोनों यही चाहते हैं कि आप रोटी की परेशानी को याद ना करें और सिर्फ बिहार चुनाव पर आपका ध्यान रहे। मानों यह चुनाव ना हुआ भारत के भविष्य का फैसला हो गया। धुआंधार मीटिंग, जनसभा और लंबे लंबे भाषण।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही, पटना की हवा में अचानक रोमांस और ड्रामा दोनों घुल जाते हैं, पर यह रोमांस लैला-मजनू वाला नहीं, बल्कि कुर्सी-मोह वाला है। आने वाला यह महासमर किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं होगा, जहाँ हर सीन में प्लॉट ट्विस्ट, हर डायलॉग में जहरीला व्यंग्य और अंत में एक जबरिया गठबंधन जरूर होता है। हमारे माननीय नेतागण, जिन्होंने पिछले पाँच सालों में अपनी बयानबाजी से सोशल मीडिया को कंटेंट की कमी नहीं होने दी, अब एक बार फिर मैदान में उतरेंगे। हर नेता की चाल ऐसी होगी, मानो वह शतरंज का नहीं, बल्कि ताश का बादशाह बनने जा रहा हो, जिसे पता है कि बाजी पलटने के लिए जोकर ही काम आता है। घोषणापत्रों की बात करें, तो यह चुनाव हँसी के फव्वारे लेकर आएगा। एक दल कहेगा कि वह बिहार को कैलिफोर्निया बना देगा, जबकि दूसरा दल तुरंत पलटवार करेगा कि वह इसे जापान बना देगा, ताकि दोनों वादों में कोई मेल ही न रहे और जनता एशिया में ही कहीं खोई रहे। हर पार्टी 10 लेन की एक्सप्रेसवे बनाने का वादा करेगी–जो शायद सिर्फ. हेलीकॉप्टर उतारने के काम आ सके, क्योंकि जमीन पर अतिक्रमण और गड्ढे अपनी जगह कायम रहेंगे। घोषणा होगी कि हर गाँव में आईआईटी और एम्स की शाखा खुलेगी, भले ही मौजूदा स्कूलों में टाट-पट्टी और शिक्षकों की कमी से छात्र परेशान हों।

सबसे बड़ा हास्यबोध यहाँ है। नेता कहेंगे, हमने लाखों नौकरी दी! और जनता सोचेगी, दी या देने का सपना दिखाया? इस चुनावी मौसम में रोजगार वह अदृश्य शक्ति है, जिसे सब महसूस करना चाहते हैं, पर कोई पकड़ नहीं पाता। बिहार चुनाव का असली मजा आता है गठबंधन के ड्रामे में। यहाँ नेतागण दोस्ती ऐसे निभाते हैं, जैसे वे फेविकोल का जोड़ हों, जो थोड़ा सा तापमान बढ़ते ही टूट जाता है। एक दल दूसरे दल पर जंगलराज का आरोप लगाएगा, और दूसरा दल पहले पर अंकलराज का। इस आरोप-प्रत्यारोप की कॉमेडी ऑफ एरर्स में दर्शक (यानी जनता) सिर्फ. ताली बजाने या सर पकड़कर बैठने के लिए बचेगी।

इसी बात पर एक कम चर्चित गीत की याद आ रही है। फिल्म आर्ची के इस गीत को लिखा है अलोयसियस मेंडोन्सा ने। इसे शंकर एहसान लॉय और जावेद अख्तर ने सुरों में बांधा है और इसे डोरोथी रो, विशाल डडलानी तथा शंकर महादेवन ने अपना स्वर दिया है। यूं तो यह कम चर्चित फिल्म का गीत है पर अभी के मौके पर यह सटीक बैठता है। गीत के बोल कुछ इस तरह हैं।

लाइफ की हर एक बात में है पॉलिटिक्स
सुबह-शाम, दिन-रात में है पॉलिटिक्स
जो क्लास में टीचर हैं
क्या देते वो लेक्चर हैं
बोलो, ये डिसाइड कौन करता है?
को-एड सारे स्कूल में हो कि नहीं?
गर्ल्स मिनीस्कर्ट्स में जा सकती हैं कहीं
क्या लूज, क्या टाइट है
क्या रॉन्ग, क्या राइट है
बोलो, ये डिसाइड कौन करता है?
आर्ची! आर्ची!
यू कांट जस्ट लिव योर लाइफ फॉर किक्स
आर्ची! आर्ची!
एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स
क्या स्पोर्ट्स इम्पोर्टेन्ट हैं
या अनइम्पोर्टेन्ट हैं?
क्या बाई एनी चांस है म्यूज़िक या डांस जरूरी
जैसे फिजिक्स या केमिस्ट्री?
ड्राइविंग लाइसेंस 18 की एज में क्यूँ?
१७ तक हम बचपन की केज में क्यूँ?
ये जो भी डिसिप्लिन है
सोचे-समझे बिन है
बोलो, ये डिसाइड कौन करता है?
आर्ची! आर्ची!
यू कांट जस्ट लिव योर लाइफ फॉर किक्स
आर्ची! आर्ची!
एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स
अब मैंने जाना है
अब मैंने सोचा है
कि सारे बातों के कम-से-कम मीनिंग दो
सोचो तो, इस मिस्ट्री की हिस्ट्री
आर्ची! आर्ची!
यू कांट जस्ट लिव योर लाइफ फॉर किक्स
आर्ची! आर्ची!
एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स
आर्ची! आर्ची!
आई कांट जस्ट लिव माई लाइफ फॉर किक्स
आर्ची! आर्ची!
एवरीथिंग, एवरीथिंग, एवरीथिंग, एवरीथिंग
एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स

कुल मिलाकर, बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव सिर्फ. एक राजनीतिक घटना नहीं है; यह एक भव्य लोक-नाट्य है। यहाँ हर नागरिक एक दर्शक है, जो इस उम्मीद में टिकटॉक वीडियो बना रहा है कि शायद अगली सरकार उसकी टूट चुकी सड़कों या उसके बेरोजगार भतीजे को अपने कैमरे में कैद कर ले, ताकि कम से कम वीडियो वायरल होने का तो रोजगार मिल सके!

अब देखना यह है कि इस बार बिहार की जनता ईगो को कुर्सी देती है, या रोजगार की तलाश में किसी नए जोकर पर दाँव लगाती है। अंत में, जीत चाहे किसी की भी हो, असली मजा तो मीडिया कवरेज और मिले हुए वादों पर हँसने में ही आएगा।

शाहरुख ने कहा- मैं भी फिल्मी परिवार से हूं!

सलमान, आमिर ने कहा- अब आप समझ गए कि एसआर के स्टार क्यों हैं

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर बहस काफी समय से चल रही है। लोग अक्सर बॉलीवुड के इनसाइडर्स और आउटसाइडर्स की बात करते रहते हैं, लेकिन हाल ही में शाहरुख खान ने अपनी बातों से सबको जोड़ा और यह भी कहा कि वो भी एक फिल्मी परिवार से आते हैं। दरअसल, हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में हुए एक कार्यक्रम में शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान एक साथ मंच पर नजर आए। जहां तीनों ने एक-दूसरे की खूब तारीफ की। सलमान ने कहा कि वह और आमिर फिल्म फैमिली से आते हैं, लेकिन शाहरुख ऐसा नहीं है। उन्होंने बताया कि शाहरुख दिल्ली से आए और बड़े स्टार बन गए।इस 'पर शाहरुख ने कहा, 'सॉरी, क्या मैं सलमान की बात बीच में रोक सकता हू? मैं भी फिल्मी परिवार से आता हू। सलमान का परिवार मेरा परिवार है। आमिर का परिवार भी मेरा परिवार है।'कार्यक्रम के दौरान तीनों खानों के एक साथ फिल्म में आने को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अगर हम तीनों एक फिल्म में आएं तो यह खुद

में एक सपना सच होने जैसा होगा, जब भी यह होगा।'वहीं, कार्यक्रम में सलमान खान ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आर्यन ने यह वेब शो बनाया और यह काफी अच्छा चला। सलमान ने आगे कहा, 'आर्यन की परवरिश अच्छी हुई है। मैं उसे कैमरे के सामने देखना पसंद करूंगा। जैसा कि मैंने पहले कहा, अगर आर्यन मुझे हरा पाएंगे तो मैं सबसे ज्यादा खुश रहूंगा।'इस दौरान शाहरुख ने भी मस्ती भरे अंदाज में कहा, 'अगर सलमान का भी बेटा होता, तो मैं चाहूंगा कि वह सबसे बड़ा स्टार बने। इस पर हम काम कर रहे हैं।' शाहरुख की इस बात को सुनकर सलमान और आमिर दोनों हंसने लगते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहरुख आखिरी बार डंकी में नजर आए थे। सलमान आगामी फिल्म सिकंदर में नजर आएंगे और आमिर की आखिरी फिल्म सितारे जमीन पर थी। जिसके बाद आमिर ने हंसते हुए कहा, 'अब आप समझ गए कि शाहरुख स्टार क्यों हैं।'

उंगली करना जरूरी है!

››व्यंग्य ››डॉ. सुनील गुलाबसिंग जाधव

यह उन दिनों की बात है, जब सरकार ने अपना सरकारी आदेश निकाला। बब्बन के हाथ में जब वह सरकारी आदेश पढ़ा; जिसे हम प्यार से एवं बड़े ही आदर एवं सम्मान के साथ संबोधित करते है–'जी.आर.'। बब्बन ने एक ही साँस में सारा जी.आर. पढ़ डाला। पढ़ते ही बब्बन चिंतित हो गए। उनके माथे से पसीना छूटने लगा। उनकी ऐसी हालत को देखकर धर्मपत्नी भी चिंतित हो गई। उसने चिंता के स्वर में अपने धर्मपति की चिंता को जानने के स्वर में पूछ ही लिया, 'क्यों जी, क्या हुआ? आप ने वह प्यारा और आदरणीय जी.आर. पढ़ा और चिंतित हो गए। आखिर क्या बात है?'

बब्बन चिंता में इतने मगन थे कि उन्होंने अपनी धर्म पत्नी की चिंतातुर वाणी को सुना ही नहीं। किन्तु धर्मपत्नी अर्थात मिसेज बब्बन के बार-बार एवं ऊँचे आवाज में पूछने के बाद बब्बन अपनी चिंतामग्न स्थिति से बाहर आ गए। और मिसेज बब्बन को चिंता का कारण बताया, 'सुनो, मेरी अर्द्धांगिनी, इसमें जो लिखा है, जब तुम सुनोगी तो तुम भी चिंता में मग्न हो जाओगी। इसमें लिखा है कि यदि तुम्हें अपना वेतन चाहिए तो तुम्हें उँगली करनी ही होगी।' मिसेज बब्बन आश्चर्य चकित हो गई। बब्बन ने अपनी चिंता को मिसेज बब्बन के सम्मुख विस्तार से प्रकट करते हुए कहा, 'अर्द्धांगिनी, क्या तुम यह कल्पना भी कर सकती हो कि मैं उँगली कर सकता हूँ? आज तक मैंने किसी के उंगली नहीं की, कभी किसी की ओर उंगली तक नहीं दिखाई और न ही किसी पर उंगली उठाई। उंगली करने जैसा अपराध मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता।'

बब्बन एक शरीफ सज्जन व्यक्ति थे। उन्होंने सच में ही अपने जीवन में कभी किसी के उंगली नहीं की थी। आज अचानक उंगली करने का सरकारी आदेश पाकर बब्बन परेशान हो गए थे। वास्तव में हमारी संस्कृति उंगली करने को अच्छा नहीं समझती है। हमारी संस्कृति में समाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ नियम बनाए हैं। जिन्हें समाज ने मान्यता प्रदान की है। हम अपनी संस्कृति को छोड़कर गलत संस्कृति का समर्थन कभी भी नहीं कर सकते हैं। उँगली करना वास्तव में एक मुहावरा है। जिसके समकक्ष ह्यखड़ी करनाह्न मुहावरा भी पाया जाता है। जिसका अर्थ अच्छे काम को बिगाड़ना हो सकता है। और हमारी संस्कृति ने हमेशा अच्छे कामों का समर्थन किया है। भला वह काम बिगाड़ने वाले कृत्य को कैसे स्तुत्य ठहरा सकती है। वह हमेशा से ही निंदनीय था और रहेगा। किन्तु आज बब्बन इस बात से परेशान था कि बिना उंगली किए वेतन नहीं मिलेगा। सरकारी आदेश का उल्लंघन भी नहीं कर सकता था। किन्तु वह इस बात से अधिक आहत था कि समाज को जब यह बात पता चलेगी कि बब्बन खुले आम उँगली करता है। यह बात सोच कर ही वह सिहर उठा था।

बब्बन उंगलियों के तर्कशास्त्र और ऐतिहासिक विकास क्रम में खो चुका था। मनुष्य को अच्छा जीवन जीने एवं कर्म करने के लिए प्रत्येक मनुष्य के लिए प्रत्येक धर्म के विधाता ने बिना भेदभाव के सभी धर्मों के मनुष्यों को उंगलियों का समान विधान किया है। मनुष्य को उँगली इसीलिए ही दी है कि वह खुलकर या छिपकर उँगली कर सके। अब यही ले लीजिए कि समाज और राजनीति में उँगली करना सोच समझ कर लिया गया निर्णय हो सकता है। कुछ लोग जान-बूझकर समाज का माहौल खराब कर देते हैं, तो समाज की एकता में सुरंग लगाने के लिए, उसे विभिन्न जातियों में विभाजित कर दिया गया है। और इस विभाजन कि अखंडता बनाएँ रखने हेतु उसी जाति के कुछ असमाज सेवक दिन-रात, साल के

चौबीसों घंटे बड़े ही ईमानदारी से कार्यरत होते हैं। मजाल की इसमें उनसे कोई गलती हो जाए। उनकी यही असेवा देखकर समाज उनके प्रति गद्?गद्? हो जाता है। और उन्हें अपने सिर के सिंहासन पर बैठाकर जय जयकार करता है और मुक्त कंठ से प्रेम रूपी पुष्पों की कोमल वर्षा करता है। ऐसे प्रेम को पाकर असमाज सेवक और भी मजबूती और ईमानदारी से कार्य करने का वचन देकर निभाते भी है। कई बार ऐसे असमाज सेवकों को नेता की उपाधि से सम्मानित कर दिया जाता है। यही असमाज सेवक नेता बन जाने पर या नेता बनने से पहले जाति से ऊपर उठकर कार्य करने का सपना भी देखते हैं और धर्म भेद को अपना सबसे बड़ा माध्यम बना लेते हैं। वास्तव में उन्हें नेता बनने और बने रहने के लिए हमेशा उँगली करनी ही पड़ती है। या यूँ कहें कि उन्हें उँगली करने की इस विद्या को सीखना बहुत जरूरी हो जाता है। जो जितना बड़ा उँगलीबाज होगा वह उतना ही बड़ा नेता बनने कि क्षमता रखता है। यह उसके योग्यता का प्रमाण हो सकता है।

आज ऐसी कोई जाति, समाज, धर्म नहीं है, जिसने उँगली करने को अपनी नई संस्कृति नहीं बनाया हो।

अंधकार में उम्मीद का प्रतीक दिवाली उत्सव है

संध्या राजपुरोहित

अंधकार में छोटा-सा दीप भी उम्मीद का प्रतीक बन जाता है। दिवाली उसी उम्मीद का उत्सव है, जहां प्रकाश, प्रेम और आशा एक साथ जन्म लेते हैं। लेकिन हर साल जब घर-आंगन दीयों से जगमगाते हैं, तो मन यह पूछता है क्या यह उजाला हमारे भीतर भी उतरा है? क्या यह रोशनी हमारे दिलों के अंधेरे को भी मिटा पा रही है?

हमारे चारों ओर कृत्रिम रोशनी की चकाचौंध है, पर भीतर संवेदनाओं का दीप मंद पड़ता जा रहा है। यही वह अंधकार है जिसने इंसान के भीतर की करुणा, दया और अपनापन को ढक लिया है। अब त्यौहार भी उपभोग और प्रदर्शन का प्रतीक बनते जा रहे हैं - जहां दीये बाजार से आते हैं, मिठाई ऑनलाइन आती है, और शुभकामनाएं एक क्लिक में खत्म हो जाती हैं। जो पर्व कभी रिश्तों को जोड़ते थे, अब वे 'सेलह्व और ह्लऑफरह्व के पोस्टरों में खो गए हैं। रोशनी बढ़ी है, पर उसका ताप कम हो गया है।पर क्या इस चमक-दमक के बीच हम अपने भीतर की संवेदनाओं को भी जागृत कर पा रहे हैं? क्या केवल घर और गली ही रोशन हैं, या हमारे रिश्तों और हृदयों में भी वही प्रकाश फैला है?

शहरों की भागदौड़, बढ़ता एकाकीपन, और सोशल मीडिया का आभासी संसार हमें दूसरों से दूर करता जा रहा है। पहले मोहल्ले दुख-सुख में साथ खड़े होते थे, आज वही लोग स्क्रीन के पीछे से 'रिएक्शन' भेजते हैं। हम सुविधाएं बढ़ाते जा रहे हैं, पर संवेदनाएं घटती जा रही हैं। संवेदनाएं अब 'लाइक' और 'इमोजी' में बदल गई हैं। यह बदलाव केवल सामाजिक नहीं, भावनात्मक भी है - और यही हमारी असली चिंता होनी चाहिए। समाजशास्त्र की दृष्टि से देखें तो संवेदनाओं का क्षरण एक गहरी सामाजिक समस्या है। शहरीकरण, एकल परिवार, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी संस्कृति ने व्यक्ति को आत्मकेंद्रित बना दिया है।हर व्यक्ति अब 'मैं' के घेरे में सिमट गया है।ऐसे में 'हम' की अवधारणा धीरे-धीरे विलुप्त हो रही है।

संवेदनाएं कम होने का सबसे बड़ा परिणाम यह है कि समाज में सहानुभूति का स्थान उदासीनता ने ले लिया है। जहां पहले किसी का दुख सामूहिक होता था, वहां अब हर व्यक्ति केवल अपनी सुविधा का हिसाब रखता है। यही कारण है कि अपराध बढ़ रहे हैं, हिंसा और असमानता सामान्य होती जा रही है।

संवेदनाएं ही हमारे समाज की आत्मा हैं। यही हमें इंसान बनाती हैं। जब ये कम होने लगती हैं, तो समाज में दूरी, उदासीनता और अकेलापन बढ़ जाता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम किसी की पीड़ा या अकेलेपन को महसूस करने का समय ही नहीं निकाल पाते। संवेदना - यह शब्द केवल किसी के दुःख में आँसू बहाने की क्रिया नहीं, बल्कि

मानवता का मूल तत्व है।यह वह पुल है जो एक मनुष्य को दूसरे से जोड़ता है।

कभी हमारे समाज की पहचान ही यही थी कि कोई दुखी होता तो पूरा समुदाय उसके साथ खड़ा हो जाता। परंतु आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में यह भाव जैसे धुँधला पड़ गया है। हमने आधुनिकता और तकनीक के नाम पर अपने भीतर के इंसान को खो दिया है। यही कारण है कि अकेलेपन, मानसिक तनाव और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है।

इस बार, जब हम दीया जलाएं, तो उसे केवल घर की देहरी पर न लगाएं, बल्कि अपने दिल के कोने में भी जलाएँ। यह दीया उन लोगों के नाम हो सकता है जिनकी ज़िन्दगी में हम अनजाने में खुशियां भर सकते हैं। उस मजदूर के लिए जो दूसरों के घर सजाते-सजाते अपने घर के अंधेरे में सोता है। उस माँ के लिए जिसने अपने बच्चों की खुशी में अपनी इच्छाएँ भूल गई। उस बुजुर्ग के लिए जो आँगन में अकेला बैठकर पुरानी यादें गिनता है। उस बच्चे के लिए जिसकी हथेलियों में अब भी मेहनत की कालिख है। और उस इंसान के लिए जो अब भी भीड़ में भी दूसरों के दर्द को महसूस कर सकता है।

जब हम किसी का दुःख साझा करते हैं, किसी की मदद करते हैं, किसी अकेले के साथ समय बिताते हैं, तो वही असली दीप होता है। यही वह संवेदना है जो समाज को जोड़ती है और मानवता को जीवित रखती है। छोटे-छोटे कदम जैसे किसी को मुस्कान देना, किसी वृद्धाश्रम में समय बिताना, किसी जरूरतमंद के जीवन में खुशी लाना - ये सभी समाज में वास्तविक रोशनी फैलाने के उपाय हैं ।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि संवेदनाएँ केवल किताबों में सिखाई जाने वाली बातें नहीं हैं,वे जीवन की वह सहजता हैं जो हर बच्चे के भीतर जन्मजात होती हैं।जब हम किसी के दुःख में साथ खड़े होते हैं, किसी की मदद करते हैं, किसी की आँखों में मुस्कान लाते हैं - तभी हम असली दीपक जलाते हैं।

बस आवश्यकता है उन्हें पोषित करने की - घर में, विद्यालय में, समाज में। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र और करुणा का निर्माण होना चाहिए।स्कूलों और परिवारों में यह वातावरण बनाना होगा जहाँ बच्चे ह्लसफलह्व होने से पहले ह्लसंवेदनशीलह्व बनना सीखें।

त्योहारों को केवल उपभोग का नहीं, सेवा का अवसर बनाना होगा। जब हम दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूँढ़ना शुरू करेंगे, तभी यह समाज फिर से उजाला महसूस करेगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल करियर या सफलता नहीं होना चाहिए, बल्कि चरित्र, करुणा और सामाजिक चेतना का निर्माण होना चाहिए। जब हम दूसरों के जीवन में अपनी संवेदनाओं की रोशनी पहुँचाएंगे, तभी समाज वास्तव में उजाले का अनुभव करेगा।

दिवाली का असली अर्थ केवल घर को सजाने और दीप जलाने का नहीं है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि असली उजाला भीतर होना चाहिए। यह वह समय है जब हम अपने भीतर के स्वार्थ, ईर्ष्या और उदासीनता के अंधकार को मिटाकर, दूसरों के जीवन में रोशनी पहुँचाएँ। इस बार दीया जलाते समय एक क्षण रुकें और सोचें - क्या इस रोशनी का कोई असर किसी और के जीवन में भी पड़ा है? क्या किसी के चेहरे पर मुस्कान आई है? अगर हाँ, तो समझिए कि हमारी दीपावली सफल हुई।

सच्ची दिवाली केवल घर और गली की रौशनी नहीं, बल्किदिलों की रोशनीहै। यह वही रोशनी है जो हमें याद दिलाती है कि संवेदनाएँ ही इंसानियत का सबसे बड़ा दीपक हैं। घर का अंधेरा मिटाना आसान है, पर दिलों का अंधेरा मिटाना असली चुनौती है। इस दिवाली, आइए हम केवल अपने घर नहीं, अपने दिलों को भी रोशन करें। इस बार एक दिया उन गुम होती संवेदनाओं के नाम जलाएँ, जो समाज में फिर से उम्मीद, अपनापन और मानवता की लौ जला सके। यही वह दीप है जो हर अंधकार को दूर करेगा और सच्ची रोशनी का प्रतीक बनेगा।

'एक दीप केवल मिट्टी और तेल का नहीं, वह मानवता की लौ है।

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन्स प्रा.लि., रातू, काठीटांड, नियर टिंडर बागीचा,रातू, रांची से मुद्रित और ए-24, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

शहर ›› अपडेट

शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का सफल आयोजन

पाकुड़: स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को सत्र 2025-26 हेतु महत्वपूर्ण द्वितीय शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया एवं मिड टर्म परीक्षा का परिणाम वितरित किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन प्रगति की समीक्षा करना और उनके सर्वांगीण उन्नति के लिए विद्यालय तथा अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करना था। इस संगोष्ठी में वर्ग एल के जी से 12वीं तक के बच्चों के अभिभावक गणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपने-अपने बच्चों के कक्षाध्यपकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की।

शॉर्ट न्यूज

सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन आज

साहिबगंज: 13 वीं सब जूनियर झारखंड राज्य सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 22 से 24 अक्टूबर तक बोकारो में किया जा रहा है। इसमें साहिबगंज जिले की कबड्डी टीम भी भाग लेगी। साहिबगंज जिले की टीम का प्रतिनिधित्व करने बाल खिलाड़ियों का चयन 19 अक्टूबर को साहिबगंज के सिदो-कान्हू स्टेडियम शाम को तीन बजे किया जाएगा। सब जूनियर प्रतियोगिता के लिए होने वाले चयन का ट्रायल मैं भाग लेने वाले प्रतिभागी बच्चों को अपना अपना आधारकार्ड और दो फोटो के साथ झारखंड राज्य का रजिस्ट्रेशन का जेरॉक्स और ओरिजिनल कॉपी लेकर निर्धारित समय पर पहुंचना है। आएंगे इसकी जानकारी साहिबगंज जिला कबड्डी संघ के सचिव वीरेंद्र कुमार और अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू ने दी है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

मॉडर्न पब्लिक स्कूल की एक इकाई में बच्चों ने दिवाली का जश्न मनाया

कोडरमा: झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न किड्स पैराडाइज, मॉडर्न पब्लिक स्कूल के बच्चों ने दिवाली के त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने पूजा-अर्चना के साथ दिवाली के जश्न की शुरूआत की। स्कूल में रंगोली बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। रंगोली डिजाइनों में बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता देखने लायक थी। इस अवसर पर स्कूल की निर्देशिका संगीता शर्मा ने छात्रों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उत्सव आप सभी के जीवन में ढेर सारी खुशियां लाए। वहीं प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए दिवाली के महत्व और त्योहार के पीछे की कहानियों के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों को त्योहारों के महत्व और सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

निरीक्षण › सुव्यवस्थित स्वास्थ्य प्रबंधन और जनसुविधा सुदृढ़ीकरण पर जोर

उपायुक्त ने इचाक में स्वास्थ्य सेवाओं और पंचायत भवन का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को इचाक प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं करियातपुर पंचायत भवन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने दवा भंडार गृह में जाकर दवाओं की उपलब्धता की जांच की तथा स्टॉक पंजी से वास्तविक स्टॉक का मिलान किया। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि दवाओं के ऑनलाइन स्टॉक संधारण को नियमित किया जाए, क्योंकि पिछले दो महीनों से यह प्रक्रिया लंबित पाई गई। इस पर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मी से स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने बच्चों के टीकाकरण, एंटी वेनम और एंटी रेबीज दवाओं की उपलब्धता की स्थिति की जानकारी ली और टीकाकरण मॉनिटरिंग सिस्टम को और मजबूत बनाने का निर्देश दिया।

खांसी से पीड़ित प्रत्येक मरीज की टीबी जांच अनिवार्य रूप से कराने को भी कहा।

नेत्र जांच वार्ड का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने तकनीशियन से जांच की संख्या की जानकारी प्राप्त की और मरीजों से बातचीत कर सुविधा की गुणवत्ता जानी। उन्होंने 15 नवंबर तक मोतियाबिंद जांच हेतु विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। प्रसव कक्ष में उन्होंने नवजात शिशुओं एवं माताओं के वजन की ट्रैकिंग सुनिश्चित करने तथा वेंटीलेटर की कार्य स्थिति की जांच की।

अस्पताल निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने करियातपुर पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि चयनित लाभुकों की सूची दीवार लेखन के माध्यम से अंकित की जाए। वीएलई कक्ष में जन्म प्रमाण पत्र निर्गतीकरण प्रक्रिया की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया।

इचाक में रविंद्र पैलेस का भव्य उद्घाटन, क्षेत्र को मिला आधुनिक आयोजन स्थल

राष्ट्रीय खबर

इचाक : इचाक प्रखंड कार्यालय के समीप शनिवार को रविंद्र पैलेस का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा, झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव एवं झामुमो जिला अध्यक्ष संजू बेदिया उपस्थित थे। तीनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पैलेस का उद्घाटन किया और इसे इचाक क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम संचालक नागेन्द्र प्रसाद प्रजापति, उनकी पत्नी अंशु देवी, माता आशा देवी और दादी यशोदा देवीथी विशेष रूप से उपस्थित थीं। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने परिसर का अवलोकन किया और इसकी सुंदरता तथा सुव्यवस्थित निर्माण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ऐसा आधुनिक भवन सामाजिक, सांस्कृतिक और विवाह समारोहों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। मुख्य अतिथि फागु बेसरा ने कहा कि झारखंड सरकार का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में विकास की नई पहचान बनाना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर और आधुनिक सुविधाएं दोनों मिलेंगी। इस मौके पर मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष रंजीत मेहता, मुखिया अशोक कपरादर, अजीत कुमार बख्शी, विधायक प्रतिनिधि सच्चिदानंद अग्रवाल, रवि शंकर उर्फ भोला, उमेश गुप्ता, आर के मेहता आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

अवैध महुआ शराब पर उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1200 किलो जावा महुआ नष्ट एवं 40 लीटर शराब जब्त

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार हजारीबाग उत्पाद विभाग की टीम ने शनिवार को इचाक थाना क्षेत्र के अलोंजकला ग्राम में अवैध महुआ शराब निर्माण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापामारी में बड़ी मात्रा में अवैध शराब निर्माण सामग्री बरामद हुई।

विभागीय अधिकारियों ने विधिवत तलाशी के क्रम में घटनास्थल से 1200 किलोग्राम जल मिश्रित चुलाई योग्य जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया। साथ ही 40 लीटर तैयार अवैध महुआ शराब को जब्त किया गया। छापामारी के दौरान अवैध शराब निर्माण में लिप्त सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

उत्पाद विभाग द्वारा फरार अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस सफल छापामारी अभियान में अवर निरीक्षक कृष्णा प्रजापति, अवर निरीक्षक भुनेश्वर नायक तथा प्रतिनियुक्त गृहरक्षक दल सक्रिय रूप से शामिल रहे।

उपायुक्त सिंह ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा ऐसे कार्यों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे इस प्रकार की अवैध गतिविधियों की सूचना प्रशासन को दें ताकि समाज में नशामुक्ति और विधि व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

त्योहारों को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन छापेमारी, मिठाइयों के नमूने जांच हेतु भेजे गए

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए हजारीबाग जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर में सघन औचक निरीक्षण अभियान चलाया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो0 मंजर हुसैन के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान फ्रेन्टीयर के विनिर्माण इकाई, सक्षम स्वीट्स, उत्तम स्वीट्स, लालु भाई होटल, प्रभु मिष्ठान भण्डार एवं राज जनरल स्टोर डिपुगढ़ा सहित कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में सक्षम स्वीट्स से बादाम बर्फी तथा लालु भाई होटल से लड्डू का नमूना एकत्र कर जांच हेतु राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम (रांची) भेजा गया है।

निरीक्षण के दौरान टीम ने होटल एवं मिठाई दुकानों में साफ-सफाई की स्थिति की समीक्षा की और संचालकों को परिसर को स्वच्छ रखने, मिलावट रहित खाद्य सामग्री उपयोग करने तथा रसोई में कार्यरत कर्मियों को मास्क, केप एवं एप्रन पहनकर ही कार्य करने का निर्देश दिया।

साथ ही, ठेला और खोमचा संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे मिठाइयों या खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार के प्रतिबंधित रंगों अथवा रसायनों का प्रयोग न करें, अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता दिगंबर कुमार मेहता एवं मुखिया निशु कुमारी ने किया उद्घाटन

बरियठ प्रीमियर लीग का शुभारंभ

राष्ट्रीय खबर

इचाक : इचाक बरियठ प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ शनिवार को बड़े ही उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कांग्रेस नेता दिगंबर कुमार मेहता एवं बरियठ पंचायत की मुखिया श्रीमती निशु कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन मैच हजारीबाग बनाम सूर्यपुरा टीम के बीच खेला गया, जिसमें हजारीबाग की टीम ने 10 ओवर में 105 रन बनाकर लक्ष्य निर्धारित किया। जवाब में सूर्यपुरा की टीम मात्र 51 रन पर सिमट गई। इस प्रकार हजारीबाग की टीम विजेता घोषित हुई।

मुखिया निशु कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लपढ़ाई के साथ खेलकूद भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होता है। खेल से अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। इस अवसर पर समाजसेवी राजबल्लभ मेहता, सुरेश प्रसाद, दिनेश मेहता, गोविंद मेहता, निरंजन मेहता, महेंद्र महात्मा, दिनेश यादव, विकास कुमार, अभिषेक मेहता, तुलसी मेहता, भोलानाथ, हुलास मेहता, विकी कुमार, पिंटू कुमार, अनूप कुमार, अर्जुन कुमार एवं राजू मनीष सहित अनेक स्थानीय युवाओं और खेलप्रेमियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन टूनार्मेंट आयोजन समिति के युवाओं ने किया। पूरे क्षेत्र में इस आयोजन को लेकर उत्साह देखा गया।

जैन पाठशाला ,कोडरमा के बच्चों ने पटाखा रहित दीवाली मनाने का संकल्प लिया

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: श्री दिगम्बर जैन समाज के अंतर्गत चलने वाली श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर जैन प्रामाणिक पाठशाला झुमरी तिलैया के बच्चों ने जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के निर्वाण दिवस पर उनके संदेश अहिंसा परमो धर्म एवं जियो और जीनों दो को अपने जीवन में उतारते हुए इस वर्ष दीपावली पर पटाखे नहीं छोड़ने का संकल्प लिया। पाठशाला के शिक्षिकाओं ने बच्चों को पटाखों से होने वाली जीव हिंसा के बारे में बताया तो पाठशाला के लगभग 40 बच्चों ने संकल्प लिया कि वे इस वर्ष पटाखा रहित दीवाली मनाएंगे। और आगे भी ऐसे ही भावना भाएंगे। उनके इस संकल्प की समाज के सभी लोगों ने बहुत बहुत प्रशंसा की।

समाज के उपमंत्री श्री नरेंद्र जी झांझरी ने भी पाठशाला में संकल्प लेने वाले सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद देते हुए कहां कि बच्चों में शुरू से ही भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपना रहे है। पाठशाला की शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले छोटे छोटे नियम एक दिन बहुत बड़े बन जाएंगे। पाठशाला सभी मार्गनिर्देशिकाओं,सुनीता जैन सेठी,नि. वार्ड पार्षद पिंकी जैन ओर शिक्षिकाओं ने बच्चों को इस कार्य की बहुत अनुमोदना की। इसमें मीडिया प्रभारी नवीन जैन,राज कुमार जैन अजमेरा अहम भूमिका निभा रहे हैं ।।

अवैध ईंट भट्ठों पर जिला प्रशासन की कड़ी कार्रवाई - बड़कागांव क्षेत्र में नौ भट्ठों को हटाने का आदेश,

● उल्लंघन पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

अशोक कुमार शर्मा

राष्ट्रीय खबर, हजारीबाग : हजारीबाग जिला प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाते हुए बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत मौजा गाली, गोन्दलपुरा एवं मोतरा में स्थापित नौ ईंट भट्ठों को हटाने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई जिला खनन कार्यालय, हजारीबाग (पत्रांक संख्या 1263/17.10.2025) द्वारा की गई जांच के उपरांत की गई, जिसमें पाया गया कि संबंधित ईंट चिमनी भट्ठों के पास किसी भी प्रकार के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये सभी भट्ठे गोन्दलपुरा क्षेत्र में संचालित कोयला खनन परियोजना की सीमा के अंतर्गत आते हैं, जहाँ बिना स्वीकृति किसी भी प्रकार की औद्योगिक या खनन गतिविधि पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस स्थिति में इन ईंट भट्ठों का संचालन न केवल अवैध है, बल्कि यह पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन भी है।

खनन विभाग द्वारा जारी नोटिस में भट्ठा संचालकों - पंचम कुमार, रवि कुमार, रोहित कुमार, आसीत चक्रवर्ती, विकास कुमार महतो एवं बिनोद कुमार मेहता (सभी ग्राम गोन्दलपुरा, बड़कागांव निवासी) - को निर्देश दिया गया है कि वे 15 दिनों के भीतर अपने-अपने भट्ठा स्थलों से सभी उपकरण, मशीनें, कच्ची-पक्की ईंटें तथा निर्माण सामग्रियाँ पूरी तरह हटा लें और संचालन बंद करें। जिला खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उक्त आदेश का अनुपालन नहीं किया गया, तो प्रशासनिक बल प्रयोग से अवैध रूप से स्थापित सभी ईंट भट्ठों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। साथ ही, संबंधित भट्ठा संचालकों के विरुद्ध आवश्यकतानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी, जिसमें आर्थिक दंड और मुकदमे की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

कैंपियन बेसिक एकेडमी में दीपावली पर्व पर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय खबर

इचाक : इचाक मानव विकास द्वारा संचालित कैंपियन बेसिक एकेडमी में शनिवार को दीपावली के शुभ अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में छात्रों ने वर्गवार समूह बनाकर रंग-बिरंगी व आकर्षक रंगोलियाँ बनाई। इनमें भारत माता की छवि, ऑपरेशन सिंदूर तथा सांस्कृतिक एकता के प्रतीकात्मक चित्रों का सजीव चित्रण किया गया, जिसने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री जानकी प्रसाद यादव, दर्जा प्राप्त कैबिनेट मंत्री माननीय फागू बेसरा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री संजीव बेदिया, मुखिया अशोक कपारदार, मनोहर राम एवं

अन्य विशिष्ट अतिथि गण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री यादव ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व प्रेम, सद्भावना और एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य और दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर बीरबल प्रसाद ने भी विद्यार्थियों के उत्साह को प्रोत्साहित किया।

कंडसार पंचायत भवन का निरीक्षण: उप विकास आयुक्त ने विकास योजनाओं की प्रगति की ली समीक्षा

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग कटकमसांडी प्रखंड स्थित कंडसार पंचायत भवन में आज उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

श्री अहमद ने लाभुकों से संवाद करते हुए यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सभी योजना लाभार्थियों को उनके हक का अधिकतम लाभ प्राप्त हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश

दिए कि योजना कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए और कामकाज में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनी रहे।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने मनरेगा योजना का स्थल निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने मजदूरों के कार्य और परियोजना के क्रियान्वयन की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया।

बैठक › अध्यक्षता श्रीकांत निराला ने की, संचालन दीपक दास ने किया

हरली महापंचायत की सफलता को लेकर कोयरी मुहल्ला बादम में तैयारी बैठक आयोजित

अशोक कुमार शर्मा

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग जिले बड़कागांव एनटीपीसी अदानी जेएसडब्ल्यू बीजीआर जैसे विभिन्न कंपनियों के विरुद्ध आगामी 7 नवम्बर को हरली में प्रस्तावित महापंचायत को सफल बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कोयरी मुहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों, सामाजिक कार्यकताओं, पंचायत प्रतिनिधियों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया श्रीकांत निराला ने की जबकि संचालन पूर्व मुखिया

दीपक दास ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक रूप से महापंचायत के उद्देश्यों, उसकी रूपरेखा और सफलता सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा से हुई। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह महापंचायत सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एकता, जनजागरण और जनहित के मुद्दों पर सामूहिक आवाज उठाने का एक ऐतिहासिक अवसर है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि महापंचायत को सफल बनाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है, ताकि क्षेत्र की समस्याओं, विस्थापन, रोजगार, पर्यावरण और जनाधिकार से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जा सके।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोजन को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के लिए गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही पोस्टर-बैनर लगाने, प्रचार वाहन निकालने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने की योजना भी बनाई गई।

बैठक में प्रचार, स्वागत, व्यवस्था, यातायात, जलपान एवं सुरक्षा समितियों का गठन किया गया, जिन्हें आयोजन से संबंधित विभिन्न दायित्व सौंपे गए। सभी उपस्थित सदस्यों ने एकमत से यह संकल्प लिया कि महापंचायत को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

दीपावली के अवसर पर लोयोला विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्रीय खबर

चरही : चरही लोयोला विद्यालय में शनिवार को दीपावली के शुभ अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन चार प्रमुख हाउस-पीस हाउस, मर्सी हाउस, फेथ हाउस एवं जॉय हाउस-के मध्य किया गया। प्रत्येक हाउस ने अलग-अलग थीम और संदेश के साथ रंगोली प्रस्तुत की। प्रतियोगिता के प्रमुख विषय रहे-बेटी बचाओ, पर्यावरण संरक्षण, ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय जवान। मर्सी हाउस ने ऑपरेशन सिंदूर थीम अपनाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और मेडल व ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता के दौरान मर्सी हाउस के बच्चों द्वारा दिए गए भाषण में मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और समर्पण पर जोर दिया गया।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड, पकरी बरवाडीह में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दिवाली मिलन समारोह

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड, पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट द्वारा सिकरी टाउनशिप के खेल मैदान में दिवाली मिलन समारोह उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, सीआईएसएफ कर्मियों तथा अन्य हितधारकों ने एक साथ मिलकर दीपों की रोशनी, हंसी-खुशी और सांस्कृतिक रंगों से सजी शाम का आनंद लिया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश उपस्थित रहे, जिनके साथ श्रीमती अनीता दाश, अध्यक्षा जागृति महिला संघ तथा एनटीपीसी कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स, हजारीबाग के अन्य परियोजना प्रमुख भी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के सामूहिक गायन से हुई। इसके उपरांत संगीत जगत के उभरते कलाकार श्री कुमार सत्यम ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण गजल प्रस्तुति से वातावरण को सुरमय बना दिया। उनकी मनमोहक आवाज ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का समापन रंग-बिरंगी आतिशबाजी एवं सामूहिक उत्सवभोज के साथ हुआ, जिसने दीपावली के आनंद, एकता और उल्लास की भावना को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया। यह आयोजन कर्मचारियों एवं स्थानीय समुदाय के बीच सौहार्द, सांस्कृतिक समरसता और आपसी एकजुटता का सुंदर उदाहरण बना।

शहर >> अपडेट

कोडरमा जिला महिला क्रिकेट टूनार्मेंट आज से

राष्ट्रीय खबर
कोडरमा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जाने वाले कोडरमा जिला महिला क्रिकेट टूनार्मेंट की शुरूआत 18 अक्टूबर दिन शनिवार से इंदरवा पंचायत क्रिकेट ग्राउंड में सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। पहला मैच कोडरमा क्वीन और पिंक पैंथर के बीच खेला जायेगा किडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश सिंह ने बताया कि पहली बार कोडरमा में महिला क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन हो रहा है, जिसमें शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी क्रिकेट खेलने वाली लड़कियां शामिल हो रही है।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

बीडीओ ने लोगों को दिया संदेश स्वदेशी अपनाएं विदेशी भगाएं

राष्ट्रीय खबर
महेशपुर (पाकुड़): दीपावली पर्व को देखते हुए विदेशी झालरों को बाय-बाय और मिट्टी के स्वदेशी बर्तन एवं दिये को अपनाने को लेकर बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव एवं बीपीआरओ प्रसनजीत मंडल ने प्रखंड के विभिन्न गांव पहुंचकर कुम्हारों को उत्साहित किया। बीडीओ ने सभी लोगों से अपील किया कि विदेशी सामानों का बहिष्कार करते हुए स्वदेशी दिये अपनाए। उन्होंने लोगों से अपील किया कि देश में निर्मित उत्पादों को अपनाएं। यदि भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है तो सभी को स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देनी होगी और विदेशी कंपनियों की निर्भरता से बाहर निकलना होगा। बीडीओ ने स्थानीय व्यापार को समर्थन देने की अपील की, ताकि देश का पैसा देश में ही रहे और देश की प्रगति में योगदान मिल सके। उन्होंने सभी से अपील किया कि कुम्हारों के पास दिया खरीदें।

छह साल से फेसबुक के जरिये अरविंद और नेहा की थी दोस्ती, कोडरमा में हुई शादी

कोडरमा। कहते है कि प्यार किसी सरहद या दूरी का मोहताज नहीं होता। इसका उदाहरण कोडरमा में देखने को मिला जब छह साल से फेसबुक के जरिये दोस्त बने अरविंद और नेहा ने एक दूसरे के साथ जीने मरने की बात कह शादी कर ली। बताया गया कि पलामू निवासी अरविंद कुमार व कोडरमा जिले के डीवीसी कांटी डैम की नेहा कुमारी दोनों ने शुक्रवार को ध्वजाधारी परिसर में सात फेरे लिए और एक-दूजे के हो गए। जानकारी के अनुसार, दोनों की पहली मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी। ऑनलाइन शुरू हुई दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और करीब छह साल के लव अफेयर के बाद आज दोनों ने शादी के बंधन में बंधकर अपने रिश्ते को नया मुकाम दिया। शादी समारोह में परिजनों और दोस्तों ने उपस्थित होकर आशीर्वाद दिया।

नमन > लगातार 9वें वर्ष हजारीबाग में निर्वहन हुई परंपरा

शहीदों के सम्मान में आस्था के साथ प्रज्वलित हुआ आपका एक दीया शहीदों के नाम

राष्ट्रीय खबर
हजारीबाग: दीपावली पूर्व गुरुवार की शाम को स्थानीय परिसदन के समक्ष अवस्थित शहीद स्मारक स्थल में लगातार 9वें वर्ष हर्षोल्लास के साथ ₹आपका एक दिया शहीदों के नाम₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम से पूर्व यहां प्रति वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष भी पहले लगातार दो दिनों तक पूरे स्मारक स्थल को साफ- सफाई कर स्वच्छ बनाया गया, तत्पश्चात शाम ढलते ही हजारों दीयों की दीपमालाओं से इसे रौशन किया गया और शहीदों की शहादत को याद किया गया। आस्था के साथ शहीदों की याद में जब एक साथ हजारों दीये जगमगाए तो चहुंओर शौर्य और उजास छा गया। दीपों से प्रस्फुटित होती रोशनी प्रत्येक चेहरे पर गर्व की अनुभूति करा रही थी। सभी के दिलों में शहीदों के प्रति अपार सम्मान व कृतज्ञता का भाव झलक रहा था। शहीद स्मारक परिसर को उनकी यादों में रोशन किया गया, जिनके बलिदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता ।

शहीद परिवारों का हुआ सम्मान, बरही विधायक, सदर एसडीपीओ सहित कई गणमान्य हुए शामिल

मौके पर विशेषरुप से शहीद सुभाष सौरव बारला की मां पूनम बारला, शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी के पिता अजिंदर सिंह बक्शी और शहीद संदीप पाल के पिता जयनंदन कुमार पाल और भाई मनीष पाल सहित बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव, सदर एसडीपीओ अमित आनंद (आईपीएस), समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा, सांसद सुपुत्र करण जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी बटेश्वर प्रसाद मेहता, यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन, भैया अभिमन्यु प्रसाद, आनंद देव, मैंगो मेन मनोज गुप्ता, केपी ओझा, सुदेश चंद्रवंशी, दिनेश सिंह राठौड़, हरीश श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा, अर्जुन साव, मुनींद्र शर्मा, सत्येंद्र नारायण सिंह, खोखा सिंह, जुगनू सिंह, रवि भूषण सिन्हा सहित कई अन्य गणमान्य लोग और हजारीबाग के हर उम्र के लोग उपस्थित हुए और आयोजकों का हौसलाअफजाई किया। शहीदों के परिजनों ने खुद शहीद स्मारक पर घी के दिए जलाएं और दीपावली पूर्व संध्या अपने-अपने घरों में एक दिया शहीदों के नाम जलाने का अपील की।

खुशियों से सराबोर रहा उत्कृष्ट विद्यालय का तिथि भोज

राष्ट्रीय खबर
पाकुड़: मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, पाकुड़ राज+2 का परिसर में 'बैगलेस डे' के अवसर पर एक भव्य 'तिथि भोज' का आयोजन किया गया जो बच्चों के लिए मनोरंजन, पारंपरिक खेलों और सामूहिक जन्मोत्सव का एक अनूठा संगम था। उपायुक्त मनीष कुमार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना था। सुबह से ही बच्चों में बैगलेस डे को लेकर खास उत्साह देखने को मिला।
कार्यक्रम की शुरूआत में बच्चों के लिए एक मनोरंजक मूवी का प्रदर्शन किया गया, जिसने उन्हें खूब हंसाया और शिक्षाप्रद संदेश भी दिया। इसके बाद, परिसर में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। खो-खो, गिल्ली-डंडा, पिटटो जैसे झारखंड के लोकप्रिय पारंपरिक खेलों से प्रेरित गतिविधियों में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित इन खेलों ने न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा दिया, बल्कि पारंपरिक मूल्यों को भी जीवंत रखा।
कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अक्टूबर महीने में जन्म लेने वाले विद्यार्थियों का सामूहिक जन्मोत्सव रहा। एक बड़ा केक काटकर सभी बच्चों ने मिलकर जन्मदिन मनाया। इस दौरान, पूरे महीने में जन्मे विद्यार्थियों को चॉकलेट और विशेष उपहार दिए गए।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

वनकर्मी ने विशाल करैत सांप का रेस्क्यू करते हुए पकड़ लिया

राष्ट्रीय खबर
महेशपुर (पाकुड़): प्रखंड के चांदपुर गांव के रकीबुल शेख के घर से वनकर्मी अशराफुल शेख ने विशाल करैत सांप का रेस्क्यू करते हुए पकड़ लिया। सांप गुरुवार रात को ही रकीबुल शेख के घर में घुसा हुआ था। रात हो जाने के कारण सांप सीढ़ी के नीचे छिप गया था। उसे समय वन कर्मी ने सांप को नहीं पकड़ पाया। शुक्रवार को दोबारा हुआ उस जगह से निकल रहा था। इसी दौरान परिवार के अन्य स्वजनों ने सांप को देख लिया। इसके बाद फिर से अशराफुल को इसकी सूचना दी गई। अशराफुल शेख ने कड़ी मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया। वनकर्मी ने बताया कि रेस्क्यू किया गया सांप दो फीट का है और उसकी उम्र लगभग तीन साल से ज्यादा है। बताया कि बारिश के दौरान मिट्टी गीला होने

के कारण सांप सूखे जगह की तलाश में रहते हैं। बताया कि यह सांप काफी जहरीला होता है। इंसान को अगर काट ले तो पता भी नहीं चलता है। यह सांप काटने से कटे हुए जगह पर ना तो सूजन होता है और ना ही जलन होता है। अगर नींद में किसी भी इंसान को यह सांप काट ले तो उसकी मौत निश्चित है। परंतु यह सांप के काटने के आधे घंटे बाद ही उल्टी एवं पेट के निचले हिस्से में दर्द शुरू हो जाता है। सांप के काटने का एकमात्र उपाय समय पर इलाज है।

असाधारण उपलब्धि! पाकुड़ ने फिर रचा इतिहास! पाकुड़ के उपायुक्त को राष्ट्रीय सम्मान!

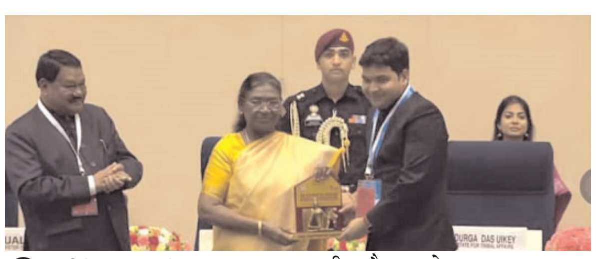

● हार्दिक बधाई !

राष्ट्रीय खबर
पाकुड़: आज 17 अक्टूबर 2025 पाकुड़ जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है! हमारे अपने उपायुक्त महोदय को जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'आदिकर्मयोगी अभियान' नेशनल कॉन्क्लेव में माननीय राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' होने का प्रतीक है। यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि पाकुड़ की कर्मठ टीम, समर्पित अधिकारियों और सबसे बढ़कर, हमारे जनजातीय बंधुओं के समावेशी विकास के लिए किए गए निस्वार्थ प्रयासों का राष्ट्रीय मंच पर मिला प्रमाण है। यह सम्मान साबित करता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ संकल्प और नवाचार से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। यह उपलब्धि जिले के हर नागरिक के लिए गर्व का विषय है।

नशा को ना कहना ही हमारी शान हो: विंध्यवासिनी सिन्हा

राष्ट्रीय खबर
संत कोलंबा महाविद्यालय, हजारीबाग में राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई झ्एक के द्वारा मादक द्रव्य निरोधक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला थाना के थाना इंचार्ज विंध्यवासिनी सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कोर्रा थाना के थाना इंचार्ज अजीत कुमार एवं ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनूप प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं एन0 एस0 एस0 के लक्ष्य गीत के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विंध्यवासिनी सिन्हा ने कहा कि नशा को ना कहना ही हमारी शान होनी चाहिए। आज के युवा वर्ग को भी संयमित होकर रहना है तभी हम देश एवं समाज का मानव संसाधन बन सकते हैं। थाना इंचार्ज कोर्रा ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा

कि हम सभी जब तक संयमित रहेंगे उस झील की भांति दिखेंगे जो प्रकृति के मनोरम दृश्यों से भरपूर होता है परंतु हमारा संयम का टूटना देश और समाज की तबाही का कारण बन सकता है। पुलिस की इस मुहिम में आप सहयोग करें पुलिस आपके साथ मदद के लिए सदैव तत्पर है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने युवाओं को ट्रैफिक के नियमों के पालन हेतु अनुरोध किया हम सभी को प्रकृति का विधान एवं देश के संविधान को मानकर चलना चाहिए तभी सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन प्राचार्य डॉ0 विमल रेवन, धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 जे0आर0 दास तथा मंच का संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ0 देवेंद्र प्रसाद ने किया । इस अवसर पर एन0सी0सी0 के डॉ 0 शत्रुघ्न पांडेय के द्वारा नशा मुक्ति पर एक वीडियो क्लिप भी दिखाया गया । इस अवसर विशेष पर डॉ0 भुवनेश्वर महतो, डॉ0 राजकुमार चौबे, डॉ0 मनोज राय, डॉ0 बालेश्वर यादव, अनिल कुमार गुप्ता तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में एनएसएस के स्वयंसेवकों एवं बीसीए विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दीपावली पर्व के मध्य नजर ज्वेलरी दुकनों एवं होटल का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर
महेशपुर (पाकुड़): दीपावली पर्व को देखते हुए शुक्रवार को बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव, सीओ संजय कुमार सिन्हा ने प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न ज्वेलरी दुकान, ठहरने का होटल, सीसीटीवी कैमरा समेत अन्य दुकानों का निरीक्षण किया। बीडीओ ने संबंधित सभी दुकानों में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया। ज्वेलरी दुकानदारों को निर्देश दिया कि कोई भी अनजान एवं संदिग्ध व्यक्ति अगर दुकान में प्रवेश करें तो इसकी सूचना अभिलंब प्रशासन को दे। दुकानदारों को अपनी दुकान के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान ठहरने वाले होटल संचालकों को निर्देश दिया है। कोई भी अंजान एवं संदिग्ध व्यक्ति को होटल में ठहरने नहीं दे। जो भी व्यक्ति होटल में ठहरे उन लोगों के संबंधित आवश्यक कागजातों का अच्छा से जांच करें। निरीक्षण के दौरान बीपीआरओ प्रसनजीत मंडल, अंचल निरीक्षक उपेंद्र यादव के अलावे अन्य मौजूद थे।

एक किलो अफीम के साथ बालूमाथ पुलिस ने दो तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राष्ट्रीय खबर
बालूमाथ : बालूमाथ पुलिस ने नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार की देर शाम बालूमाथ जोगियाडीह मोड़ के समीप दो तस्करों को एक किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में बालूमाथ एसडीपीओ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बतलाया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अफीम तस्करी को लेकर बालूमाथ से चंदवा की ओर जाने वाले है जिसको लेकर एक छापेमारी टीम का गठन किया गया और बालूमाथ जोगियाडीह मोड़ के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें वाहन चेकिंग के दौरान एक पैसन प्रो मोटरसाइकिल जिसका रजिस्टेशन नंबर जेएच01ऊइ-4500 पर सवार

दो लोगों के पास से तलासी के कर्म में घुटने के नीचे से इन्क्लेट में छिपाकर रखे दो पैकेट अफीम (गादा) जिसका वजन करीब एक किलो को बरामद किया गया।गिरफ्तार लोगो मे राजेश कुमार साव 40 वर्ष पिता नेमधारी साव ग्राम टोटी हेसला, थाना बारियातु जिला लातेहार एवं जितेंद्र कुमार 22 वर्ष, पिता रामेश्वर साव ग्राम पेटो, थाना केरेडारी, जिला हजारीबाग निवाशी सामिल है वही गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 1.066 किलो अफीम, एक जोड़ा इन्क्लेट, एक पैसन प्रो मोटरसाईकिल,दो एंड्राइड फोन बरामद हुआ है।इस छापेमारी दल में बालूमाथ एसडीपीओ बिनोद रवानी, सर्किल इंस्पेक्टर परमानंद बिरुवा, थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार, पु0अ0नि अमित कुमार रविदास, मुरपा पिकेट प्रभारी होसेन डांग, मकैया टांड पिकेट प्रभारी रामजी ठाकुर समेत कई शामिल थे।

विद्यालय में रंगोली, मेहंदी एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय खबर
पाकुड़: विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बलिहारपुर में आयोजित रंगोली , मेहंदी, थाली सज्जा एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भैया- बहनों ने भाग लिया और अपने कला का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में मेहंदी प्रतियोगिता में किशोर वर्ग में बहन अमृता कुमारी प्रथम स्थान, बहन संध्या कुमारी द्वितीय एवं बहन निशा कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त कि पूजा थाली सज्जा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बहन मधु कुमारी, द्वितीय बहन पूर्णिमा घोष एवं तृतीय स्थान बहन वैभवी तिवारी प्राप्त की। चित्रकला प्रतियोगिता में किशोर वर्ग में प्रथम स्थान भैया आदित्य कुमार सिंह, द्वितीय स्थान भैया रोनी दास , बाल वर्ग में बहन श्रीतोमा मंडल, द्वितीय स्थान सृष्टि गोस्वामी एवं तृतीय

स्थान वैभव रजक प्राप्त किया, शिशु वर्ग में प्रथम स्थान भैया आयुष कुमार, द्वितीय स्थान हर्षित राज, तृतीय स्थान भैया शिवम् कुमार प्राप्त किए । चित्रकला प्रतियोगिता में शिशु वर्ग में प्रथम स्थान भैया राजदीप मंडल ने प्राप्त किया । रंगोली प्रतियोगिता में बाल वर्ग में प्रथम स्थान बहन जयश्री सरकार एवं अदिति कुमारी , द्वितीय स्थान बहन मौरी दास एवं ऋषिता दास, तृतीय स्थान बहन अनन्या कुमारी और चाहत कुमारी, शिशु वर्ग में प्रथम स्थान बहन श्री मंडल और कृतिका कर्मकार को मिला।

आत्मनिर्भर भारत पर विधानसभा सम्मेलन का आयोजन

राष्ट्रीय खबर
झुमरीतिलैया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आत्मनिर्भर भारत विषय पर विधानसभा सम्मेलन का आयोजन झुमरीतिलैया स्थित रॉयल हॉल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव ने किया।
मुख्य अतिथि हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज हर नागरिक को ह्लस्वदेशी अपनाओ, देश को आत्मनिर्भर बनाओह्व का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक पहल नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक सशक्तिकरण का अभियान है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा ने कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता का आधार गांव, किसान और युवा हैं। जब ये तीनों वर्ग सशक्त होंगे तभी देश सशक्त होगा।और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प पूरा होगा ।
कार्यक्रम में हरीश श्रीवास्तव,रमेश सिंह, नीतीश चन्द्रवंशी ने भी अपने विचार रखे ।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के द्वारा घर घर स्वदेशी हर घर स्वदेशी का संकल्प दिलाया गया और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामन्त्री शिवेंद्र नारायण ने किया ।

त्योहार >

धनतेरस, जानिए पूजा का शुभ मुहूर्त, लाभ हानि

राष्ट्रीय खबर
पाकुड़: धनतेरस को लेकर जिले भर के सभी प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र के भी दुकानें पूरी तरह से सज गई है। लोक लुभावना वादे और ऑफर के साथ बाजार में दिन-रात प्रचार प्रसार जारी है। जहां सोने चांदी पर 10 से 20% की छूट दी जा रही है। वहीं फर्नीचर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, कूलर पंखा फ्रिज, पंखा ,एसी मैं भी गिफ्ट एवं विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं।
दीपावली का प्रथम चरण है धनतेरस के साथ सनातन धर्म में पांच दिवसीय शुभ दीपावली का धनतेरस प्रारंभिक चरण है। धनतेरस का अपना विशिष्ट महत्व है । शास्त्रों के अनुसार आयुर्वेदिक उपचार पद्धति के देवता भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर अवतरित हुए थे । यही वजह है कि धनतेरस को धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि

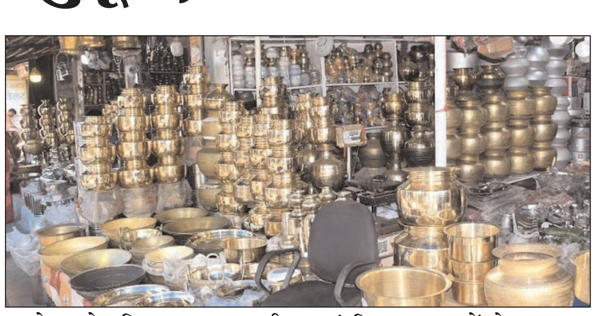

धनतेरस के दिन धन-धान्य की देवी लक्ष्मी की पूजा अर्चना करने से घर परिवार में सदैव धन वैभव सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। माता लक्ष्मी के साथ धन के देवता कुबेर जी का पूजन का विधान है।
धनतेरस की शुभ तिथि एवं मुहूर्त: शनिवार 28 अक्टूबर को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जा रहा है, जो दिन के दोपहर 12:18 बजे से शुरू होगी और 19 अक्टूबर को दोपहर 1:00 संपन्न होगी । जिसका शुभ मुहूर्त है शाम 7:16 से 8:20 तक। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन लोग सोना चांदी बर्तन आभूषण नई संपति आदि की खरीदारी करते हैं।
नहीं बन रहे हैं शुभ नक्षत्र: पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्षी त्रवासी तिथि धन स्वास्थ्य और स्थिर समृद्धि से जुड़ी होती है लेकिन 2025 में न तो रोहिणी और ना ही पुष्य जैसे शुभ नक्षत्र का योग बन रहा है। बल्कि रेवती नक्षत्र का योग बना है। ऐसे में वाहन या लोहे से बनी वस्तु या यात्रा करना अति शुभ नहीं माना जा सकता है।

अबुआ आरोग्य मेले के पांचवे दिन 294 लोग पहुंचे

राष्ट्रीय खबर
मरकच्चो: प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे 13 अक्टूबर से लगाए अबुआ आरोग्य मेले के पांचवे दिन शुक्रवार को भी काफी संख्या मे ग्रामीण शिविर मे पंहुचे और स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ लिया। इस दौरान डीडीसी रवि जैन भी मेला पंहुचे तथा शिविर मे लगाए गए सभी स्टालो का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ बीडीओ हुलास महतो भी मौजूद थे।
अबुआ आरोग्य मेला मे शुक्रवार को दंत रोग विशेषज्ञ डा. नीलमनी कुमार के द्वारा लोगों का इलाज किया गया। शिविर के पांचवे दिन 294 लोग शिविर मे पंहुच कर स्वास्थ सेवा का लाभ लिया इसके अलावे दो दर्जन लोगों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। प्रखंड चिकत्सा पदाधिकारी डा. मोनिका मिश्रा ने बताया कि अबुआ आरोग्य मेला के अंतिम दिन 18 अक्टूबर को हड्डी रोग व फिजियोथेरेपी के लिए डा. सुनिस कुमार व मनोज कुमार मौजूद रहेंगे।

कालीपूजा में अनेक मान्यताएं हैं, भारत उत्सव का देश है: सुनील कुमार दे

राष्ट्रीय खबर
भारत उत्सव का देश है।कुछ उत्सव धार्मिक है कुछ लोक उत्सव है।उत्सव जीवन को

गतिशील बनाता है, भक्ति,प्यार,प्रीति, भाईचारा और एकता को बढ़ावा देता है।उत्सव केवल मनोरंजन का साधन नहीं है।कहा जाता है, हिन्दू धर्म में बारो महीने में तेरह पार्वण है।दुगार्पूजा के बाद लक्ष्मी पूजा, उसके बाद काली पूजा मनाया जाता है।काली दुर्गा का ही एक रूप है।काली पूजा में अनेक मान्यताएं है।प्रत्येक उत्सव,पूजा और पर्व के पीछे लोक कथा,कहानी और मान्यताएं है।कार्तिक अमावस्या के दिन माँ दुर्गा ने महिषासुर के सेनापति रक्तविज को वध करने के लिए काली रूप धारण की थी और उनका लहू पी थी।क्योंकि उनका लहू जहाँ गिरते थे वहां हजारों रक्तविज जन्म लेते थे।काली आदि शक्ति दुर्गा का सबसे उग्र रूप है।इसलिए माँ काली को प्रसन्न करने के लिए कार्तिक अमावस्या के रात में काली पूजा की जाती है।अमावस्या के रात में दीपावली पर्व भी मनाया जाता है।मान्यता है कि उसी दिन भगवान राम, रावण को वध करके सीता माता को उद्द्यार कर के अयोध्या लौट आये थे।उनके स्वागत में नगर को सजाया गया था और दीपावली उत्सव मनाया गया था।उसी रात में अनेक लोग लक्ष्मी और अलक्ष्मी की भी पूजा भी करते हैं।गांव में उसी दिन रात को मादर लेकर गौ माता को जगाया जाता है।दीपावली के दूसरे दिन को बादना पर्व कहा जाता है।उसी दिन को गौ माताओं की पूजा की जाती है, खिलाया पिलाया जाता है, शरीर मे छाप देकर सजाया जाता है।मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण उसदिन गौ माताएं को देखने आते हैं।उसी दिन कुछ लोग गिरि गवर्धन अर्थात श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं।उसी दिन भगवान श्रीकृष्ण के साथ देवराज इंद्र की युद्ध हुई थी और इंद्र हारे थे।

आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का लौटाया सामान

राष्ट्रीय खबर
झुमरीतिलैया। आरपीएफ कोडरमा ने शुक्रवार को ऑपरेशन अमानत के तहत ट्रेन में यात्री का छुटा हुआ बैग ट्रेन से बरामद कर उसे वापस लौटाया। जानकारी के अनुसार रेल मदद शिकायत के अनुपालन में शिकायतकर्ता ऋषभ कुमार, पिता सत्येंद्र कुमार शुक्ला, निवासी विजयनगर, बेंगलुरु स्थाई पता टेकरी (गया) ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ गाड़ी संख्या 13152 जम्मूतवी सियालदह एक्सप्रेस के कोच संख्या ए/1 बर्थ संख्या 42/44 पर लखनऊ से गया जंक्शन तक यात्रा कर रहे थे। गाड़ी गया पहुंचने पर जल्दबाजी में उतर गया तथा उनका एक पिट्ठू बैग ट्रेन में ही छूट गया। प्राप्त सूचना पर निरीक्षक प्रभारी कोडरमा के

निर्देशन में त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पीएफ नंबर दो पर समय 07.09 बजे आगमन उपरांत कैंपिंग ड्यूटी में तैनात आरक्षी रामाश्रय कुमार एवं सुजीत कुमार के द्वारा अटेंड कर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चिन्हित कर उक्त बैग को बरामद कर शिकायतकर्ता को अवगत कराते हुए सुरक्षित रखा गया। जिसमें लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, चांदी के कंगन, पैसे इत्यादि थे।

शहर >> अपडेट

नकली पिस्टल लेकर डरा रहा था युवक, पुलिस लेकर पहुंची थाना

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा। तिलैया थाना अंतर्गत स्मार्ट बाजार के समीप शुक्रवार की दोपहर लगभग 12:30 बजे अफरा तफरी का माहौल बन गया। फिल्मी स्टाइल में एक युवक अपनी कमर में पिस्टल टांगे लोगों को धमका रहा था। लोग उसकी कमर में पिस्टल देखकर डर भी रहे थे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तुरंत तिलैया पुलिस को दी। पुलिस के दो पैंथर जवान धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं अनिल कुमार यादव मौके पर पहुंचे और उक्त युवक को पड़कर थाने ले आए। उक्त युवक की पहचान गुमो निवासी संजय विश्वकर्मा (पिता रामबालक विश्वकर्मा) के रूप में हुई है।

शॉर्ट न्यूज

केटीपीएस फेज-II में टीजी रफ राफ्ट कास्टिंग का शुभारंभ

राष्ट्रीय खबर

जयनगर। प्रखंड में यूनिट संख्या-3, डीवीसी केटीपीएस फेज-कक की टर्बाइन जेनरेटर रफ राफ्ट कास्टिंग गतिविधि का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाज से भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर उपस्थिति रहे। उनके साथ महा प्रबंधक फेज 2 मानस नस्कर, एस. एम. चट्टोपाध्याय, परियोजना निदेशक अमन ज्योति, महाप्रबंधक अजय कुमार, उपमहाप्रबंधक धीरज कुमार विश्वकर्मा, अरुण दत्ता, आलोक कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

कोडरमा में चोरी का प्रयास, महिला के जाग जाने के कारण भागे अपराधी

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा। कोडरमा थाना के जलवाबाद में बीती रात एक मकान में चोरी का असफल प्रयास किया गया। मामले की जानकारी देते हुए मकान मालकिन अंजू देवी ने बताया कि बीती रात वे खाना खाकर अपने कमरे में सोने चली गई थीं। रात के करीब ढाई बजे कुछ आवाज होने पर उनकी नींद अचानक से खुल गई। इस दौरान उन्हें कुछ टूटने जैसा सुनाई दिया। जिसपर वे उठीं और कमरे का बल्ब जलाते हुए दूसरे कमरे में जाने लगीं। इसी दौरान उनके कमरे से चार की संख्या में अज्ञात लोग निकलते दिखाई दिए और इन्हें देखकर भागने लगे। जिसके बाद ये भी उनके पीछे कुछ दूर तक भागीं, हालांकि चोर उन्हें चकमा देकर भागने में सफल रहे। इसके पश्चात वे घर पहुंची और उक्त कमरे में जाकर देखा तो पाया कि कमरे में रखा उनके बक्से का ताला टूटा हुआ था।

सफलता > शराब माफिया के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कंटेनर से 413 कार्टन अवैध शराब बरामद, चालक व खलासी गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

लोहरदगा: पुलिस ने शराब माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है।शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेस वार्ता की गई जिसमें पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेटा, पु.अ.नी मनोज कुमार,कुडू थाना प्रभारी,पु.अ.नी हेमंत कुमार उपस्थित हुए। शुक्रवार को लोहरदगा पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिजवी ने प्रेस वार्ता में कर बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक बंद कंटेनर ट्रक संख्या बीआर 01जिएल-7659 में अवैध अंग्रेजी शराब लोड कर चंदवा के रास्ते कुडू थाना क्षेत्र से गुजरने वाला है।

सूचना के आधार पर कुडू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए गश्ती दल को सतर्क किया एवं कुडू बस स्टैंड के सामीप सेतु गैरेज के समीप वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान गुरुवार की शाम करीब 6 बजे एक संदिग्ध कंटेनर को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में कंटेनर के भीतर लकड़ी की पेटियों में छिपाकर रखी गई। सीग्राम्स इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की की बड़ी खेप बरामद की गई। इसमें 750 मिली की 172 पेटियों में 2064 बोतलें, 375 मिली की 96 पेटियों में 2304 बोतलें, 180 मिली की 145 पेटियों में 6960 बोतलें शामिल हैं। कुल 11,328 बोतलों लगभग 3664.8 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। साथ ही चालक हरियाणा के फरीदाबाद निवासी अनिल पिता बरन सिंह और खलासी ब्रिजेश कुमार पिता सत्य प्रकाश के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि अमित कसाना नामक व्यक्ति ने उन्हें यह शराब बल्लभगढ़ सब्जी मंडी से रांची पहुंचाने का निर्देश दिया था। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 108/25, धारा 317(5)/292/3(5) भारतीय न्याय संहिता एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस इस पूरे गिरोह के मुख्य सरगना और सप्लाई चैन का पता लगाने में जुट गई है। कुडू पुलिस कि इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय शराब माफिया नेटवर्क को तगड़ा झटका लगा है। इस कार्रवाई को जिले में चल रहे अवैध शराब कारोबार पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रहा है। छापामारी टीम में पु.अ.नी मनोज कुमार,कुडू थाना प्रभारी,पु.अ.नी हेमंत कुमार हवलदार जलेश्वर सहार, आ./29 वैभव नारायण मिर्धा दोनों रिजर्व गार्ड कुडू थाना शामिल थे।

ग्रामीण डाक जीवन बीमा के उपलब्धि को लेकर चतरा मुख्य डाकघर मे समारोह का आयोजन

● चतरा डाक घर से एक करोड़ पांच लाख रुपए का प्रियमम राशि जमा किया गया है

राष्ट्रीय खबर

चतरा। मुख्य डाकघर कार्यालय में ग्रामीण डाक जीवन बीमा की उपलब्धि को लेकर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में डाक अधीक्षक हजारीबाग प्रमंडल आशुतोष कुमार सिन्हा,सहायक डाक अधीक्षक विश्वजीत कुमार घोष ,शिकायत निरीक्षक समीर कुमार, चतरा डाक निरीक्षक ऋषिकांत कुमार सिंह उपस्थित थे। चतरा उप डाकपाल मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि इनके कुशल नेतृत्व में हजारीबाग प्रमंडल के डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के क्षेत्र में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिसमे चतरा मुख्य डाकघर से 1,05,02,365 एक करोड़ पांच लाख दो हजार तीन सौ पैसठ रुपए का प्रियमम राशि जमा किया गया है।

इस उपलब्धि को प्राप्त करने में डाक अधीक्षक एवं डाक निरीक्षक का बड़ा योगदान रहा है। इन्हीं के कारणों से चतरा मुख्य डाकघर को इतना बड़ी राशि जमा करने की उपलब्धि प्राप्त हो पायी।इस स्वागत समारोह का आरंभ डाक अधीक्षक के द्वारा केक काट कर किया गया जिसमें उप डाकपाल मनीष कुमार गुप्ता , अमरजीत कुमार, भानु प्रताप सिंह, शुभम कुमार, संतोष कुमार, आलोक कुमार सिंह ,राजेश कुमार दास, संजीत कुमार मिश्रा,अमित कुमार, एवं रविन्द्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के स्वागत में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

टीएसपीसी नक्सली संगठन के एरिया कमांडर कुणाल व रोहिणी गंझू ने पुलिस के समक्ष किया सरेंडर

राष्ट्रीय खबर

चतरा: पुलिस को नक्सल उन्मूलन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। नक्सली संगठन टीएसपीसी के एरिया कमांडर कुणाल उर्फ कुलदीप व रोहिणी गंझू ने शुक्रवार को चतरा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कुणाल के विरुद्ध चतरा व पलामू क्षेत्र में 16 तथा रोहिणी के विरुद्ध 10 से अधिक मामले दर्ज हैं। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में कक्ष में बोकारो प्रक्षेत्र के आईजी सुनील भास्कर के समक्ष नक्सलियों ने सरेंडर किया। यह सरेंडर चतरा पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने नक्सली कुणाल को सरेंडर कर मुख्य धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। एसपी की बातों से सहमत होकर नक्सली ने हथियार डालने का मन बनाया। नक्सलियों ने अपने हथियार एक एसएलआर, एक सेमी राइफल व लगभग 200 राउंड जिंदा कारतूस भी सरेंडर किया है। यहां बताते चले की चतरा सहित पूरे झारखंड में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान तेज हो गया है। पिछले कुछ माह में कई नक्सली मारे गए हैं। पुलिस के इस अभियान का ही असर है कि नक्सली सरेंडर कर रहे हैं।

नगर परिषद की सेवाओं को लेकर लोगों का विश्वास हासिल करे नगर परिषद : डॉ ताराचंद

● नगर परिषद की बैठक में बोले उपायुक्त

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में आज नगर परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त द्वारा नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में साफ-सफाई, कूडे. का उठाव, पेयजल की आपूर्ति, टैक्स की वसूली, सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट, छठ घाटों की साफ-सफाई समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई और निदेश दिये गये। उपायुक्त ने कहा कि नगर परिषद द्वारा नगर में साफ-सफाई, नियमित रूप से जलापूर्ति, कूडे. का उठाव, विशेष अवसरों पर सफाई अभियान चलाकर लोगों का विश्वास हासिल करना चाहिए। विद्युत प्रमण्डल और नगर परिषद समय निर्धारित कर नगर क्षेत्र में नियमित रूप से जल की आपूर्ति करें ताकि लोगों को समय से पानी मिल सके। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए क्षमता व आवश्यकता का सही आकलन कर लें। छठ पूजा को देखते हुए नगर क्षेत्र में अवस्थित सभी छठ घाटों की साफ-सफाई कराने के लिए अभियान चलाएं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। होर्डिंग्स से टैक्स वसूली हेतु दर से संबंधित प्रस्ताव तैयार करें।

आज की बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, प्रशासक मुक्ति किड़ो, सिटी मैनेजर व विभिन्न कार्यों से संबंधित ऐजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोडरमा पिंक ने कोडरमा रेड को चार विकेट से हराया

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे केडीसीए जूनियर टैलेंट सर्च क्रिकेट टूनार्मेंट में शुक्रवार को कोडरमा रेड और कोडरमा पिंक के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर के मैच में कोडरमा रेड ने 16.5 ओवर में अपने सभी विकेट खो कर 72 रन बनाया। जिसमें शुभम ने 14 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए कोडरमा पिंक की ओर से शिवम ने चार विकेट, हुशाम ने तीन विकेट सक्षम ने दो विकेट और कौशल ने एक विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी कोडरमा पिंक की टीम 9.1 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। कोडरमा पिंक की ओर से प्रिंस राज ने 15 रन और शिवम ने 13 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए कोडरमा रेड की ओर से श्याम ने चार विकेट और फरहान ने एक विकेट लिए।

जे .एम .एस .स्कूल में विज्ञान प्रयोगशाला का उद्धघाटन

राष्ट्रीय खबर

लोहरदगा: जे.एम.एस .स्कूल में आज विज्ञान प्रयोगशाला का तथा भव्य साइंस एक्जीबिशन का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 से उपर के छात्र- छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस एक्जीबिशन में मुख्य अतिथि के रूप में डी ई ओ श्रीमती सुनंदा दास मैडम उपस्थित थी , प्रबंधक महोदया एडवोकेट श्रीमती सुषमा सिंह, डॉ. राकेश सर, प्रधानाध्यापक सुरेश खलखो, उप प्रधानाध्यापिका दीपा शिखर, और विज्ञान शिक्षक निशांत सर ने कार्यक्रम का संचालन किया। श्रीमती सुनंदा मैडम ने फीता काटकर विज्ञान प्रयोगशाला उद्घघाटन किया. कक्षा 6 के छात्रों ने अर्थ क्वेक, वाटर साइकिल, इल्यूजन मिरर जैसे मॉडल्स का प्रदर्शन किया, जबकि कक्षा 7 के छात्रों ने हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट, 3 डी होलोग्राम, स्मार्ट सिटी, कार्बन प्यूरीफिकेशन जैसे प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। कक्षा 8 के छात्रों ने एयर प्यूरीफायर जे .एम . एस. स्कूल , वाटर प्यूरीफिकेशन, ढल्र स्केल, मॉडल ऑफ न्यूरोन बनाकर प्रदर्शन किया . मुख्य अतिथि डी ई ओ श्रीमती सुनंदा दास मैडम ने छात्रों के द्वारा बनाए गए मॉडल को देखा और उनकी प्रतिभा की सराहना की और उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रबंधक महोदया एडवोकेट श्रीमती सुषमा सिंह ने छात्रों को विज्ञान के नवीनतम विकास और तकनीकों के बारे में जानकारी दी। डॉ राकेश सर ने छात्रों को विज्ञान के महत्व के बारे में बताया।

उप प्रधानाध्यापिका दीपा शिखर ने छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान शिक्षक निशांत सर ने छात्रों को विज्ञान के नवीनतम विकास और तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर विवेक सर के साथ सभी शिक्षक , शिक्षिका, अभिभावक उपस्थित थे सभी लोगों ने बच्चों के द्वारा बनाए गए मॉडल को देखा और बच्चों ने बहुत अच्छे तरह से विस्तार पूर्वक बताया **धन्यवाद ज्ञापन:** स्कूल परिवार सभी छात्र - छात्राओं, अध्यापकों और अभिभावकों को इस सफल आयोजन में योगदान देने के लिए धन्यवाद देता है।

लाइवलीहुड योजनाओं की समीक्षा को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में लाइवलीहुड टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला उद्योग केंद्र, जेएसएलपीएस, एफपीओ, आरसेटी, जिला नियोजन विभाग तथा बैंकों से संबंधित विभिन्न आजीविका योजनाओं की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के अंतर्गत संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन योजनाओं में गति लाने एवं बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, जिला कृषि पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में रामलीला कार्यक्रम, बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छटा

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया। सेक्रेड हार्ट स्कूल में शुक्रवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें अलग-अलग क्लास के बच्चों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से सतरंगी छटा बिखेरी। इस मौके पर विद्यालय परिसर में रामलीला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दिव्यांग श्रेष्ठ ने राम प्रवीण कुमार ने रावण, अजीशा प्रिया ने सीता और प्रशांत कुमार ने लक्ष्मण की भूमिका निभाई। उनकी प्रस्तुतियों को लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में अन्य छात्रों में काव्या पांडेय, आयशा कुमारी, निधि राज, ओम शर्मा, मौसमी कुमारी, आरुषि कुमारी, नित्या सिंह, विवान, गौरव सिंह, प्रत्यूषा शर्मा, दिव्यांश, सोनाक्षी, रूही, तृषा, आकांक्षा, श्रद्धा, मुस्कान आदि का विशेष योगदान रहा। यहां आयोजन को सफल बनाने में शिक्षिका कामिनी सहाय, सीमा जैन, अलका सिंह, विकास कुमार, सोम पॉल, कुंतल जेठवा, अनुष्का शर्मा, प्रियंका कुमारी गुप्ता, लवली कुमारी, सरोज पांडेय, स्वीटी सिन्हा, रूबी कुमारी वर्मा, सुपर्णा दे, रेखा राणा, लता सिन्हा, पूजा अरोरा, प्रियंका सिंह, सपना शर्मा, प्रियंका मोदी, निशा कुमारी, शीतल भारती और सिया प्रभाकर का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सारा और कहा कि दीपावली का त्यौहार अधर्म पर धर्म, गंदगी पर सफाई और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व है। उन्होंने रामायण से राम के आदर्श को आत्मसात करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने की जरूर बताई। दूसरी और बोर्ड डेकोरेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अभिलाष सिंह, सुभय कुमार, संयुक्ता विद, निकिता सिंह, रणजीत सिंह, मनोज कुमार सिंह, राधा सिंह, अनमोल रतन, लवली कुमारी सहित कई मौजूद थे।

आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ फाइनल में पहुंचा

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड में जय हिंद युवा क्लब पिपचो के तत्वाधान में चल रहे स्व. प्रयाग राम मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट के पहले क्वालीफायर मैच में आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ ने सतडीहा क्रिकेट टीम को हरा कर टूनार्मेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। आज खेले गए पहले क्वालीफायर मैच में सतडीहा के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित बारह ओवर में 102 रन बनाए और विद्यालय की टीम को जीत के लिए 103 रन का लक्ष्य दिया, जिसमें सुजीत कुमार ने शानदार 41 रन बनाए जबकि गेंदबाजी में आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ की ओर से अंकित कुमार ने 3 विकेट लिए। 103 रन का पिछा करने और फाइनल में प्रवेश करने के लिए उतरी आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ की टीम ने 12 ओवर में 103 रन बनाकर पहला क्वालीफायर मैच जीत लिया और फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया। अंकित कुमार ने 28 रन बनाए जिसके लिए हरफनमौला प्रदर्शन करने के कारण अंकित कुमार को मैंन ऑफ द मैच दिया। आज खेले गए पहले मैच में अंपायर की भूमिका गुलाम गौश एवं विक्की कुमार ने निभाई तथा स्कोरर ऋषि कुमार और महबूब आलम, जबकि कॉमेंटेटर के रूप में टूनार्मेंट के संचालक सुनील कुमार यादव उपस्थित रहे।

मारपीट > मेघातरी बस स्टैंड में बस वाहन मालिक के साथ मारपीट

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: कोडरमा थाना अंतर्गत झारखण्ड बिहार बॉर्डर पर स्थित मेघातरी बस स्टैंड एक बार फिर सुर्खियों में है। कोलकाता से बिहार जाने वाली एक बस के चालक राहुल कुमार पिता स्वः गणपत साव ने कोडरमा थाना में दिए आवेदन देकर कहा कि हम वाहन चला कर कोलकाता से बिहार जाते है।

इसी दौरान स्टैंड के पास उनके वाहन को रोक कर 8-10 लोगों ने मारपीट किया तथा गले से सोने का चैन छीन लिया। बस को चलाने के लिए बतौर एक हजार रंगदारी मांगने देने का भी आरोप लगाया तथा कहा कि इस दौरान वे लोग बोल रहे थे कि पैसा नहीं दोगे तो मार फेंक देंगे। आवेदन में ठीकेदार राजकुमार यादव समेत अन्य पर मारपीट करने, रंगदारी मांगने, चैन की छीनने को लेकर थाना न्याय की गुहार लगाई है। ज्ञात हो कि इसके पहले भी इस तरह की घटना घट चुकी है। वहीं कोडरमा पुलिस दो बार छापेमारी कर कई लोगों को पकड़ कर जेल भेज चुकी है। जिसके बाद जिला प्रशासन के द्वारा उक्त स्टैंड में सिफ्ट वाइज मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। उसके बाद भी इस तरह की घटना कई सवालों को जन्म दें रही है।

गरीबों के बीच बांटे गर्म कपड़े और सामग्री

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा। डोमचांच प्रखंड के मसनोडीह पंचायत के जियोरायडीह बिरहोर टोला में दीपावली पर जरूरतमंद गरीब परिवारों की मदद करने रक्तवीर सेवा संघ कोडरमा ने कदम उठाया है। इसमें वे लोगों से संपर्क कर कपड़े जुटाए जा रहे थे और सहयोग राशि, ताकि जरूरतमंदों को दीपावली पर खुशियों का तोहफा दे सके। रक्तवीर सेवा संघ के संस्थापक राम वर्णवाल ने अपील की है कि आप सब भी सच्चे दिल से गरीबों की मदद के लिए हाथ बढ़ाएं। ताकि आज भी हमारे देश की जो लगभग एक तिहाई आबादी गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है।

दिवाली को लेकर पटाखों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया। दीपावली पर्व को लेकर जहां एक और इलेक्ट्रॉनिक, बाइक, कार, बर्तन, आभूषण आदि की बिक्री धीरे-धीरे परवान चढ़ रही है। ठीक उसी प्रकार पटाखे की बिक्री ने भी अब रफ्तार पकड़ ली है। शहर के विभिन्न दुकानों में तरह-तरह के पटाखे सज गए हैं। इस बार लोगों के लिए अन्य वर्षो की भांति नए-नए पटाखे उपलब्ध है। पटाखों का रेंज भी जीएसटी की कमी के कारण थोड़ा कम हुआ है, जिसके कारण लोग इसे खरीद रहे हैं। सभी दुकानों में पटाखे की बिक्री जोर पकड़ रही है। पटाखा बेचने वाले पुराने दुकानदार उस्मान भाई ने बताया कि इस बार पटाखे की कई रेंज है। उन्होंने बताया कि रॉकेट विलो 3 स्टार, 2 स्टार का रेंज इस बार 150 से 800, के जॉय 2 हजार से 6500, अनार 150 से 900, बम 80 से 400, फुलझड़ी 70 सीएम, 50 सीएम, 30 सीएम, 7 सीएम 30 से 350, थ्री पीस पाइप 300 से 1200 स्काई शॉट 500 से 1000 रुपये के बीच उपलब्ध है। इसकेअलावा अन्य तरीके के भी पटाखे लोगों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए भी कम आवाज वाले पटाखे उनके पास उपलब्ध है।

आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का लौटाया सामान

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया। आरपीएफ कोडरमा ने शुक्रवार को ऑपरेशन अमानत के तहत ट्रेन में यात्री का छुटा हुआ बैग ट्रेन से बरामद कर उसे वापस लौटाया। जानकारी के अनुसार रेल मदद शिकायत के अनुपालन में शिकायतकर्ता ऋषभ कुमार, पिता सत्येंद्र कुमार शुक्ला, निवासी विजयनगर, बेंगलुरु स्थाई पता टेकरी (गया) ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ गाड़ी संख्या 13152 जम्मूतवी सियालदह एक्सप्रेस के कोच संख्या ए/1 बर्थ संख्या 42/44 पर लखनऊ से गया जंक्शन तक यात्रा कर रहे थे। गाड़ी गया पहुंचने पर जल्दबाजी में उतर गया तथा उनका एक पिट्ठू बैग ट्रेन में ही छूट गया। प्राप्त सूचना पर निरीक्षक प्रभारी कोडरमा के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पीएफ नंबर दो पर समय 07.09 बजे आगमन उपरांत कैंपिंग ड्यूटी में तैनात आरक्षी रामाश्रय कुमार एवं सुजीत कुमार के द्वारा अटेंड कर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चिन्हित कर उक्त बैग को बरामद किया

न्यूज फटाफट

बैडमिंटन के कोर्ट पर 'डी राजवीर' का राज

गिरिडीह : 12 साल का डी राजवीर कक्षा 7 में पढ़ता है। इतनी कम उम्र में ही राजवीर ने अपनी अलग पहचान बना ली है। राजवीर बैडमिंटन का बेहतरीन खिलाड़ी है और अंडर 13 में इसकी ऑल इंडिया रेंकिंग 16 है।अगस्त माह में मुंबई ने हुए ऑल इंडिया रेंकिंग में राजवीर क्वार्टर फाइनल तक का सफर कर चुका था। इस बीच झारखंड में आयोजित हुए योनेक्स सनराइज झारखंड स्टेट मिनी एंड सब जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में अंडर- 13 एकल वर्ग का चैंपियन बन गया। इसी प्रतियोगिता के युगल वर्ग में राजवीर उपविजेता रहा है। चूंकि लोहरदगा में आयोजित यह प्रतियोगिता राज्यस्तरीय सलेक्शन ट्रायल भी था।ऐसे में प्रतियोगिता में विजयी रहे राजवीर का चयन नेशनल गेम के लिए हुआ है। 26 से 29 नवंबर को बिहार में आयोजित नेशनल लेवल गेम में राजवीर अंडर- 13 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। सीसीएल डीएवी में पढ़नेवाले किशोर से ईटीवी भारत संवाददाता अमरनाथ सिन्हा ने खास बातचीत की।राजवीर का कहना है वह इससे पहले कई प्रतियोगिता में शामिल हुए और जीत भी हासिल की। इससे पहले अंडर- 11 में वह नेशनल खेल चुके हैं। आगे भी वह खूब मेहनत करेंगे और बेहतरीन खेल दिखाएंगे। राजवीर ने बताया कि उनके पिता दिलीप मंडल सीसीएल गिरिडीह में काम करते हैं। उनके पिता का भी भरपूर सहयोग रहता है। इसके अलावा माता का भी पूरा सहयोग है। वह देश के लिए बेहतर करना चाहता है।

रोहित और कोहली ने नेट्स पर जमकर बहाया पसीना

हैदराबाद : भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही प्रैक्टिस शुरू कर दी है। टीम इंडिया पर्थ में अभ्यास करने के लिए उतरी। ये टीम इंडिया का ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन था, जिसके चलते कई खिलाड़ी मैदान पर मौजूद नहीं थे। इस दौरान मैदान पर क्रिकेट फैंस का जमावड़ा भी देखने को मिला। पर्थ में फैंस विराट कोहली और रोहित शर्मा को देखने के लिए पहुंचे। तो वहीं कई फैंस ने रोहित और कोहली से उनका ऑटोग्राफ भी लिया। इस सबके बीच सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट टीम के अभ्यास सत्र के फोटो और वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। जिनको फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इनमें से सबसे अच्छा वीडियो विराट कोहली और रोहित शर्मा को एक साथ नेट्स में बैटिंग करते हुए देखना है। इन दोनों को बल्लेबाजी करते हुए देख इनके फैंस भी काफी खुश हैं।आज अभ्यास सत्र के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ही आस-पास के नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए नजर आए। दोनों ने भारतीय टीम की अभ्यास किट पहनी हुई है और नेट्स में जमकर पसीना बहा रहे हैं। इस दौरान दोनों अच्छा डिफेंस दिखा रहे हैं। इन दोनों को अच्छे और बेहतरीन शॉट्स लगाते हुए भी देखा गया है। कोहली नेट्स में शानदार कवर ड्राइव भी खेलते हुए नजर आए। इन दोनों खिलाड़ियों ने कैचिंग का भी अभ्यास किया।

शमी के फिटनेस वाले सवाल पर अजीत अगरकर ने दिया जवाब

मुंबई : शमी ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उनकी उपलब्धता साबित करती है कि वह फिट हैं और इसके बारे में सिलेक्शन कमिटी को अपडेट करना उनका काम नहीं है। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए के लिए भारतीय टीम का ऐलान करते वक्त मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने मोहम्मद शमी को शामिल नहीं किए जाने को फिटनेस से जोड़ा था। अब तेज गेंदबाज के सवाल उठाने के बाद अगरकर ने सफाई दी है।तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने फिटनेस के आधार पर खुद को नजरअंदाज किए जाने को लेकर हाल ही में राष्ट्रीय चयनकताओं पर तीखा तंज कसा था। उन्होंने सवाल उठाया था कि अगर वह रणजी ट्रॉफी के लिए फिट है तो 50-50 के लिए क्यों नहीं? शमी ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उनकी उपलब्धता साबित करती है कि वह फिट हैं और इसके बारे में सिलेक्शन कमिटी को अपडेट करना उनका काम नहीं है।

उम्मीद

148 साल के क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसा कभी नहीं हुआ

विराट कोहली छीनेंगे सचिन तेंदुलकर के सिर का ताज!

▶▶ यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने का

▶▶ फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर एक दूसरे की बराबरी पर हैं।

राष्ट्रीय खबर

मुंबईः टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर क्रिकेट फील्ड पर उतरने के लिए बेताब हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद विराट कोहली 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने वाले हैं। इस मैच में किंग कोहली के निशाने पर एक ऐसा रिकॉर्ड होगा जो 148 साल के क्रिकेट इतिहास में कोई नहीं बना पाया। जी हां, यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने का।

फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर एक दूसरे की बराबरी पर हैं। अगर विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज में एक शतक भी बनाते हैं तो वह इतिहास रच देंगे।विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर के नाम अभी एक फॉर्मेट में सर्वाधिक 51 शतक जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। सचिन ने यह कारनामा टेस्ट में तो कोहली ने वनडे में किया है।

सचिन तेंदुलकर वर्ल्ड क्रिकेट में 51 शतक का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी थे, उन्होंने यह उपलब्धि साउथ अफ्रीका दौरे पर 2010-11 में हासिल की थी, वहीं विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड की बराबरी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ की थी।अगर विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में एक और शतक जड़ते हैं तो वह 148 साल के क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन जाएंगे जिसके नाम एक फॉर्मेट में 52 शतक होंगे।

बता दें, विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। वनडे फॉर्मेट विराट कोहली का सबसे पसंदीदा फॉर्मेट है, यही वजह है उन्होंने अभी तक इस फॉर्मेट को अलविदा नहीं कहा है। कोहली की नजरें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्ले से धूम मचाकर 2027 वर्ल्ड कप खेलने की दावेदारी ठोकने पर होगी।बता दें, क्रिकेट के गलियारों में ऐसी खबरें हैं कि चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट विराट कोहली और रोहित शर्मा को बढ़ती उम्र और उनके एक फॉर्मेट में एक्टिव रहने की वजह से 2027 वर्ल्ड कप खेलते हुए नहीं देख रहे हैं। इसी वजह से रोहित शर्मा से वनडे टीम की कप्तानी भी छीन ली गई है।

हालांकि ऑस्ट्रेलिया रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों की ही पसंसीदा जगह रही है। ऐसे में वह इस सीरीज में रनों का अंबार लगाकर हर किसी को गलत साबित करना चाहेंगे।

खेल जगत अपडेट्स »

सीधा फाइनल के लिए खेलेगी पुणेरी पल्टन,

नई दिल्ली : प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आयोजन अब अपने आखिरी सफर पर पहुंच गया है। इस सीजन में कुल 12 टीमें खेल रही हैं। हर टीम लीग स्टेज में 18-18 मैच खेलेंगी। मतलब लीग स्टेज में कुल 108 मैच खेले जाएंगे। बुधवार, 15 अक्तूबर तक 87 मैच खेले जा चुके हैं। 21 मैच खेले जाने हैं लेकिन टॉप 2 में पुणेरी पल्टन ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रो कबड्डी लीग 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले 23 अक्तूबर तक खेले जाएंगे। सभी मैच दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। फॉर्मेट की बात करें तो सभी टीमें 18-18 मैच खेलेंगी। अंक तालिका में टॉप-2 पर जो टीमें होंगी। उन्हें सीधा फाइनल में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यानी दोनों के बीच क्वालिफायर 1 खेला जाएगा। जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली को एक और मौका मिलेगा। अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम मिनी क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि 5वें और 8वें स्थान की टीम प्ले इन के क्वालीफाई करेंगी। 9 से 12वें स्थान की टीमों का सफर लीग स्टेज से ही खत्म हो जाएगा। अंक तालिका के बाद आपको प्रो कबड्डी लीग के फॉर्मेट की डिटेल में जानकारी दी गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया का वनडे में हेड टू हेड रिकार्ड

राष्ट्रीय खबर

हैदराबाद : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला पर्थ में खेला जाने वाला है। इस मैच में क्रिकेट फैंस की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहने वाली हैं। क्योंकि ये दोनों खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहला मैच खेलने वाला हैं। इस मैच से पहले हम आपको बताने वाले हैं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया में किसका पलड़ा किस पर भारी है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 152 वनडे मैच खेले गए हैं। इसमें से 58 मैचों में भारतीय क्रिकेट टीम ने जीत दर्ज की है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम को 84 मैचों में जीत मिली है। इन दोनों टीमों के बीच 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। इन आंकड़ों के हिसाब से भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया से कहीं ज्यादा पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया का भारत के ऊपर पलड़ा भारी है।इन दोनों टीमों के बीच पिछला वनडे मैच 4 मार्च 2025 को चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेला गया था। इस मैच में भारत ने 4 रनों से ऑस्ट्रेलिया के ऊपर जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 264 रन बनाए और इंडिया ने 48।1 ओवर में 267 रन बनाकर मैच जीत लिया। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन इस मैच में विराट कोहली ने बनाए थे। उन्होंने 84 रनों की पारी खेली थी, जबकि सबसे ज्यादा 3 विकेट मोहम्मद शमी ने लिए थे।

इन दोनों टीमों के बीच खेली गई पिछली पांच वनडे सीरीज की बात करें तो भारत ने 2 और ऑस्ट्रेलिया ने 3 सीरीज अपने नाम की हैं। 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने 5 मैचों की सीरीज में 3-2 से बाजी मारी थी। 2020 में भारत ने 5 वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से जीती थी। 2021 में तीन मैचों की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से अपने नाम किया। 2023 में तीन मैचों की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीता था। 2023 में फिर से वनडे वर्ल्ड कप से पहले दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की सीरीज खेली गई थी, जिसे भारत ने 2-1 से जीता था।

आज डबल होगा क्रिकेट का एक्शन, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से भिड़ेगी टीम इंडिया

राष्ट्रीय खबर

हैदराबाद : ये रविवार क्रिकेट लवर्स के लिए काफी अच्छा साबित होने वाला है। भारतीय क्रिकेट टीम के लवर्स को रविवार (19 अक्टूबर को) दीपावली के पावन पर्व के साथ-साथ क्रिकेट का डबल डोज देखने के लिए मिलने वाला है। रविवार को भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ दो-दो हाथ करते हुए नजर आएंगी। तो आज हम आपको रविवार को होने वाले इन दोनों मैचों के बारे में बताने वाले हैं।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के ऑप्टस क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाने वाला है। ये मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे से खेला जाएगा। इस मैच का टॉस 8:30 बजे होगा। इस मैच में भारत की कप्तानी शुभमन गिल और ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी मिशेल मार्श करते हुए नजर आएंगे। ये सीरीज विराट कोहली और रोहित शर्मा की क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए भी याद रहेगी।भारत और इंग्लैंड के बीच आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का 20वां मैच 19 अक्टूबर को खेला जाने वाला है। ये मैच मध्य प्रदेश के इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 3 बजे से खेला जाएगा। इस मैच का टॉस 2: 30 पर होगा। इस मैच में भारत की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी तो वहीं, इंग्लैंड की कमान नैट साइवर-ब्रंट के हाथों में रहेगी। इस मैच को जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में बनाने की राह पर बढ़ना चाहेगी। क्योंकि वो दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में लगातार 2 मैच हार चुकी है।इस तरह से भारतीय क्रिकेट फैंस को रविवार को क्रिकेट का डबल डोज मिलने वाले हैं। यहां फैंस सुबह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेंस क्रिकेट का मजा उठाएंगे तो वहीं वो शाम को इंग्लैंड और भारत की महिला टीमों के मैच का आनंद उठाते हुए नजर आएंगे।

खबरें बॉलिवुड की

चुनौतियां

जब हेमा मालिनी से बोली थीं डिंपल कपाड़िया

'धर्मेंद्र तुमसे कभी शादी नहीं करेंगे'

राष्ट्रीय खबर

मुंबईः राजेश खन्ना अपने दौर के सबसे सफल एक्टर्स में से एक थे। लेकिन उनके साथी कलाकारों के प्रति उनका अहंकारी रवैया और शूटिंग को घंटों तक रोकने की आदत अक्सर उनके साथ काम करने वालों को परेशान करती थी। उस दौर की जानी मानी अदाकारा हेमा मालिनी भी परेशान लोगों में से एक थीं। मतभेदों के बावजूद, हेमा और राजेश ने 13 फिल्मों में एक साथ काम किया। इसका कारण था हेमा की डिंपल कपाड़िया के साथ दोस्ती, जो उस समय राजेश खन्ना से नई-नई शादी करके आई थीं। जब डिंपल की मुलाकात हेमा से हुई, वो टीनएजर थीं। हेमा डिंपल से 9 साल बड़ी थीं। चूंकि दोनों अपने निजी जीवन में संघर्ष कर रही थीं, इसलिए उनकी गर्मजोशी भरी दोस्ती हो गई थी।

हेमा मालिनी की जीवनी 'हेमा मालिनीः बियॉन्ड द ड्रीम गर्ल' में एक्ट्रेस ने शेयर किया था कि राजेश खन्ना उनके साथ 'अजीब व्यवहार' करते थे। चूंकि वह उन्हें कोई खास तवज्जो नहीं देती थीं, इसलिए वह उन्हें 'अहंकारी' मानते थे। हेमा को भी उनके बारे में यही महसूस होता था। लेकिन इस दौरान हेमा अक्सर डिंपल को देखती थीं, जो अपने पति के साथ शूटिंग के लिए आती थीं। दोनों एक-दूसरे की हमराज बन गईं। डिंपल और राजेश की शादी तब हुई थी, जब डिंपल केवल 16 साल की थीं और राजेश 32 साल के थे। इस शादी में शुरू से ही चुनौतियां थीं और हेमा इसे करीब से देख सकती थीं। हेमा के लिए भी यह दौर उतना ही मुश्किल था क्योंकि वह धर्मेंद्र से प्यार करती थीं, जो पहले से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे।

शादी के बाद अकेली पड़ गई थीं डिंपल

हेमा ने अपनी जीवनी में बताया कि उन्हें डिंपल के प्रति एक 'गर्मजोशी भरा एहसास' था। वह उन्हें एक 'छोटी बहन' की तरह देखती थीं। हेमा ने डिंपल की नई शादी के बाद की अकेलापन भरी स्थिति को याद करते हुए कहा, 'यह बच्ची एक बड़ी साड़ी में लिपटी हुई थी, जूड़ा बनाए हुए और उसकी कलाइयों में चूड़ियां भरी थीं। फिर जल्द ही उसका एक बच्चा भी हो गया। आउटडोर लोकेशन्स के दौरान, वहां बैठकर सिगरेट पीती और शराब पीती थी। लेकिन मुझे कभी नहीं लगा कि यह गलत या अशोभनीय था। मुझे पता था कि वह बहुत तनाव से गुजर रही थी और वह बहुत अकेली थी। राजेश पूरे दिन शूटिंग करते थे और शाम को अपने दोस्तों के साथ देर रात तक बातचीत करते और शराब पीते थे। डिंपल के पास कोई साथी नहीं था।'डिंपल को किसी के साथ की जरूरत थी और क्योंकि हेमा अक्सर अपने माता-पिता के साथ सफर करती थीं, तो डिंपल उनके साथ समय बिताती थीं। उन्होंने बताया था, 'मुझे लगता है कि उसे वह पारिवारिक माहौल पसंद था। इसलिए वह हमारे साथ बहुत समय बिताती थी।' हेमा ने हिंट दिया कि उनका निजी जीवन भी कई बाधाओं से गुजर रहा था और वह डिंपल से सलाह लेती थीं। उन्होंने बताया, 'उन दिनों मेरे निजी जीवन में बहुत तनाव था और मैं इस बारे में डिंपल से बात करती थी। देखिए मैं तब शादीशुदा नहीं थी, जबकि वह थी। इसलिए कुछ ऐसी चीजें या सलाह थीं जो वह मुझे दे सकती थीं।'

गंदी लैंग्वेज यूज करने पर लगाई क्लास, देखते रह गए घरवाले

क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन पर भड़के सलमान खान

राष्ट्रीय खबर

मुंबईः पूरे हफ्ते के हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद आखिर वो पल आ ही गया है, जब सलमान खान एक-एक घरवाले की हरकतों का हिसाब लेते दिखेंगे। सलमान के निशाने पर इस हफ्ते क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती रहने वाली हैं। अमाल मलिक और शहबाज को भी उनकी बदतमीजियों के लिए सलमान से फटकार पड़ी है। वीकेंड का वार एपिसोड इस बार काफी धुआंधार होने वाला है। दिवाली के मौके पर शो में कई धमाके होंगे। शो का प्रोमो वीडियो सामने आ चुका है। सलमान खान, गंदी लैंग्वेज यूज करने पर मालती को लताड़ते नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही के एपिसोड में नेहल संग लड़ाई में मालती ने उनके कपड़ों को लेकर भद्दा कमेंट किया था। मालती ने नेहल से कहा था- मुझसे अलगी बार कपड़े पहनकर बात कर। अब वीकेंड का वार में सलमान ने मालती के इसी कमेंट को लेकर उन्हें फटकारा है। सलमान ने मालती से पूछा- आपके कमेंट का क्या मतलब था? सलमान के सवाल पर मालती बोलीं- यहां पर बहुत स्ट्रॉन्ग एसी है, तो मैं देखती हूं कि इन लोगों को ठंड क्यों नहीं लगती है। मालती की इस बात पर बसीर गुस्से में बीच में बोलते हैं- बकवास बात है ये। इसपर सलमान फिर बसीर से कहते दिखे कि वो मालती को बोलने दें, क्योंकि वो खुद भी सुनना चाहते हैं कि मालती आखिर क्या बोलने वाली हैं? वहीं, दूसरी ओर जोक्स की आड़ में घरवालों को बुली करने और अपनी हद पार करने पर सलमान ने शहबाज को भी लताड़ा। सलमान ने शहबाज से कहा- हर वक्त मजाक-मजाक। देखने वालों को बहुत ज्यादा बदतमीज और इरिटेटिंग लग रहे हो।

प्रदेश >> अपडेट

पिक-अप पलटने से 6 श्रद्धालुओं की मौत

नंदुरबार : महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में स्थित चांदसैली घाट में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसने आस्था की यात्रा को मातम में बदल दिया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हैं। घायलों में से कुछ की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी चांदसैली घाट में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस गाड़ी में सवार सभी लोग पवित्र अस्तंबा यात्रा संपन्न कर अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि घाट के रास्ते से गुजरते समय चालक ने गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह भयावह हादसा हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से 10 लोगों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिससे इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को पिकअप वैन से बाहर निकालकर इलाज के लिए नजदीकी तलोदा उप-जिला अस्पताल भेजा है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

लद्दाख हिंसा की जांच पर अब गृह मंत्रालय की कार्रवाई

नईदिल्ली : केंद्र सरकार ने पिछले महीने लद्दाख में पुलिस फायरिंग में मारे गए चार प्रदर्शनकारियों की घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को पुलिस फायरिंग और एक कारगिल युद्ध अनुभवी सहित चार लोगों की मौत की परिस्थितियों की जांच करने के लिए नियुक्त किया गया है। क्षेत्र के लिए राज्य का दर्जा और विशेष संवैधानिक सुरक्षा की मांग कर रहे लद्दाखी समूहों की प्रमुख मांगों में से एक शीर्ष अदालत के न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच कराना भी था। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस बीएस चौहान, को 24 सितंबर की लेह घटना की जांच के लिए नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, अविभाजित जांच सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने आज, गंभीर कानून और व्यवस्था की स्थिति, पुलिस कार्रवाई और परिणामस्वरूप चार व्यक्तियों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए डॉ. जस्टिस बीएस चौहान द्वारा एक न्यायिक जांच अधिसूचित की है। मंत्रालय ने दोहराया कि सरकार हमेशा संवाद के लिए तैयार रही है। गृह मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया है कि वे एपिक्स बॉडी लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ लद्दाख पर उच्च-शक्ति समिति या किसी अन्य मंच के माध्यम से चर्चा का स्वागत करना जारी रखेंगे। लेह में हिंसा के बाद, गृह मंत्रालय ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर अपने भड़काऊ भाषण के माध्यम से भीड़ को उकसाने का सीधा आरोप लगाया था। वांगचुक राज्य के दर्जे और संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। हिंसा भड़कने के तुरंत बाद उन्होंने भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी। उन्हें बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया और वह वर्तमान में जोधपुर जेल में बंद हैं। पिछले चार वर्षों में, लद्दाख में सीधे केंद्र शासित प्रदेश शासन के खिलाफ अशांति बढ़ी है। 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, जिसका शुरूआत में कई लोगों ने स्वागत किया था, लेकिन बाद में निवासियों ने राजनीतिक शून्य की शिकायत की।

विरोध सरकार के नये फैसले से बांग्लादेश में स्थिति बिगड़ी

राजधानी ढाका में जनता का जोरदार प्रदर्शन

- प्रदर्शनकारी समूहों ने संसद भवन के आसपास घेराव करने की कोशिश की
- कई प्रदर्शनकारी और सुरक्षाकर्मी दोनों घायल हुए हैं

राष्ट्रीय खबर

ढाका: बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता का माहौल गरमा गया है, जहाँ प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा एक विवादास्पद नए चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के विरोध में हिंसक झड़पें भड़क उठी हैं। नए चार्टर को विपक्षी दल देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नागरिक स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा खतरा मानते हुए इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी समूहों ने संसद भवन के आसपास घेराव करने की कोशिश की, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और साउंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया ताकि भीड़ को तितर-बितर किया जा सके।

ये झड़पें बांग्लादेश के लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक तनाव को उजागर करती हैं, जहाँ विपक्षी दल लगातार निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाहक सरकार की बहाली की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सत्तारूढ़ दल चार्टर के माध्यम से अपनी शक्ति को और मजबूत करने और विरोध की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहा है। विरोध प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में छात्र, कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए, जो अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों पर उतरे। कई प्रदर्शनकारी और सुरक्षाकर्मी दोनों घायल हुए हैं, और विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने के प्रयास में कई प्रमुख विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार भी किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने बांग्लादेश में बढ़ती राजनीतिक हिंसा और मानवाधिकारों के संभावित उल्लंघन पर चिंता व्यक्त की है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि सरकार और विपक्ष के बीच यह गतिरोध देश के आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता के लिए हानिकारक है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जब तक दोनों पक्ष संवाद के माध्यम से एक सामान्य आधार नहीं खोजते, तब तक ढाका में अशांत माहौल जारी रहने की संभावना है। नए चार्टर पर विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश के नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए लड़ने को तैयार हैं, भले ही उन्हें सरकारी दमन का सामना करना पड़े।

एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े मामले फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार पर दंड लगाया

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आईआरएस अधिकारी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े की पदोन्नति से संबंधित एक आदेश की समीक्षा की मांग वाली अपनी याचिका में कुछ तथ्यों को छिपाने के लिए केंद्र सरकार पर 20,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि केंद्र याचिका दायर करने से पहले सभी तथ्यों का सच्चाई से खुलासा करेगा। इसने अदालत के 28 अगस्त के आदेश की समीक्षा की मांग वाली केंद्र की याचिका को खारिज कर दिया, जिसके द्वारा सरकार को श्री वानखेड़े की पदोन्नति के संबंध में यूपीएससी की सिफारिश का पता लगाने और यदि ऐसी कोई सिफारिश थी तो उन्हें पदोन्नत करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने आदेश दिया, हम उम्मीद करेंगे कि याचिकाकर्ता, एक राज्य होने के नाते, सरकार के रूप में, रिट दायर करते समय हमारे सामने सभी तथ्यों का सच्चाई से खुलासा करेगा। उपरोक्त याचिका के लिए, हम दिल्ली उच्च न्यायालय अधिवक्ता कल्याण कोष में जमा किए जाने वाले 20,000 रुपये के जुमार्ने के साथ याचिका को खारिज करते हैं।

2008 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी श्री वानखेड़े 2021 में एनसीबी, मुंबई में अपने कार्यकाल के दौरान बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग बस्ट मामले में फंसाने की धमकी देकर उनके परिवार से कथित तौर पर ?25 करोड़ की मांग करने के लिए सुर्खियों में आए थे। 28 अगस्त के फैसले में, उच्च न्यायालय ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के दिसंबर 2024 के फैसले को बरकरार रखा था, जिसने सरकार को श्री वानखेड़े की पदोन्नति से संबंधित बंद लिफाफे को खोलने और यदि यूपीएससी द्वारा उनके नाम की सिफारिश की गई थी, तो उन्हें 1 जनवरी, 2021 से प्रभावी ढंग से अतिरिक्त आयुक्त के पद पर पदोन्नत करने का निर्देश दिया था।

भारत ने फिर से बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने की वकालत की

त्रिपुरा में मवेशी चोरी के संघर्ष में तीन की मौत

राष्ट्रीय खबर

अगरतला: भारत ने शुक्रवार को त्रिपुरा में इस सप्ताह तीन बांग्लादेशियों की हत्या का हवाला देते हुए ढाका पर अंतरराष्ट्रीय सीमा की पवित्रता बनाए रखने और जहां भी जरूरत हो बाड़ लगाने का समर्थन करने की आवश्यकता पर बल दिया। सरकार ने जोर देकर कहा कि तीनों पशु तस्कर थे जिन्होंने मवेशी चुराने की कोशिश करते हुए एक स्थानीय व्यक्ति की हत्या कर दी थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह घटना बुधवार को भारतीय क्षेत्र के अंदर लगभग 3 किमी पर हुई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहाः बांग्लादेश के तीन बदमाशों के एक समूह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की और भारतीय क्षेत्र के बिद्याबिल गांव से मवेशी चुराने का प्रयास किया। उन्होंने लोहे के दाव और चाकू से स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया, और एक ग्रामीण को मार डाला, भले ही अन्य ग्रामीण आ गए और हमलावरों का विरोध किया। बयान में आगे कहा गया, अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां दो तस्कर मृत पाए गए; एक तिहाई ने अगले दिन अस्पताल में दम तोड़ दिया। तीनों के नश्वर अवशेष बांग्लादेश पक्ष को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने भी मामला दर्ज कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि इस घटना ने सीमा पार अपराधों और तस्करी को रोकने के लिए बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय सीमा बाड़ लगाने के निर्माण का समर्थन करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

गोपनीय सूचनाओं का गलत इस्तेमाल करने का लगा है आरोप

पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने आत्मसमर्पण किया

राष्ट्रीय खबर

वाशिंगटनः पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन का गोपनीय जानकारी को गलत तरीके से संभालने के आरोपों के संबंध में आत्मसमर्पण करना, अमेरिका के राजनीतिक और कानूनी परिदृश्य में एक सनसनीखेज घटना है। बोल्टन, जो ट्रंप प्रशासन के दौरान विदेश नीति के एक प्रमुख और विवादास्पद व्यक्ति थे, पर 18 संगीन आरोप लगाए गए हैं, जिनमें संवेदनशील सरकारी जानकारी को अनधिकृत रूप से साझा करना और अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद भी वर्गीकृत दस्तावेजों को अपने पास रखना शामिल है। ये आरोप दर्शाते हैं कि अमेरिका में शीर्ष स्तर पर भी राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया जानकारी के प्रबंधन में गंभीर कमियाँ और कानूनी जोखिम मौजूद हैं।

बोल्टन के खिलाफ मामला केवल लापरवाही का नहीं है, बल्कि यह जानबूझकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के आरोपों पर केंद्रित है।

रूस ने भारत को उन्नत लड़ाकू विमान पर समर्थन दिया

भारत में ही बनेंगे एसयू-57 स्टील्थ विमान

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्लीः रूस ने भारत के साथ रक्षा सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, उसके राजदूत डेनिस अलिपॉव ने एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट के स्थानीय उत्पादन के माध्यम से भारत के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम का समर्थन करने की अपने देश की तत्परता व्यक्त की। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री अलिपॉव ने कहा कि यह कदम दोनों राष्ट्रों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करता है, जो एक पारंपरिक क्रेता-विक्रेता संबंध से परे संयुक्त विकास, सह-उत्पादन और पूर्ण प्रौद्योगिकी साझाकरण में विकसित हुई है। यह घोषणा भारत-रूस तेल व्यापार के भविष्य के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच आई है,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे के बाद कि भारत जल्द ही ऐसी खरीद बंद कर देगा। हालांकि, राजदूत ने कहा कि रूसी ऊर्जा वैश्विक बाजार पर सबसे अधिक लागत प्रभावी विकल्प बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस ने लगातार अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया है जबकि इस सहयोग को बाधित करने के प्रयासों के सामने वैकल्पिक रसद और भुगतान प्रणालियों को विकसित करने में लचीलापन दिखाया है।

भारत के साथ रक्षा संबंधों पर, उन्होंने कहाः छह दशकों से अधिक समय से, रूस एक विश्वसनीय रक्षा भागीदार और भारत के सैन्य आधुनिकीकरण में एक प्रमुख योगदानकर्ता रहा है।

आह्वान विश्व बैंक ने सभी देशों से अधिक पारदर्शिता की अपील की

कर्ज के भुगतान पर नये सिरे से प्रयास होंगे

- ऋण संकट से जूझ रहे देशों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करना चाहिएः विश्व बैंक अध्यक्ष बांगा

राष्ट्रीय खबर

न्यूयार्कः विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने वैश्विक वित्तीय परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मांग उठाई है, जिसमें ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने पर जोर दिया गया है। बंगा ने चिंता व्यक्त की है कि वर्तमान ऋण पुनर्गठन ढांचा, विशेष रूप से G20 कॉमन फ्रेमवर्क के तहत, अपनी धीमी गति और जटिलता के कारण विकासशील और गरीब देशों को उनके बढ़ते ऋण संकट से प्रभावी ढंग से बाहर निकालने में विफल रहा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर तेज और अधिक पारदर्शी समाधानों पर काम करने का आह्वान किया है।

पारदर्शिता की यह मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कई निम्न-आय वाले देशों का ऋण बोझ इतना बढ़ गया है कि यह उनके विकास प्रयासों और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को पटरी से उतार रहा है। ऋणदाताओं, जिनमें पारंपरिक पश्चिमी देशों के साथ-साथ चीन जैसे नए प्रमुख लेनदार भी शामिल हैं, के बीच समन्वय की कमी और ऋण की शर्तों को गोपनीय रखने की प्रवृत्ति इस प्रक्रिया को और भी धीमा कर देती है। बंगा का तर्क है कि जब तक ऋण पुनर्गठन की शर्तों और प्रक्रियाओं को सार्वजनिक नहीं किया जाता, तब तक प्रभावित देशों के पास यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं होगा कि उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिल रहा है। विश्व बैंक अध्यक्ष के रूप में बंगा का ध्यान ऋण संकट से जूझ रहे देशों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने पर केंद्रित है ताकि वे जलवायु परिवर्तन और महामारी जैसी अन्य वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक निवेश कर सकें। ऋण पुनर्गठन में पारदर्शिता से न केवल ऋण लेने वाले देशों का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि निजी क्षेत्र के निवेशकों को भी बाजार में लौटने का प्रोत्साहन मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय प्रणाली को अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ बनाना है, जिससे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को स्थायी रूप से मजबूत होने का अवसर मिल सके।

पेज एक का शेष

पाकिस्तान का हर ईंच ब्रह्मोस .. .. ..

प्रणोदक बूस्टर इंजन और तरल रैमजेट क्रमशः पहले और दूसरे चरण के रूप में हैं। अपनी स्टील्थ तकनीक और उन्नत एम्बेडेड सॉफ्टवेयर के साथ मार्गदर्शन प्रणाली इसे अद्वितीय बनाती है। इसकी रेंज 290 किमी तक है और यह पूरी उड़ान के दौरान सुपरसोनिक गति बनाए रखती है, जिससे कम उड़ान समय और लक्ष्य का कम फैलाव सुनिश्चित होता है। ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों के बर्बर नरसंहार के जवाब में भारत की सैन्य कार्रवाई थी।

कानून निदोर्षों को परेशान .. .. ..

करवाकर और उसके बाद बड़े पैमाने पर उन्हीं आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ जांच का एक नया दौर शुरू करके कठिनाई को दूर करे। दुर्भाग्य से, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री ने हम पर यही एकमात्र प्रभाव छोड़ा है। पीठ ने उन दलीलों को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत को संविधान के अनुच्छेद 32 (मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए एससी जाने का अधिकार) के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए एफआईआर को रद्द नहीं करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा, इस अदालत को, सर्वोच्च संवैधानिक न्यायालय के रूप में, मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ उपचार प्रदान करने के लिए संविधान के भाग 3 के तहत निहित शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। यह तथ्य कि संवैधानिक उपचारों के अधिकार को स्वयं एक मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया है, यह स्पष्ट पुष्टि है कि यह अदालत उनके प्रवर्तन की अंतिम गारंटीदाता है। एक बार जब संविधान ने इस पर ऐसी जिम्मेदारी डाली है, तो इस न्यायालय को किसी याचिकाकर्ता को वैकल्पिक उपाय अपनाने का निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है, जब शिकायत मौलिक अधिकार के कथित उल्लंघन से उत्पन्न होती है, यह कहते हुए कि असाधारण तथ्यों की मांग थी कि एफआईआर को रद्द कर दिया जाए।

इसने प्रत्येक एफआईआर के तथ्यों से विस्तार से निपटा और शिकायत लेकर पुलिस के पास कोई भी पीड़ित नहीं आया जैसी चमकीली कमियों को इंगित किया। हालांकि, पीठ ने छह एफआईआर में से एक से संबंधित याचिकाओं को अलग करने का आदेश दिया, इस आधार पर कि यह ताजा न्यायनिर्णयन के लिए कुछ अन्य अपराधों से संबंधित थी और यह स्पष्ट किया कि आरोपी को दी गई अंतरिम सुरक्षा तब तक जारी रहेगी जब तक कि मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता।

भारत के आधार कार्ड की तकनीक.. .. ..

विभिन्न आपातकालीन सेवाओं के लिए आधार कार्ड होना अनिवार्य है। सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए भी यह उपयोगी है। लेकिन बार-बार आरोप लगते रहे हैं कि आधार अधिकारियों को दी गई नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी लीक हो रही है। हालाँकि, इस विवाद के बावजूद, वर्तमान में 1.4 अरब भारतीयों के पास आधार कार्ड है।

ब्रिटिश मीडिया आउटलेट द गार्जियन ने हाल ही में आधार कार्ड के विचलनों पर प्रकाश डालते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की। जब इस मुद्दे पर हंगामा शुरू हुआ, तो ब्रिटिश लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे आधार कार्ड के साथ भारत के अनुभव से सीख रहे हैं, लेकिन ब्रिट कार्ड का प्रकार थोड़ा अलग होगा। प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिट कार्ड में किसी से भी कोई बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाएगी। द गार्जियन ने एक ब्रिटिश सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि यह कार्ड केवल ब्रिटिश कर्मचारियों के लिए अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए अनिवार्य किया जाएगा।

स्कूल फीस नहीं दिया तो बच्चे .. ..

फैसला किया है। हालाँकि, उन्होंने केरल के शिक्षा मंत्री, राज्य बाल संरक्षण आयोग और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें स्कूल अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है। स्कूल प्रशासन ने उस शिकायत के बारे में भी कुछ नहीं कहा है। बताया जा रहा है कि पूरे मामले की प्रशासनिक जाँच शुरू कर दी गई है।

वित्तीय संकट से निकलने के लिए .. .. ..

का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रस्तावित विलय योजना देश की व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लक्ष्यों के अनुरूप हो।

बैंकों के इस अगले चरण के विलय पर चर्चा और परामर्श वित्तीय वर्ष 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य है कि इसी वित्तीय वर्ष के भीतर इस महत्वाकांक्षी योजना के कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया जाए। हालांकि, इस संवेदनशील विषय पर सरकारी घोषणा से पहले आंतरिक सहमति बनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में, वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव की पुष्टि या खंडन करते हुए कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की है।

यह निर्णय सरकार के उस व्यापक और सतत प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत और पूंजीकृत बनाना है। इस दिशा में पहले भी कई बड़े कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2017 और 2020 के बीच, केंद्र सरकार ने 10 सरकारी बैंकों को मिलाकर चार बड़े बैंकों का निर्माण किया था, जिसके परिणामस्वरूप 2017 में 27 रहे ढश्इ२ की कुल संख्या घटकर मात्र 12 रह गई थी। उदाहरण के तौर पर, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में किया गया था, जबकि सिंडिकेट बैंक को केनरा बैंक के साथ मिला दिया गया था। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक में भी उसके सभी सहयोगी बैंकों का विलय किया जा चुका है।

विशाल पिंड टकराया लेकिन .. .. ..

पहचानी गई किस्म अब तक केवल दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में ही पाई गई है। कर्टिन के स्कूल ऑफ अर्थ एंड प्लैनेटरी साइंसेज के सह-लेखक प्रोफेसर फ्रेड जॉर्डन ने इस खोज की तुलना पृथ्वी के उथल-पुथल भरे अतीत में एक नया अध्याय खोलने से की है। प्रोफेसर जॉर्डन ने कहा, ये कांच ऑस्ट्रेलिया के लिए अद्वितीय हैं और इन्होंने एक प्राचीन प्रभाव वाली घटना को रिकॉर्ड किया है जिसके बारे में हमें पता भी नहीं था।

उन्होंने आगे बताया, ये तब बने जब एक क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराया, जिससे सतह की चट्टानें पिघल गईं और मलबा हजारों किलोमीटर तक बिखर गया। कांच के ये छोटे टुकड़े हमारे ग्रह के इतिहास की गहराई से निकली छोटी समय कैप्सूल की तरह हैं।

सुरक्षा बलों के सामने राइफल .. .. ..

पुरानी परंपरा रही है। 1990 के दशक के अंत में टी-90 टैंक की खरीद के दौरान भी सेना ने इसी तरह का पैटर्न अपनाया था।

रक्षा आधुनिकीकरण पर लगभग हर बहस में विशेषज्ञ खरीद में अत्यधिक देरी के लिए रक्षा मंत्रालय को कोसते हैं, लेकिन सेना को अक्सर बख्श दिया जाता है। हालांकि, सैन्य नेतृत्व भी इस प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेना की ओर से अवास्तविक गुणात्मक आवश्यकताएँ तैयार करने की प्रवृत्ति ने बार-बार आवश्यक उपकरणों के अधिग्रहण में देरी की है या उन्हें रद्द कर दिया है।

2015 में, तत्कालीन रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने मजाक में कहा था कि क्यूआर लिखने वाले शायद मार्वल कॉमिक फिल्में देख रहे थे। 2012 में, तत्कालीन रक्षा सचिव ने संसदीय स्थायी समिति को बताया था कि पिछली वर्षों में सेना के 41 टेंडरों को दोषपूर्ण और कठोर जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स के कारण वापस ले लिया गया था।

2011 में, सेना ने बहु-कैलिबर असॉल्ट राइफलों के लिए एक वैश्विक टेंडर जारी किया था। इसके लिए राइफल में परस्पर विनिमय योग्य बैरल की आवश्यकता थी ताकि दो पूरी तरह से अलग कारतूसों (पारंपरिक युद्ध के लिए 5.56 मिमी इंसास और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए 7.62 मिमी एके -47) का उपयोग किया जा सके।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र
प्रथम पृष्ठ 2
रांची रविवार » 12
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com
19/10/2025

धनतेरस धनतेरस पर रांची के बाजारों में खरीदारी की जबरदस्त रौनक

झाड़ू, दीये और बर्तनों की भारी मांग, ऑटोमोबाइल व ज्वेलरी सेक्टर में भी बढ़ी बिक्री

- धनतेरस पर रांची के बाजारों में उमड़ी भीड़
- सुबह से रात तक रही खरीदारी की रौनक
- मेन रोड, अपर बाजार और डोरंडा में ज्यादा भीड़
- झाड़ू की मांग सबसे अधिक रही
- करंज तेल और पूजा सामग्री की भारी बिक्री
- मिट्टी और डिजाइनर दीयों की खूब मांग
- बर्तन और ज्वेलरी बाजार में बढ़ा कारोबार
- ऑटोमोबाइल सेक्टर में ग्राहकों की लंबी कतारें
- पुलिस ने लगाई विशेष सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था
- दीपावली से पहले धनतेरस ने बढ़ाई बाजार की चमक

राष्ट्रीय खबर

रांची: धनतेरस के शुभ अवसर पर शनिवार को रांची के बाजारों में सुबह से ही रौनक देखने लायक रही। मेन रोड, अपर बाजार, लालपुर, डोरंडा और कांटाटोली सहित शहर के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई इस शुभ दिन पर नई चीजें खरीदने को लेकर उत्साहित नजर आया। बाजारों में खरीदारी का ऐसा माहौल रहा कि दुकानदारों के चेहरे पर भी खुशी साफ झलक रही थी। पारंपरिक रूप से इस दिन झाड़ू खरीदने की परंपरा रही है, इसलिए झाड़ू की मांग सबसे अधिक रही। लोग मानते हैं कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। इस बार झाड़ू की कीमत 90 रुपये से लेकर 120 रुपये तक रही। कई दुकानों पर केरल और पश्चिम बंगाल से लाए गए नारियल झाड़ू और फूल झाड़ू की भरपूर बिक्री हुई। बाजार में करंज के तेल की भी खूब मांग रही जो 160 रुपये प्रति लीटर तक बिका। पूजा-पाठ की सामग्री जैसे रोरी, सिंदूर, कपूर, अगरबत्ती, गोमती चक्र, शंख, कमलगट्टे की माला और हल्दी की गांठ की बिक्री भी जोरों पर रही।

शहर के बर्तन बाजारों में भी ग्राहकों की भारी भीड़ देखी गई। स्टील, पीतल और चांदी के बर्तनों की बिक्री पिछले साल की तुलना में अधिक रही। कई दुकानों पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट दी गई थी। धनतेरस पर नई गाड़ियों की खरीदारी का भी जबरदस्त उत्साह रहा। शहर के विभिन्न ऑटोमोबाइल शोरूमों में ग्राहकों की भीड़ देखी गई। कई लोगों ने पहले से ही अपनी पसंद की गाड़ियों की बुकिंग करा रखी थी। जीएसटी दरों में कमी के चलते इस बार ग्राहकों को भारी छूट का लाभ भी मिला, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिक्री बढ़ी।

सोने-चांदी के बाजारों में भी ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। ज्वेलरी दुकानों में लोगों ने लक्ष्मी पूजा के लिए सोने-चांदी के सिक्के और छोटे-छोटे आभूषण खरीदे। दुकानदारों के अनुसार महंगाई के बावजूद इस साल कारोबार पिछले साल की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक रहने की उम्मीद है। वहीं, दीपावली को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के पारंपरिक दीयों के साथ डिजाइनर और रंगीन दीयों की बिक्री भी काफी बढ़ी। लोग घरों और मंदिरों को सजाने के लिए सुगंधित दीये, सजावटी लाइट्स और दीपावली घरों की खरीदारी करते दिखे। स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाए गए हाथ से बने दीयों की मांग सबसे अधिक रही।

पुलिस प्रशासन ने धनतेरस की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी थी। पूरे बाजार क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल और ट्रैफिक जवानों की तैनाती की गई ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। मुख्य सड़कों पर पार्किंग के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। दुकानदारों ने बताया कि इस बार ग्राहकों का उत्साह पिछले कई वर्षों की तुलना में अधिक देखने को मिला है। दीपावली से पहले धनतेरस ने बाजार में नई जान फूंक दी है और इससे व्यापारियों में काफी उत्साह है। शाम होते-होते बाजारों में दीयों की रोशनी और ग्राहकों की चहल-पहल ने पूरे माहौल को त्योहारमय बना दिया।